राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 267 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार, 27 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नजर...

इलेक्ट्रोरल बॉंड की बिक्री पर रोक से कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीमकोर्ट ने पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों से ऐन पहले इलेक्ट्रोरल बॉण्ड की बिक्री पर रोक लगाने संबंधी याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। सीजे शरद अरविंद बोबडे की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने गैर-सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की याचिका खारिज करते हुए कहा कि इलेक्ट्रोरल बॉण्ड को 2018 एवं 2019 में ही जारी करने की अनुमति दी गई थी और इसके लिए पर्याप्त सुरक्षा मानक हैं।

मिस्त्री को सीएमडी पद से हटाना सही: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साइरस मिस्त्री को दोबारा टाटा समूह का अध्यक्ष बहाल करने का राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) का फैसला शुक्रवार को पलट दिया। सीजेआई शरद अरविंद बोबडे, जस्टिसद्वय एस बोपन्ना एवं वी रमासुब्रमण्यम की खंडपीठ ने टाटा समूह को राहत देने वाला यह फैसला सुनाया। दरअसल राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने 24 अक्टूबर, 16 को सायरस मिस्त्री को सीएमडी पद से हटाने के फैसले को सही ठहराया था

यूपी: लॉ स्टूडेंट से रेप में स्वामी चिन्मयानंद बरी

लखनऊ, (एजेंसी)। शाहजहांपुर लॉ कालेज की छात्रा से रेप मामले में फंसे पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद एमपी-एमएलए कोर्ट से बरी हो गए। वहीं स्टूडेंट की तरफ से पांच करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में भी सभी आरोपी दोषमुक्त करार दिए गए। यूपी के शाहजहांपुर स्थित लॉ कालेज की छात्रा ने चिन्मयानंद पर रेप का आरोप लगाया था। इस केस में शुक्रवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने फैसला सुना दिया। रेप मामले में फंसे चिन्मयानंद को एमपी-एमएलए कोर्ट से बरी कर दिया गया।

16 विभूतियों को मिला महादेवी वर्मा सम्मान

पटना, (एजेंसी)। ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस (जीकेसी) के सौजन्य से महान कवियित्री और सुविख्यात लेखिका महादेवी वर्मा की जयंती 26 मार्च के अवसर पर 16 विभूतियों को महादेवी वर्मा सम्मान से अंलकृत किया गया। जीकेसी के सौजन्य से राजधानी पटना के भारतीय नृत्य कला मंदिर में महादेवी वर्मा स्मृति सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर अलग-अलग क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 16 विभूतियों को महादेवी वर्मा सम्मान से सम्मानित किया गया।

पिता ने ठेले पर सामान बेच पढ़ाया, बेटी टॉपर

नालंदा, (एजेंसी)। सोनाली ने शुक्रवार को आए बिहार बोर्ड के रिजल्ट में वो इंटरमीडिएट साइंस में 471 नंबर लाकर स्टेट टॉपर बनी है। इनके पिता चुन्नीलाल ठेले पर शहर में घूम-घूम कर खाने-पीने की चीजें बेचते हैं। बावजूद इसके अपनी दोनों बच्चियों को उन्होंने उच्च शिक्षा देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। यही कारण है उनकी छोटी बेटी स्टेट टॉपर बनी है। वो आने वाले समय में यूपीएससी टॉप करना चाहती है। फिलहाल इनका पूरा परिवार बिहार शरीफ के चमन गली में स्वर्गीय गंगा हलवाई के मकान में किराए पर रहता है।

एमबीबीएस दाखिला ठगी में दो और आरोपी बंदी

नोएडा (उप्र), (एजेंसी)। सरकारी कॉलेजों में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह के दो और लोगों को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया। अपर पुलिस उपायुक्त रणविजय सिंह ने बताया कि नौ फरवरी को थाना सेक्टर 58 में अनिल गुप्ता सहित छह लोगों ने शिकायत दर्ज कराई कि सेक्टर 62 स्थित एक ऑफिस के संचालकों ने उनसे संपर्क किया, तथा 25 से 50 लाख रुपये लेकर उन्हें उत्तर प्रदेश के विभिन्न सरकारी कॉलेजों में एमबीबीएस में दाखिला दिलाने का वादा किया।

हम दोनों देशों के लिए 21वीं सदी में अगले 25 वर्षों की यात्रा बहुत ही महत्वपूर्ण

पाक को खरी-खोटी, इंदिरा को किया याद, पीएम बोले-बांग्लादेश के लिए सत्याग्रह किया

ढाका । दो दिन की यात्रा पर बांग्लादेश पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनकी जिंदगी के पहले आंदोलनों में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम भी शामिल था. उन्होंने कहा- बांग्लादेश की आजादी के लिए संघर्ष में शामिल होना, मेरे जीवन के पहले आंदोलनों में से एक था. मेरी उम्र 20-22 साल रही होगी जब मैंने और मेरे कई साथियों ने बांग्लादेश के लोगों की आजादी के लिए सत्याग्रह किया था. उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की आजादी के लिए तड़प भारत में भी थी. पाकिस्तान की सेना ने जो अत्याचार किया वह तस्वीर विचलित करने वाली थी. उसने कई दिन तक सोने नहीं दिया.

भाषण के दौरान पीएम मोदी ने उन भारतीय सैनिकों को याद किया जिन्हें बांग्लादेश की आजादी के लिए खून बहाया. उन्होंने मुक्ति संग्राम के दौरान संघर्ष करने वाले लोगों को भी याद किया. पीएम ने कहा कि इन दोनों का खून आज के बांग्लादेश में मिला हुआ और यही खून दोनों देशों के संबंध को इतना मजबूत बनाता है कि ये किसी भी स्थिति और दबाव में टूट नहीं सकता.

शेख मुजीबर्रहमान को किया याद

भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश के राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर्रहमान के सम्मान में मुजीब जैकेट पहनी हुई थी. उन्होंने कहा- बंगबंधु के हौसले ने, उनके नेतृत्व ने ये तय कर दिया था कि कोई भी ताकत बांग्लादेश को गुलाम नहीं रख सकती. पीएम ने कहा कि यह भारतीयों के लिए गर्व की बात है कि शेख मुजीबुर्रहमान को गांधी पीस प्राइज से नवाजा गया. पीएम मोदी ने गांधी पीस प्राइज आज शेख मुजीबुर्रहमान की छोटी बेटी शेख रेहाना को दिया. मुजीबुर्रहमान को इस पुरस्कार के लिए मरणोपरांत चुना गया है.

इसके अलावा पीएम मोदी ने भारत-बांग्लादेश मैत्री के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 50 बांग्लादेशी उद्यमियों को भारत में आमंत्रित किया. उन्होंने कहा कि इन उद्यमियों को हमारे वेंचर कैपिटलिस्ट्स से मिलना चाहिए. हम उनसे सीखेंगे और वो हमसे.

इसके अलावा पीएम मोदी ने कहा कि ये एक सुखद संयोग है कि बांग्लादेश के आजादी के 50 वर्ष और भारत की आजादी के 75 वर्ष का पड़ाव, एक साथ ही आया है. हम दोनों ही देशों के लिए, 21वीं सदी में अगले 25 वर्षों की यात्रा बहुत ही महत्वपूर्ण है. हमारी विरासत भी साझी है, हमारा विकास भी साझा है. पीएम मोदी ने कहा कि ये भारतीयों के लिए खुशी की बात है

कि मेड इन इंडिया वैक्सीन बांग्लादेशी भाइयों की जीवनरक्षा कर रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने बांग्लादेश दौरे को कूटनीतिक और राजनयिक दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित करने में लगे हैं ताकि दुनिया भर में ये संदेश जाए कि पडोसी उनकी पहली प्राथमिकता है. लेकिन उनके इस दौरे का एक महत्वपूर्ण पहलू ये भी है कि अपने इस व्यस्त कार्यक्रम के बीच वो भारतीय संस्कृति और रीतियों की पहचान रखने वाले मठ और शक्ति पीठों के भी दर्शन करने का कार्यक्रम बना लिया है और इसका संदेश तो देश भर में जाता ही है. अपने दौरे के दूसरे दिन की शुरुआत पीएम मोदी श्यामनगर के इश्वरीपुर इलाके मे बने जेशोरेश्वरी काली मंदिर में दर्शन के लिए जाएंगे. ये काली मंदिर 51 तमाम स्थानों पर फैले 51 शक्ति पीठों से एक है. ये बात तो जग जाहिर है कि पीएम मोदी बाबा भोलेनाथ और मां काली के अनन्य भक्त हैं. और ये पहला मौका होगा कि किसी भी देश का शासनाध्यक्ष श्यामनगर और काली मंदिर तक जाएगा. सूत्र बताते हैं कि पीएम मोदी के आने के कार्यक्रम से इस पूरे इलाके में त्यौहार जैसा माहौल बना हुआ है.

इसके बाद पीएम मोदी ढाका से दूर ओराकांडी जाएंगे, उनके लिए सामुदायिक स्वागत का कार्यक्रम होगा. ओराकांडी में ही मटुआ समाज के महासंध की स्थापना 1960 में हुई थी. 1860 में इसी इलाके से हरिचंद ठाकुर ने मटुआ आंदोलन की शुरुआत की थी. इनके अनुयायी आज भी बांग्लादेश और भारत के पशिचम बंगाल में भारी संख्या में हैं. हरिचंद ठाकुर इस समुदाय द्वारा भगवान की तरह पूजे जाते है और उनके अनुयायी तो यही मानते हैं कि वे दुनिया मे पिछड़ों को मुक्ति दिलाने ही आए था. यहीं पीएम मोदी का सामुदायिक स्वागत होगा और उम्मीद की जा रही है कि वे मटुआ समाज को यहां संबोधित भी कर सकते हैं.

दौरे के पहले दिन यानि 26 मार्च को भी पीएम मोदी ने अपने व्यस्ता कार्यक्रमों के बीच तमाम समुदाय के नेताओं से मुलाकात की और साथ ही बांगलादेश के अल्पसंख्यक समुदायों के नुमाइंदों से भी मुलाकात कर उनका हाल जाना. ढाका मे रह रहे वोहरा समाज के लोगों ने मोदी से मुलाकात के बाद कहा कि वो दुआ करते कि मोदीजी दोनो देशों को मजबूत बनाने में सफर रहें. बांग्लादेश के स्टार क्रिकेटर शाकिब उल हसन ने भी पीएम मोदी से मुलाकात कर उनके नेत्त्व की तारीफों के पुल बांधे हैं.

राष्ट्रीय दिवस के कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, मैं सभी भारतीयों की तरफ से आप सभी को बांग्लादेश के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई देता हूँ। मैं बॉन्गोबान्धु शेख मुजिबूर रहमान जी को श्रद्धांजलि देता हूं जिन्होंने बांग्लादेश और यहां के लोगों के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया। बांग्लादेश के राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर रहमान की छोटी बेटी शेख रेहाना को पीएम मोदी ने गांधी शांति पुरस्कार 2020 दिया।

बता दें कि यह पुरस्कार मरणोपरांत शेख मुजीबुर रहमान को दिया गया है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि यह भारतीयों के लिए गर्व की बात है कि हमें शेख मुजीबुर रहमान को गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमने बांग्लादेश की आजादी के लिए गिरफ्तारी दी थी। उन्होंने कहा कि मेरी उम्र 20-22 साल रही होगी जब मैंने और मेरे कई साथियों ने बांग्लादेश के लोगों की आजादी के लिए सत्याग्रह किया था। बांग्लादेश की आजादी के लिए संघर्ष में शामिल होना, मेरे जीवन के भी पहले आंदोलनों में से एक था।

वहीं, इसके पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री व विभिन्न राजनीतिक दलों के विपक्षी नेताओं से मुलाकात और बातचीत की थी। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को लेकर व्यापक बातचीत हुई। बैठक के बाद बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर भारत द्वारा वैश्विक स्तर पर कोरोना वैक्सीन वितरण की तारीफ की है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमिन ने कहा कि वैक्सीन उपलब्ध कराकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों के दिल और दिमाग को जीत लिया है।

राष्ट्रपति को सीने में दर्द सैन्य अस्पताल में भर्ती

नियमित जांच कराई जा रही

नई दिल्ली एजेंसी

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को सीने में दर्द के कारण शुक्रवार को यहां सेना अस्पताल में भर्ती कराया गया।। सेना के रिसर्च एवं रेफरल अस्पताल ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें सीने में जकड़न महसूस हुई थी। उनकी नियमित जांच कराई जा रही है और उन्हें चिकित्सकों की देख-देख में रखा गया है। बता दें कि कुछ दिनों पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक ली थी। राष्ट्रपति ने अपनी पत्नी के साथ खुद अस्पताल जाकर कोरोना वैक्सीन का टीका लगवाया था।

प्रधानमंत्री ने जाना हाल:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका हालचाल लिया है। पीएमओ की ओर से जारी किए गए बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के बेटे से बातचीत की है और उनका हालचाल जाना है और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

शिवराज ने कोविंद के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। श्री चौहान ने ट्वीट के जरिए कहा कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी के अस्वस्थ होने का समाचार मिला। ईश्वर से उनके शीघ्र पूर्णत: स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

कोविंद का हरिद्वार दौरा स्थगित

हरिद्वार (एजेंसी)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का हरिद्वार का प्रस्तावित दौरा अपरिहार्य कारणों से स्थगित हो गया है। श्री कोविंद का हरिद्वार और ऋषिकेश का दो दिवसीय दौरा प्रस्तावित था। उन्होंने एक और दो अप्रैल को हरिद्वार आना था, यहां उन्होंने पतंजलि योगपीठ सहित कई कार्यक्रमों में शामिल होना था। माना जा रहा है कि हरिद्वार में महाकुंभ की अधिसूचना जारी होने के बाद तथा देश में बढ़ रहे कोरोना केसों को देखते हुए राष्ट्रपति का यह दौरा स्थगित हो गया है।

अमित शाह ने बदरुद्दीन अजमल को बताया आधुनिक काला पहाड़

गुवाहाटी । होम मिनिस्टर अमित शाह ने एआईएयूडीएफ के नेता बदरुद्दीन अजमल पर हमला बोलते हुए कहा है कि वह प्रदेश में %लैंड जिहाद% कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बदरुद्दीन अजमल लैंड जिहाद कर रहे हैं। मैं आप लोगों को गारंटी देता हूं कि 5 साल बाद असम में कोई भी व्यक्ति लैंड जिहाद करता नहीं दिखेगा। मोरीगांव में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने बदरुद्दीन अजमल को आधुनिक काला पहाड़ करार दिया। उन्होंने कहा कि क्या राहुल गांधी और बदरुद्दीन अजमल असम को सुरक्षित रख पाएंगे? पिछले सप्ताह ही सरायघाट के युद्ध की जयंती थी। यह युद्ध असम के योद्धा

लाचित बडफुकन के नेतृत्व में लड़ा गया था। उन्होंने सालों तक असम की भूमि को मुगलों से बचाने का काम किया था।

अमित शाह ने असम की अस्मिता का सवाल उठाते हुए कहा कि राहुल गांधी यहां आते हैं और कहते हैं कि बदरुद्दीन अजमल असम की पहचान हैं, लेकिन असल में शंकरदेव, महादेव और लाचित बडफुकन असम की पहचान हैं। कांग्रेस भले ही कितने भी प्रयास कर ले, लेकिन हम बदरुद्दीन अजमल को असम की पहचान नहीं बनने देंगे। यह पहला मौका है, जब अमित शाह ने बदरुद्दीन अजमल पर लैंड जिहाद का आरोप लगाया है। साफ है कि आने वाले दिनों में असम के चुनाव में ध्रुवीकरण के मुद्दे देखने को मिल सकते हैं।

अमित शाह ने असम में रैली के दौरान बदरुद्दीन अजमल की तुलना काला पहाड़ से की और कहा कि वह आधुनिक काला पहाड़ हैं। दरअसल काला पहाड़ एक जनरल था, जिसने उड़ीसा और असम के बड़े इलाके में हमला किया था। कहा जाता है कि काला पहाड़ एक ब्राह्मण परिवार में पैदा हुआ था, लेकिन बाद में इस्लाम अपना लिया था।

वह बंगाल के सुलेमान कर्रानी का सेनापति था। उसने ओडिशा के जगन्नाथ पुरी मंदिर में हमला किया था और भारी लूटपाट मचाई थी। यहां तक कि उसने मंदिर में पूजा भी बंद करा दी थी। इसके बाद काला पहाड़ ने असम के तेजपुर में हमला बोला और फिर कामाख्या मंदिर पर भी हमला किया था। काला पहाड़ को असम में एक आक्रांता और हिंदू पर अत्याचार करने वाले शख्स के तौर पर जाना जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर मुख्तार अंसारी को दो हफ्ते में पंजाब से यूपी जेल शिफ्ट करने का दिया आदेश

नई दिल्ली, एजेंसियां। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी को दो हफ्ते में पंजाब से यूपी जेल शिफ्ट करने का आदेश दे दिया है। कोर्ट ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका मंजूर करते हुए यह आदेश दिया। यूपी सरकार ने कोर्ट से अंसारी को पंजाब से यूपी जेल स्थानांतरित करने की मांग की थी।

पंजाब सरकार और अंसारी ने यूपी की याचिका का विरोध किया था। वह उगाही के कथित मामले में जनवरी 2019 से पंजाब की रोपड़ जेल में बंद है। अब प्रयागराज की एमपी/एमएलए कोर्ट यह तय करेगी कि उसे किस जेल में रखा जाएगा। जस्टिस अशोक भूषण और आरएस रेड्डी की पीठ ने यह फैसला सुनाया।

कोर्ट ने अंसारी की याचिका भी खारिज कर दी। उसने उत्तर प्रदेश में उसके खिलाफ दर्ज मामलों को राज्य के बाहर स्थानांतरित करने की मांग की थी। बता दें कि यूपी सरकार मुख्तार को वापस लाकर उसके खिलाफ चल रहे मुकदमों का निपटारा कराना चाहती है। मुख्तार अंसारी को यूपी जेल ट्रांसफर करने को लेकर उत्तर प्रदेश और पंजाब सरकार के बीच सियासी और कानूनी जंग छिड़ी हुई थी। याचिका का मुख्तार अंसारी के अलावा पंजाब सरकार ने विरोध किया था।

पंजाब सरकार की दलील- 4 मार्च को पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के पास बांदा जेल ट्रांसफर कराने की मांग करने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है। पंजाब ने अनुच्छेद 32 के तहत दायर उत्तर प्रदेश की याचिका पर सवाल उठाया था और मुख्तार के स्वास्थ्य खराब होने की भी दलील दी थी। वहीं मुख्तार ने उत्तर प्रदेश में अपनी जान को खतरा बताया था।

वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि यूपी ने सौंपकर पंजाब सरकार गैंगस्टर से नेता बने अंसारी की बेशर्मी से रक्षा कर रही है। जहां उसके खिलाफ कई जघन्य अपराधों के लिए मुकदमे दायर है।

स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा- देश में कोरोना से लड़ने के लिए टीकाकरण का दायरा जल्द बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने शुक्रवार को कहा कि टीकाकरण के दायरे में जल्द ही अन्य आयु वर्ग के लोगों को भी लाने की योजना है। अभी इसके दायरे में स्वास्थ्यकर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स, वरिष्ठ नागरिकों और गंभीर रोगों से ग्रस्त 45 साल से अधिक उम्र के लोग हैं। एक अप्रैल से 45 साल से ज्यादा आयु के सभी लोगों का टीकाकरण शुरू होने वाला है।

हर्षवर्धन ने कहा कि लोगों ने आगे बढ़कर देश में निर्मित यानी मेड इन इंडिया टीके को अपनाया है। उनके इसी उत्साह के चलते लाभार्थियों को वैक्सीन की आखिरी चार करोड़ खुराकें सिर्फ चार दिन में ही दे दी गईं, जबकि शुरू में एक करोड़ टीके लगाने में 34 दिन लगे थे।

बता दें कि 16 जनवरी से टीकाकरण की शुरुआत हुई थी। सबसे पहले स्वास्थ्यकर्मियों का टीकाकरण शुरू हुआ था। दो फरवरी से फ्रंटलाइन वर्कर्स को इसके दायरे में लाया गया।

वहीं, एक मार्च से वरिष्ठ नागरिकों और गंभीर रोग से ग्रस्त 45 साल से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाए जाने लगा था।

सरकार ने कुछ दिन पहले ही एलान किया था कि एक अप्रैल से 45 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को टीका लगाया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री यहां एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में यह जानकारी दी गई है।

कोरोना की दूसरी लहर का कहर जारी, महाराष्ट्र में लॉकडाउन की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में कोरोना की दूसरी लहर का कहर जारी है। देश में कोरोना महामारी फैलने के बाद से सक्रिय आंकड़े में तेजी देखी जा रही है। भारत में कोरोना की दूसरी लहर ने दस्तक दे दी है और मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगे हैं। गुरुवार को देश में कोरोना वायरस के 59 हजार से ज्यादा नए मामले आए हैं। यह पिछले 159 दिनों में आने वाली संक्रमितों की सबसे बड़ी संख्या है। देश के दो राज्य महाराष्ट्र और गुजरात पहली लहर के चरम के आंकड़े को भी पार कर चुके हैं। वहीं, पंजाब पिछली लहर के पीक के आंकड़ों को पार करने के करीब पहुंच चुका है। मुंबई में आज कोरोना के 5,504 नए मरीज मिले। महामारी शुरू होने के बाद से यह आंकड़ा एक दिन में अब तक का सबसे ज्यादा है। वहीं, बीएमसी ने लोगों को चेताया है कि आने वाले समय में एक दिन में 10 हजार मामले आ सकते हैं। ऐसे में ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है।

देश में बीते 24 घंटे में 59,069 नए केस सामने आए, 32,912 मरीज ठीक हुए और 257 की मौत हो गई। नए केस 17 अक्टूबर के बाद सबसे ज्यादा हैं। तब 61,893 मरीज मिले थे। गुरुवार को एक्टिव केस, यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या में 25,857 की बढ़ोतरी हुई। यह लगातार दूसरा दिन था, जब एक्टिव केस 25 हजार से ज्यादा बढ़े। बीते सात दिन में ही एक्टिव केस में 1 लाख 49 हजार 455 का इजाफा हुआ है।

देश में अब तक 1 करोड़ 18 लाख 46 हजार 82 लोग इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं। इनमें से 1 करोड़ 12 लाख 62 हजार 503 ठीक हो चुके हैं, जबकि 1 लाख 60 हजार 983 मरीजों ने जान गंवाई है। अभी 4 लाख 17 हजार 46 हजार 82 मरीजों का इलाज चल रहा है।

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बड़ा बयान दिया है। पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए अजित पवार ने कहा कि हम राज्य में बढ़ रहे कोरोना के मामलों को मॉनिटर कर रहे हैं, 2 अप्रैल तक नज़र रखी जाएगी। अगर लोग कोरोना गाइडलाइन्स का उल्लंघन करते रहे, तो सरकार के पास लॉकडाउन के अलावा कोई चारा नहीं बचेगा।

हिमाचल में स्कूल कॉलेज बंद

हिमाचल प्रदेश में स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान 4 अप्रैल तक बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने शुक्रवार को आपदा प्रबंधन के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में यह फैसला लिया, जिसे तुरंत प्रभाव से लागू भी कर दिया गया। मुख्यमंत्री ठाकुर ने अपील करते हुए कहा कि लोग घरों में ही अपने परिवार के साथ होली मनाएं। 3 अप्रैल को सरकारी छुट्टी घोषित की गई है। 2 अप्रैल को गुड फ्राइडे की छुट्टी है और 4 अप्रैल को रविवार। सरकारी विभागों में 3 दिन की छुट्टियों का पैकेज बना है। 23 मार्च से ही मेलों के आयोजनों पर रोक लग गई है।

कर्नाटक सरकार ने 1 अप्रैल से बेंगलुरु आने वाले लोगों के लिए कोरोना निगेटिव रिपोर्ट जरूरी कर दी है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने बताया कि शहर में अन्य राज्यों से आने वाले लोगों को आरटी-पीसीआर टेस्ट की निगेटिव रिपोर्ट दिखाना अनिवार्य होगा।

पर्यावरण मंत्रालय ने प्रदूषण से निपटने के लिए मिशन मोड में काम करने की बनाई योजना

नई दिल्ली । देश भर में प्रदूषण के खिलाफ छिड़ी मुहिम अब और तेज होगी। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने इस पर मिशन मोड में काम करने का एलान किया है। साथ ही प्रदूषण से घिरे सभी शहरों को तकनीकी मदद मुहैया कराने के लिए एक राष्ट्रीय नॉलेज नेटवर्क का भी गठन किया है। इसमें अब तक करीब 86 आइआइटी, एनआइटी और विश्वविद्यालयों आदि को जोड़ा गया है, जो अपने आसपास के शहरों को प्रदूषण की समस्या से निजात दिलाने में मदद करेंगे।

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर की मौजूदगी में शुक्रवार को इस पूरे अभियान की शुरुआत हुई। इस मौके पर आइआइटी दिल्ली के साथ गाजियाबाद एवं नोएडा नगर निगमों ने भी करार किया। तकनीकी संस्थानों के साथ इसी तरह का करार अब नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत चिन्हित सभी 132 शहरों की ओर से भी किया जाएगा।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जावडेकर ने कहा कि मौजूदा समय में हर शहर में प्रदूषण के अलग-अलग कारण हैं, ऐसे में इस नई पहल से शहरों को हवाओं को समयबद्ध तरीके से साफ करने में काफी मदद मिलेगी।

वायु प्रदूषण के खिलाफ शहरों में छिड़ी मुहिम में तकनीक संस्थानों की मदद लेने का यह फैसला उस समय लिया गया है, जब प्रदूषण से निपटने के लिए देश भर के सभी शहरों के प्लान में अलग- अलग चुनौतियां देखने को मिलीं हैं। ऐसे में मंत्रालय ने किसी एक तकनीकी संस्थान से मदद लेने के बजाय आस-पास के संस्थानों से ही उन्हें मदद मुहैया कराने की योजना बनाई।गौरतलब है कि नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत खराब हवा की गुणवत्ता वाले देश के 132 शहरों का चयन किया है।

नेपाल में विदेशी पर्यटकों के लिए क्वारंटाइन नियम हटाया गया, बर्शत लग चुका हो कोरोना टीका

काठमांडू। नेपाल में यात्रा संबंध में नए नियम लागू किए गए हैं। गुरुवार को प्रशासन द्वारा दिए गए आदेश के मुताबिक, विदेशी पर्यटकों के लिए क्वारंटाइन नियम को हटा दिया है। बर्शत सभी पर्यटकों ने कोरोना टीके के दोनों डोज लगवाए हो। यह निर्णय कोरोना महामारी के चलते ट्रैवल एंड टूरिज सेक्टर में हुए नुकसान को देखते हुए लिया गया है। ताकी इसकी कुछ भरपाई की जा सके।

जमा करानी होगी टीकाकरण की रिपोर्ट

पर्यटन मंत्रालय की वेबसाइट पर गुरुवार शाम को पोस्ट किए गए नए ट्रैवल प्रोटोकॉल के अनुसार, नेपाल में प्रवेश करने वाले पर्यटकों को अपनी टीकाकरण वाली रिपोर्ट जमा करनी होगी। इसके साथ ही कहा गया है कि अपने देश से निकलने से 72 घंटे पहले की यह रिपोर्ट जमा करे। एक नकारात्मक पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (पीसीआर) टेस्ट रिपोर्ट फॉर्म भी जमा करना होगा। हवाई यात्रा से पहले एंटी-कोरोनावायरस वैक्सीन की दोनों खुराक के दस्तावेजों को जमा करना यहां पर अनिवार्य कर दिया गया है।

नेपाल पहुंचते ही फिर से कराना होगा टेस्ट

इसके साथ ही कहा गया है कि नेपाल पहुंचने के बाद पर्यटकों को अन्य पीसीआर टेस्ट से गुजरना होगा। साथ ही कहा गया है कि इस टेस्ट का खर्चा उनको खुद उठाना होगा और जब तक रिपोर्ट नहीं आएगी तब तक उन्हें एक होटल में आइसोलेट होना पड़ेगा। अगर रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो नियम के अनुसार उन्हें होटल में अपने खर्चे पर आइसोलेट रहना होगा। आप्रवासन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, केवल 230,085 विदेशी पर्यटकों ने पिछले साल नेपाल का दौरा किया था। इतना आंकड़ा वर्ष 1986 में दर्ज किया गया था।

सऊदी अरब के एक तेल टर्मिनल में प्रोजेक्टाइल हमले के बाद लगी आग, हूती विद्रोहियों पर लगा आरोप

रियाद। दक्षिणी सऊदी अरब के एक तेल टर्मिनल में आग लगने की खबर सामने आई है। वहां के ऊर्जा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि यमन में रियाद के नेतृत्व वाले मिलिट्री इंटरवेंशन की छठी वर्षगांठ पर दक्षिणी सऊदी अरब में एक तेल टर्मिनल पर आग लग गई। बताया जा रहा है कि एक प्रोजेक्टाइल हमले के बाद तेल टर्मिनल में आग लग गई।

हूती विद्रोहियों पर लगा आरोप

मंत्रालय ने बताया कि जीजान प्रांत में हुए इस हमले के पीछे कौन था ये पता नहीं चल पाया है, लेकिन यमन के हूती विद्रोहियों पर आशंका है। सऊदी अरब के नेतृत्व में अरब मुल्कों ने यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ जंग छेड़ी हुई है, लेकिन हाल में ही रियाद ने संघर्षविराम का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब द्वारा शांति बहाली को लेकर हुई बातचीत के बाद भी यह हमला हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सीमा पार से होने वाले हमलों से उथल-पुथल तब भी होती है। जब संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा नए सिरे युद्ध के समापन के लिए जोर दिया जाता है। वाशिंगटन के यमन के लिए विशेष दूत टिम लेंडरकिंग ने देश में संघर्ष विराम के लिए मध्य पूर्व में लौटने की योजना बनाई थी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि ताजा प्रोजेक्टाइल हमला जीजान में एक पेट्रोलियम उत्पादों के वितरण टर्मिनल पर किया गया है, जिसके चलते टर्मिनल के एक टैंक में आग लग गई। राहत की बात यह रही है कि इस हमले में किसी को भी चोट नहीं पहुंची है।

इमरान सरकार नहीं करेगी पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के पासपोर्ट का नवीनीकरण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की इमरान सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के पासपोर्ट का नवीनीकरण करने से इन्कार करते हुए उनसे देश लौटने को कहा है। पिछले 16 महीनों से शरीफ लंदन में रहकर इलाज करा रहे हैं। उन्हें चिकित्सकीय आधार पर विदेश यात्रा की अनुमति दी गई थी। नवाज शरीफ के पासपोर्ट की अवधि 16 फरवरी को खत्म हो गई है। 15 फरवरी को उन्होंने पाकिस्तानी उच्चायोग को पत्र लिखकर नया राजनयिक पासपोर्ट जारी करने का अनुरोध किया था।

इस मुद्दे पर उच्चायोग ने सलाह के लिए विदेश मंत्रालय से संपर्क करने के साथ ही पत्र को गृह मंत्रालय को भेज दिया। मांगे जाने पर शरीफ ने अपनी बीमारी से जुड़े सभी दस्तावेज भी उपलब्ध कराए, लेकिन गृह मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय को निर्देश देते हुए कहा कि चूंकि पूर्व प्रधानमंत्री को इस्लामाबाद हाई कोर्ट और राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने फरार घोषित कर रखा है, इसलिए उनके पासपोर्ट का नवीनीकरण नहीं किया जा सकता है। गृह मंत्रालय ने उनसे अदालत में पेश होने के लिए देश लौटने को कहा है।

उल्लेखनीय है कि विपक्षी नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरयम नवाज पर सरकारी एजेंसियों का शिकंजा भी कसने लगा है। मरयम के खिलाफ मनी लांड्रिंग का केस फिर खोल दिया गया है। मरयम को एनएबी यानी राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने 26 मार्च को हाजिर होने के निर्देश दिए हैं। एनएबी ने 47 वर्षीय मरयम नवाज पर चौधरी शुगर मिल्स में निवेश के मामले में मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया है।

मरयम इस मिल की बड़ी शेयर धारक हैं। सनद रहे कि बीते दिनों पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने लंदन से वीडियो जारी कर कहा था कि उनकी बेटी मरयम नवाज को देश के बड़े सैन्य अधिकारियों द्वारा धमकी दी जा रहा है। नवाज ने चेतावनी दी थी कि यदि उनकी बेटी के साथ कुछ भी हुआ तो इसके जिम्मेदार प्रधानमंत्री इमरान खान होंगे। उनका कहना था कि सेना लगातार धमकी दे रही है।

बाइडेन की चीन को चुनौती:अमेरिकी राष्ट्रपति बोले-

नियमों का पालन कराने के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराएंगे; उसकी मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी

अमेरिका-मैक्सिको बॉर्डर पर प्रवासियों की बढ़ोतरी और अपने प्रशासन की प्रतिक्रिया के बारे में बाइडेन ने कहा कि यह मौसमी है और हर साल होता है।

वाशिंगटन। अमेरिका का राष्ट्रपति पद संभालने के बाद जो बाइडेन ने पद संभालने के बाद व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान बाइडेन ने QUAD देशों के साथ मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ काम करते हुए चीन पर दबाव बनाने के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि हम नियमों का पालन कराने के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराने जा रहे हैं, चाहे वह दक्षिण चीन सागर का मुद्दा हो या फिर उत्तरी चीन सागर का। हम ताइवान या दूसरी चीजों की पूरी सीरीज पर समझौते को लेकर भी चीन को मनमानी नहीं करने देंगे।

जिनपिंग की तुलना पुतिन से की

उन्होंने कहा कि हम टकराव नहीं चाहते, हालांकि हम जानते हैं कि चीन के साथ हमारी कड़ी प्रतिस्पर्धा होगी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को लेकर बाइडेन ने

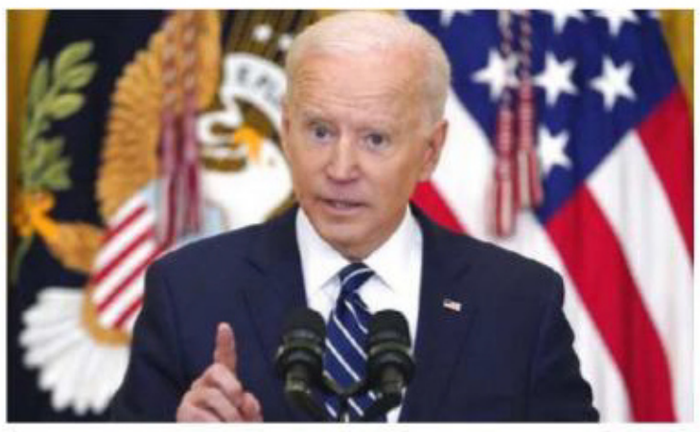

कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तरह उन लोगों में से एक हैं जो निरंकुशता को भविष्य मानते हैं।

अगला चुनाव भी लड़ेंगे बाइडेन

बाइडेन ने उम्मीद जताई है कि वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव की रेस में भी उतरेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हां, मेरी योजना फिर से चुनाव की रेस में उतरने की है। उम्मीद है कि ऐसा ही हो। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस उस चुनाव में भी उनकी रनिंग-मेट होंगी।

100 दिनों में 20 करोड़ लोगों का वैक्सीनेशन

बाइडेन ने कोरोना के खिलाफ टीकाकरण को और तेज करने का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि अब उनका लक्ष्य राष्ट्रपति की हैसियत से काम करते हुए अपने पहले 100 दिनों में 20 करोड़ लोगों को कोरोना का वैक्सीनेशन है। मैं जानता हूं कि यह महत्वाकांक्षी है और हमारे मूल लक्ष्य का दो गुना है, लेकिन कोई दूसरा देश इसके करीब भी नहीं आ सका है।

बाइडेन की प्रेस कॉन्फ्रेंस की अहम बातें

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया कि प्रशासन ने 1.9 ट्रिलियन डॉलर (13 हजार 807 अरब रुपए) के कोरोना राहत पैकेज के तहत लोगों के बैंक अकाउंट्स में 1400 डॉलर (1.1 लाख रुपए) के 10 करोड़ पेमेंट्स भेजे हैं। और भी लोगों को जल्द ही उनकी राहत राशि मिलेगी।

अमेरिका-मैक्सिको बॉर्डर पर प्रवासियों की बढ़ोतरी और अपने प्रशासन की प्रतिक्रिया के बारे में बाइडेन ने कहा कि यह मौसमी है और हर साल होता है। उन्होंने उन दावों को खारिज किया कि इमीग्रेशन के मुद्दे पर उनका प्रशासन ट्रंप प्रशासन की तुलना में लचर है। उन्होंने कहा कि हम आने वाले परिवारों में से ज्यादातर को वापस भेज रहे हैं। हम इस पर मैक्सिको के साथ काम करने की कोशिश कर रहे हैं। अफगानिस्तान से अमेरिकी फोर्सेज को वापस बुलाने के बारे में बाइडेन ने कहा कि 1 मई की समयसीमा को पूरा करना मुश्किल होगा। बाइडेन ने ट्रंप प्रशासन के वक्त हुई डील को खराब तरीके से डिजाइन किया गया बताया। बैलिस्टिक मिसाइलों के लॉन्च के मद्देनजर उत्तर कोरिया की ओर से खतरे के बारे में एक सवाल के जवाब में बाइडेन ने कहा कि उत्तर कोरिया ऐसा करना जारी रखेगा तो उसको जवाब मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम अपने सहयोगियों और पार्टनरों के साथ कंसल्ट कर रहे हैं और अगर वे आगे बढ़ना चाहते हैं तो प्रतिक्रियाएं होगी। हम उसी हिसाब से जवाब देंगे।

कोरोना दुनिया में: पिछले 24 घंटे में ब्राजील में रिकॉर्ड 97,586 केस मिले

12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए फाइजर की वैक्सीन का ट्रायल शुरू

ब्राजील। दुनियाभर में कोरोना की नई लहर ने सभी की चिंता बढ़ा दी है। सबसे बुरे हालात ब्राजील के हैं। यहां पिछले 24 घंटे में रिकॉर्ड 97,586 नए केस आए। इस दौरान 2639 लोगों की मौत भी हुई। यहां नए केसों के मामले में बीते दिन का आंकड़ा कोरोना महामारी की शुरुआत से अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। अमेरिका के बाद ब्राजील में ही सबसे ज्यादा लोग कोरोना की चपेट में आए हैं। इस मामले में भारत तीसरे नंबर पर है।

वहीं, अमेरिका की दवा कंपनी फाइजर INC और जर्मन पार्टनर बायोएनटेक स्ट्रू ने अमेरिका में 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कोरोना वैक्सीन का ट्रायल शुरू कर दिया है। कंपनी ने उम्मीद जताई कि अगले साल की शुरुआत तक इस आयु वर्ग के बच्चों के लिए वैक्सीन उपलब्ध हो जाएगी। अमेरिका में पिछले साल दिसंबर में फाइजर की वैक्सीन को इमरजेंसी अप्रूवल दिया गया था। फिलहाल इस वैक्सीन की डोज 16

और इससे ज्यादा उम्र के लोगों को दी जा रही है। अमेरिका में लोगों को तक करीब 6.60 करोड़ डोज दिए जा चुके हैं।

मॉडर्ना भी कर रही ट्रायल

इससे पहले इसी हफ्ते मॉडर्ना ने अमेरिका में बच्चों पर कोरोना वैक्सीन का ट्रायल शुरू किया था। इसके तहत अमेरिका और कनाडा में 6 महीने से 11 साल तक के 6750 बच्चों को ट्रायल के लिए रजिस्टर्ड किया गया है। मॉडर्ना की mRNA-1273 वैक्सीन के इस ट्रायल में इस बात का पता लगाया जा रहा है कि क्या कोरोना के संपर्क में आने पर वैक्सीन बच्चों में उससे सुरक्षा करने की क्षमता विकसित कर पाती है? ये ट्रायल अमेरिका के नेशनल एलर्जी और इंफेक्सियस डिजीज इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर किया जा रहा है।

बीते 24 घंटों में 6 लाख से ज्यादा मामले

पिछले 24 घंटे में दुनिया भर में 6.22 लाख लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई। इस दौरान 10 हजार से ज्यादा लोगों की मौत भी हुई। दुनिया में अब तक 12.60 करोड़ लोग महामारी की चपेट में आ चुके हैं। 10.17 करोड़ लोग रिकवर हुए और 27.67 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल 2.17 करोड़ मरीज कोरोना से जंग लड़ रहे हैं। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं।

अफ्रीकी देश में मिलेगा मालिकाना हक: केन्या का उमोजा गांव में सिर्फ 53 महिलाएं ही रहती हैं, अब इन्हीं के चलते महिलाओं के नाम हो सकेगी जमीन

नैरोबी। अफ्रीकी देश केन्या की आबादी 5.49 करोड़ है। इनमें 49.9फीसदी पुरुष और 50.1फीसदी महिलाएं हैं। फिर भी देश की 98त्न जमीन पुरुषों के नाम है। पर अब जमीन पर महिलाओं का भी हक होगा। और यह संभव हो सका है उमोजा गांव की बदौलत। 30 साल पहले बने उमोजा गांव में 53 महिलाएं और 200 बच्चे रहते हैं। यहां पुरुषों पर पाबंदी है। इस गांव के बनने की कहानी भी दर्दभरी है।

दरअसल, उत्तरी केन्या में रहने वाली जेन नोलमोंगन के साथ 30 साल पहले एक ब्रिटिश सैनिक ने दुष्कर्म किया तो उनके पति ने उन्हें घर से निकाल दिया। वह छत की तलाश में 8 बच्चों समेत एक ऐसे गांव में बस गईं, जहां कोई पुरुष नहीं था। 1990 में सांबूरू महिलाओं के आश्रय के रूप में बसे उमोजा गांव में दुष्कर्म पीड़िताओं से लेकर, घर से निकाली गई, बाल विवाह या खतने से खुद को बचा कर भागने वाली महिलाएं ठिकाना पाती हैं।

ऐसी ही 15 महिलाओं ने गांव बसाया। फिर आजीविका और बच्चों का पालन-पोषण करने के लिए खेती शुरू की। तीन दशक से खेती कर रहीं 52 साल की जेन बताती हैं- 'यह गांव ही हमारा सहारा रहा है। हमने अपनी जिंदगी सुधारने के लिए यहां मिलकर काम किया। एक-दूसरे को महिलाओं के अधिकार की महत्ता समझाई है।'

प्रशासनिक ईकाई के प्रमुख हेनरी इन महिलाओं में जमींदारी हासिल करने की पहल को जागरुकता का उदाहरण' बताते हैं। कहते हैं- 'केन्या का कानून पहले से ही हर नागरिक को संपत्ति का बराबर अधिकार देता है। लेकिन परंपरागत रूप से वह केवल बेटों के नाम कर दिया जाता है। पर उमोजा की महिलाएं उस जमीन पर कानूनी रूप से हक पा सकेंगी, जिसे उन्होंने कई सालों की अपनी बचत और लोगों से मिली दान की रकम से खरीदा है। अगले माह 52 वर्षीय जेन उस खेत की मालकिन होंगी, जिस पर वह 30 सालों से खेती कर रही हैं।

समंदर में ट्रैफिक जाम:दुनिया के सबसे व्यस्त रूट में फंसा सबसे बड़ा जहाज, 150 शिप कर रहीं निकलने का इंतजार

काहिरा। क्या कभी आपने समुद्र में ट्रैफिक जाम के बारे में सुना है। ऐसा सोचना भी अजीब लगता है, लेकिन ऐसा हुआ है। दुनिया के सबसे ज्यादा व्यस्त शिपिंग रूट पर एक जहाज पिछले तीन दिनों से फंसा हुआ है। उसे निकालने की हर कोशिश बेकार जा रही है और ऐसा लगता है कि अभी कुछ दिन और वो वहीं फंसा रहेगा। तकरीबन 150 शिप, उस जहाज के निकलने का इंतजार कर रहे हैं।

ये वाकया इजिप्ट की स्वेज कैनाल (नहर) में हुआ है। तेज हवा चलने के कारण यहां 400 मीटर लंबा और 59 मीटर चौड़ा एक विशाल मालवाहक जहाज फंस गया है। जहाज के फंसने के बाद दोनों तरफ का ट्रांसपोर्टेशन रुक गया है। स्वेज कैनाल के जरिए ही जहाज तेल, गैस और दूसरे सामानों से भरे कंटेनर लेकर यूरोप से एशिया के बीच आते-जाते हैं। 30 प्रतिशत मालवाहक जहाज रोजाना इस रूट से गुजरते हैं। अगर कुछ दिन तक ऐसी ही स्थिति बनी रही तो कई शिपिंग कंपनियों को लाखों करोड़ रुपए का घाटा होगा। 2018 में बना ये जहाज दुनिया के कुछ सबसे बड़े जहाजों में से एक है। इस पर एक साथ 20 हजार से ज्यादा कंटेनर लादे जा सकते हैं। इसका इस्तेमाल एशिया से यूरोप के बीच व्यापार करने के लिए किया जाता है। जहाज का संचालन एवरग्रीन मरीन कॉर्प्स नामक ताइवान की कंपनी करती है। जहाज नीरदलैंड के रोटर्डम जाने के लिए रवाना हुआ था। शिपिंग एक्सपर्ट के मुताबिक अभी जहाज को बाहर निकालने में 48 घंटे से ज्यादा का समय लग सकता है। स्वेज कैनाल 193 किलोमीटर

लंबी है। इस रूट के जरिए ही दुनिया का 12 प्रतिशत व्यापार होता है। जहाज के स्वेज कैनाल में फंसने के बाद उससे कंटेनर कम करना शुरू कर दिया गया है, लेकिन इसमें भी काफी वक्त लग सकता है।

जहाज को निकालने के लिए पांच छोटी शिप को भी काम पर लगाया गया है। मरीन सर्विस प्रोवाइडर कंपनी GAC ने एक नोट जारी किया है। इसमें लिखा है कि जहाज को हटाने का काम तेजी से चल रहा है, लेकिन तेज हवाओं के कारण रुकावट आ रही है।

कोरोना की तीसरी लहर के बीच वैक्सीनेशन

जिन देशों ने 20फीसदी से ज्यादा आबादी को टीका लगाया, वहां घटने लगे केस; भारत में फिलहाल 3.4फीसदी लोगों का टीकाकरण

ब्राजील। यूरोप के कई देश इस वक्त कोरोना की तीसरी लहर से गुजर रहे हैं। ब्राजील में तो स्थिति बेकाबू चल रही है। भारत में कोरोना की दूसरी लहर ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। टीकाकरण के आंकड़ों पर नजर डालने पर पता चलता है कि जिन देशों ने अपनी आबादी का 20त्न या उससे ज्यादा टीकाकरण किया है, वहां कोरोना के नए केस आना कम हो गए हैं या स्थिर हैं।

अगर भारत की बात करें, तो यहां अब तक 4.62 करोड़ लोगों को वैक्सीन की कम से कम एक डोज दी जा चुकी है। यह भारत की आबादी का 3.4फीसदी है और यहां बीते दिनों में रोजाना मिलने वाले आंकड़े 60 हजार के करीब पहुंच गए हैं।

ब्रिटेन में 25फीसदी आबादी को टीका लगा: इसका सबसे बड़ा उदाहरण च्च है। इस महीने की शुरुआत तक वह शीर्ष पांच देशों में शामिल था, जहां दुनिया के सबसे ज्यादा संक्रमित मिल रहे थे। उसने अब तक 25त्न आबादी को कम से कम एक टीका लगा दिया है। इससे वहां नए केस आने कम हो गए हैं। इस मामले में वह अब 24वें पर पहुंच गया है।

दुनिया में अब तक 48.6 करोड़ टीके लग चुके: दूसरी ओर दुनिया के 137 देशों/द्वीपों में कोरोना से बचाव का टीकाकरण चल रहा है। अब तक 48.6 करोड़ टीके लग चुके हैं। सबसे ज्यादा 13 करोड़ टीके अमेरिका ने लगाए हैं। उसके बाद

भारत का नंबर आता है।

कोरोना में नाकामी पर गवर्नर ने राष्ट्रपति को मानसिक रोगी बताया

ब्राजील में 24 घंटे में 2,244 मौतें हुईं। इसी के साथ वहां मौत का आंकड़ा 3 लाख पार हो गया है। वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाला दूसरा देश है। इस बीच, कोरोना से ठीक तरीके से नहीं निपटने पर साओ पाउलो के गवर्नर जाओ डोरिया ने राष्ट्रपति जैर बोल्सोनारो को 'मानसिक रोगी' बताया है। डोरिया ने कहा कि अगर राष्ट्रपति सही जिम्मेदारी निभाते तो मौतें कम होतीं।

म्यांमार में नहीं थम रही सेना की क्रूरता: फरवरी में तख्तापलट के बाद से अब तक 300 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों की मौत, करीबन 3 हजार लोग गिरफ्तार

यंगून। म्यांमार में 1 फरवरी से हुए तख्तापलट के बाद से पूरा देश सेना के कब्जे में है। इसी सैन्य शासन के खिलाफ म्यांमार में विरोध प्रदर्शन जारी है। यहां प्रदर्शनकारी एक तरफ देश में लोकतंत्र बहाल करने की मांग कर रहे हैं, तो वहीं सेना की तरफ से दमन की कार्रवाई जारी है। अबतक 2,981 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं, अब तक कुल 320 लोगों की जान जा चुकी है। यह जानकारी असिसटेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिसनर ने दी है।

AAPP के मुताबिक, गुरूवार को 9 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह कार्रवाई सेना ने यंगून के थिंगांग्युन, सैगिंग रिजन के खिन-यू टाउन, काचिन राज्य के मोहनीन टाउन, शान राज्य के तांगुंगी शहर में की है। इससे पहले 23 लोगों की मौत हो गई थी।

सेना ने 24 प्रदर्शनकारियों को अपराधी ठहराया

हाल में ही गिरफ्तार किए प्रदर्शनकारियों में से 24 को अपराधी ठहराया है। साथ ही 109 लोगों पर गिरफ्तारी और फरार होने का आरोप है। गुरुवार को कई शहरों में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किए गए। कई प्रदर्शनों के दौरान हिंसा की खबर सामने आई।

16 साल के बच्चे की हत्या

AAPP के मुताबिक, मंडल्य शहर में एक 16 साल के बच्चे की हत्या कर दी गई। वहीं, कुछ लोग घायल हुए हैं। इससे पहले मंगलवार को मंडल्य शहर में ही सेना ने 7 साल की बच्ची की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अबतक हुई मौतों में बच्ची की उम्र सबसे कम है।

यूरोपियन यूनियन और USA ने सैन्य कार्रवाई की निंदा की

म्यांमार में हो रही हिंसा पर अब अमेरिका ने भी नाराजगी जाहिर की है। यूरोपियन यूनियन के नेतृत्व में अमेरिका ने ह्यूमन राईट काउंसिल की 46वें सेशन में एक प्रस्ताव रखा है। इसमें म्यांमार में चल रही सैन्य कार्रवाई की निंदा की गई है। साथ ही मांग की गई है कि म्यांमार की सेना जल्द से जल्द लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई नेता को रिहा करे। ट्रेजरी और स्टेट डिपार्टमेंट के मुताबिक, गुरुवार को ङ्क ने च्च के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए म्यांमार पर प्रतिबंध लगाया है। इससे पहले यूरोपियन यूनियन ने 11 लोगों पर प्रतिबंध लगाया है। यह सभी म्यांमार में सैन्य शासन के जिम्मेदार हैं।

सेना ने 628 प्रदर्शनकारियों को रिहा किया: इससे पहले गुरुवार को तख्तापलट के विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए 628 प्रदर्शनकारियों को सेना ने रिहा कर दिया है। इन सभी को पिछले महीने सेना ने फकड़कर जेल में डाल दिया था। रिहा किए प्रदर्शनकारियों में अधिकतर युवा हैं। रिहा होने के बाद प्रदर्शनकारियों ने तीन उंगलियां भी दिखाई थी, जो सेना के विरोध का प्रतीक बन चुका है।

दरअसल, पिछले साल नवंबर में म्यांमार में आम चुनाव हुए थे। इनमें आंग सान सू की पार्टी ने दोनों सदनों में 396 सीटें जीती थीं। उनकी पार्टी ने लोअर हाउस की 330 में से 258 और अपर हाउस की 168 में से 138 सीटें जीतीं। म्यांमार की मुख्य विपक्षी पार्टी यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी ने दोनों सदनों में मात्र 33 सीटें ही जीतीं। इस पार्टी को सेना का समर्थन हासिल था। इस पार्टी के नेता थान हिते हैं, जो सेना में ब्रिगेडियर जनरल रह चुके हैं।

नतीजे आने के बाद वहां की सेना ने इस पर सवाल खड़े कर दिए। सेना ने चुनाव में सू की की पार्टी पर धांधली करने का आरोप लगाया। इसे लेकर सेना ने सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति और चुनाव आयोग की शिकायत भी की। चुनाव नतीजों के बाद से ही लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार और वहां की सेना के बीच मतभेद शुरू हो गया। अब म्यांमार की सत्ता पूरी तरह से सेना के हाथ में आ गई है। तख्तापलट के बाद वहां सेना ने 1 साल के लिए इमरजेंसी का भी ऐलान कर दिया है।

आग में फंसे तीन लोगों को बचाने के लिए स्पाइडरमैन बने पुलिसकर्मी

(एजेंसी)

नई दिल्ली। जाको राखे साइयां, मार सके न कोय वाली कहावत आज दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में सच साबित होती दिखी। यहां एक घर में लगी आग के दौरान दिल्ली पुलिस का एक जवान फिल्मी किरदार स्पाइडरमैन की तरह ग्रिल के रास्ते बालकनी तक जा पहुंचा और आग में फंसे तीन लोगों को सुरक्षित बचा लिया।

राजधानी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 में शुक्रवार सुबह एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने के काम में जुट गई। इस दौरान कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस और दमकल कर्मियों ने इमारत के थर्ड फ्लोर पर फंसे एक परिवार के 3 लोगों को पीछे की ग्रिल तोड़कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुबह छह बजकर 55 मिनट पर घर की दूसरी और तीसरी मंजिल पर आग लगने की सूचना मिली थी। आग इमारत की दूसरी मंजिल से शुरू होकर तीसरी मंजिल तक फैल गई थी।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अतुल कुमार ठाकुर ने कहा कि अमित सुधाकर (56), उनकी पत्नी शालिनी (48) और मां सुधा (87) तीसरी मंजिल की बालकनी में फंसी हुई थीं, जो लोहे की ग्रिल से बंद थी।

पुलिस ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और दमकल विभाग के कर्मियों की मदद से लोगों को बचा लिया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग की टीम आग का कारण जानने की कोशिश कर रही है। फिलहाल इमारत में कूलिंग का काम चल रहा है।

फार्म यूनियन के कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ किसान यूनियनों द्वारा बुलाए गए देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में विरोध प्रदर्शन करते हुए।

एक नजर

अपहृत होने का दावा करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे तीन बांग्लादेशी नागरिक, जानिए क्या है पूरा मामला?

नई दिल्ली । एक नाबालिग सहित तीन बांग्लादेशी युवकों ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर उन्हें अपने देश भेजने की व्यवस्था करने का केंद्र सरकार को निर्देश देने का आग्रह किया है। उन्होंने दावा किया कि उनके देश से कथित तौर पर उनका अपहरण कर लिया गया और यहां लाया गया।

इस मामले को बुधवार को न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन न्यायाधीश द्वारा अदालत नहीं लगाने के कारण याचिका को 13 अप्रैल तक स्थगित कर दिया गया। तीन युवकों की तरफ से दायर याचिका के मुताबिक, वे चार मार्च 2021 को एक परिचित के साथ भारत-बांग्लादेश की सीमा देखने गए थे, जिसने सीमा के नजदीक पहुंचने पर उन्हें कुछ खाने के लिए दिया। वकील कमलेश कुमार मिश्रा, ऋतु मैती और अभिषेक आनंद के जरिए दायर याचिका के मुताबिक, उसे खाने के बाद तीनों बेहोश हो गाए और 10 मार्च को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर उनकी नींद खुली। याचिका में कहा गया कि इसके बाद तीनों स्थानीय कमला मार्केट थाने गए और पुलिस को अपनी आपबीती सुनाई, जिसके बाद पुलिस कर्मियों ने उन्हें खाना खाने के पैसे दिए। इसके बाद उन्हें बेघरों के रात्रि आश्रय गृह में भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि एक सामाजिक कार्यकर्ता के सहयोग से उन्होंने बांग्लादेश उचायोग और भारत एवं बांग्लादेश की सरकारी एजेंसियों से संपर्क साधा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

राजधानी में कोरोना के बढ़े मामले, दिल्ली मेट्रो बढ़ाने जा रही सख्ती

नई दिल्ली । दिल्ली में 25 मार्च को 1500 से यादा केस सामने आए। कोरोना के बढ़ते मामले देख दिल्ली मेट्रो ने सख्ती बढ़ाने का फैसला किया है। डीएमआरसी के कार्यकारी निदेशक (सीसी) अनुज दयाल ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा करते समय कोविड से संबंधित प्रोटोकॉल का पालन करें। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केस लगातार बढ़ रहे हैं। हमने स्टेशन के बाहर भी यात्रियों के बीच एक मीटर की दूरी बनाए रखने का फैसला किया है। डीएमआरसी का साफ कहना है कि अगर लोग नियमों का उल्लंघन करते हैं तो हो सकता है कि स्टेशनों के एंट्रेंस भी बंद करने पड़ें। दयाल ने कहा कि कोविड काल में 25 हजार लोगों का फाइन किया जा चुका है। हम चाहते हैं कि लोग खुद नियमों का पालन करें। ऑफ पीक आवर में यात्रा करें जिससे भीड़ कम मिले। फ्लाइंग स्कवॉड भी बढ़ रहे हैं।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने बृहस्पतिवार को बताया कि दिल्ली मेट्रो के उड़न दस्ते ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर मास्क ठीक से नहीं पहनने एवं सामाजिक दूरी के नियम का पालन नहीं करने पर करीब 300 यात्रियों का चालान किया है। डीएमआरसी के ट्वीट में कहा गया, 'हमारे यात्रा दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली मेट्रो के उड़न दस्ते ने 24 मार्च 2021 को मास्क ठीक से नहीं पहनने एवं सामाजिक दूरी के नियम का पालन नहीं करने पर 318 यात्रियों का चालान किया। कृपया कर हम सभी नियमों का पालन करें एवं औरों को भी ऐसा करने की सलाह दें। मंगलवार को नियमों का अनुपालन नहीं करने पर 234 यात्रियों का चालान किया गया था।

दिल्ली में फैक्ट्री लाइसेंस प्रक्रिया को आसान बनाने की ओर ध्यान दे सरकार

नई दिल्ली । वर्तमान कानूनों की समय समय पर बदलती सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार समीक्षा नहीं होने से किस प्रकार अनेक कानूनी प्रविधान अप्रासंगिक और अनुपयोगी बनकर नागरिकों के लिए कष्टदायक हो जाते हैं। हालांकि ऐसे कई मामले हो सकते हैं, लेकिन दिल्ली नगर निगम का फैक्ट्री लाइसेंस से संबंधित मामला इसका एक वलंत उदाहरण है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली नगर निगम अधिनियम 1957 की धारा 416 (1) के अनुसार, दिल्ली में किसी भी औद्योगिक इकाई की स्थापना करने से पूर्व निगम आयुक्त से लिखित अनुमति लेना आवश्यक है। इसी अनुमति को फैक्ट्री लाइसेंस कहा जाता है। दिल्ली नगर निगम अधिनियम 1957 की धारा 416 (2) के अनुसार आयुक्त मात्र दो कारणों से यह अनुमति देने से इन्कार कर सकता है। पहला, आबादी का घनत्व और दूसरा यदि प्रस्तावित औद्योगिक इकाई के कारण आस-पड़ोस से कोई बाधा उत्पन्न हो।ऐसे में पहले यह जानना आवश्यक है यह प्रविधान क्यों बना? दरअसल वर्ष 1957 में जब दिल्ली नगर निगम अधिनियम लागू हुआ तब दिल्ली में एक भी अधिकृत औद्योगिक क्षेत्र नहीं था और किसी भी स्थान पर उद्योग लग सकता था। अत- शहर के व्यवस्थित विकास की दृष्टि से यह प्रविधान तब आवश्यक था। इसके अतिरिक्त, उस समय पानी और बिजली की आपूर्ति भी नगर निगम के पास थी। अत- इन सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता भी सुनिश्चित करना आवश्यक था। अब हम आज की स्थिति को समझते हैं। आज दिल्ली का औद्योगिक परिदृश्य पूरी तरह से बदल चुका है। आज दिल्ली में 29 अधिकृत एवं 22 अधिसूचित यानी कुल 51 ओद्योगिक क्षेत्र हैं जो मात्र उद्योग लगाने के लिए ही स्थापित, विकसित, आवंटित और निर्धारित किए गए हैं। इनके बाहर अब दिल्ली में कोई उद्योग स्थापित नहीं हो सकता। इससे यह स्वत- स्पष्ट है किनिगम आयुक्त द्वारा अनुमति से इन्कार कर सकने के उपरोक्त दोनों आधार दशकों पहले ही अर्थहीन और अप्रासंगिक हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त पानी, बिजली, प्रदूषण, अग्निशमन और औद्योगिक इकाइयों के पंजीकरण आदि समेत उद्योगों से जुड़े सभी विषयों का नियमन करने के लिए अलग अलग स्वतंत्र विभाग या अधिकरण बने हुए है। उद्योगों के संचालन से जुड़ा कोई भी विषय अब नगर निगमों के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। फैक्ट्री लाइसेंस दशकों से भ्रष्टाचार और उत्पीड़न का पर्याय बना हुआ है, लेकिन कानूनी समीक्षा के अभाव और निहित स्वार्थवश इसे अब तक लागू रखा गया है।यद्यपि कहने को इस लाइसेंस की प्रक्रिया लगभग गत एक दशक से ऑनलाइन हो गई है, लेकिन इसकी जटिल प्रक्रिया के कारण गत 63 वर्षों में दिल्ली के कुल उद्योगों में से अब तक 25 प्रतिशत इकाइयों को भी यह जारी नहीं हुआ है। उसमें से भी आज प्रभावी लाइसेंसों की संख्या तो और भी कम है, क्योंकि नवीनीकरण की प्रक्रिया बहुत धीमी है।

शिक्षक भर्ती जवाब दाखिल नहीं करने पर डीएसएसएसबी पर 5 हजार रुपए जुर्माना

नई दिल्ली । दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में यह नहीं बताया कि दिल्ली सरकार के आग्रह के बाद भी 12,165 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू क्यों नहीं हो रही है। आदेश के बावजूद जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर हाईकोर्ट ने डीएसएसएसबी को आड़े हाथ लिया।

जस्टिस नमी वजीरी ने इसे गंभीरता से लेते हुए डीएसएसएसबी पर 5 हजार रुपए जुर्माना लगाया। साथ ही जुर्माने की रकम याचिकाकर्ता संगठन की ओर से पेश वकील आशोक अग्रवाल को देने का निर्देश दिया। इससे पहले डीएसएसएसबी ने हाईकोर्ट को बताया कि उसने इस मामले में जवाब तैयार कर लिया है और जल्द ही इसे दाखिल कर दिया जाएगा। हाईकोर्ट ने पिछले सप्ताह डीएसएसएसबी के अध्यक्ष को यह बताने के लिए कहा था कि सरकार के आग्रह के बाद भी डीएसएसएसबी ने अब तक भर्ती प्रक्रिया क्यों नहीं शुरू की गई है। हाईकोर्ट ने यह आदेश उस याचिका पर दिया था जिसमें कहा गया था कि सरकार द्वारा आग्रह पत्र भेजे जाने के बाद भी 12,165 शिक्षकों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी नहीं कर रही। इनमें से 11,139 पदों को भरने के लिए आग्रह पत्र मार्च, 2020 में ही बोर्ड को भेजे गए थे, जबकि बाकी पदों के लिए जनवरी, 2021 में आग्रह भेजे गए। साथ ही यह भी बताने के लिए कहा था कि भर्ती के लिए विज्ञापन कब तक जारी किए जाएंगे।

याचिका में डीएसएसएसबी को

शिक्षकों की बहाली के लिए तत्काल विज्ञापन जारी करने का आदेश देने की मांग की गई है। गैर सरकारी संगठन सोशल यूरिस्ट की ओर से वकील अशोक अग्रवाल ने याचिका में कहा है कि दिल्ली सरकार ने पिछले साल 18 मार्च को 11,139 और 21 जनवरी, 2021 को 926 शिक्षकों के खाली पदों (कुल 12,165 पद) को भरने के लिए डीएसएसएसबी को आग्रह पत्र भेजा था। लेकिन, बोर्ड भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए कोई समुचित कदम नहीं उठा रहा है।

क्यों नहीं भरे जा रहे प्रिंसिपल के पद, सरकार की खिंचाई - सरकारी स्कूलों में प्राचार्य के खाली पदों को नहीं भरे जाने के मसले पर जवाब नहीं देने पर हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को भी आड़े हाथ लिया। हाईकोर्ट ने सरकार से कहा कि आखिर इसमें देरी क्यों हो रही है। इससे पहले सरकार ने इस मसले पर जवाब दाखिल करने के लिए वक्त देने की मांग की। पिछली सुनवाई पर हाईकोर्ट ने कहा था कि सरकारी स्कूलों में प्राचार्य के 77 फीसदी पद खाली हैं और यह गंभीर चिंता का विषय है। कोर्ट ने सरकार को यह बताने के लिए कहा था कि प्राचार्य के पदों को भरने के लिए क्या कदम उठा रही है। यह आदेश तब दिया गया था जब वकील अग्रवाल ने कहा था कि प्राचार्य के कुल स्वीकृत 745 में सिर्फ 215 प्राचार्य अभी स्कूल में हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से भी काफी संख्या में प्राचार्य के बजाय अन्य कामों में लगाए गए हैं।

20 साल बाद भी आदेश का पालन नहीं- वकील अग्रवाल ने अपनी याचिका में कहा है कि वर्ष 2001 में हाईकोर्ट ने सरकार और नगर निगम के स्कूलों में शिक्षकों के खाली पदों को भरने का निर्देश दिया था।

उन्होंने कोर्ट को बताया है कि 20 साल पुराने फैसले के हिसाब से हर साल अप्रैल में सरकार और नगर निगम के स्कूलों में रिक्त पदों की संख्या शून्य होनी चाहिए। याचिका के अनुसार मौजूदा समय में सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के 35 हजार और नगर निगम के स्कूलों में पांच हजार पद खाली हैं।

तीन करोड़ 76 लाख का फंड हुआ पास फिर भी अंत्येष्टि स्थल की नहीं बदल सकी सूरत

पूर्वी दिल्ली । पूर्वी दिल्ली नगर निगम लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी डिलमिल के वाला नगर स्थित रामबोध अंत्येष्टि स्थल की सूरत नहीं बदल पाया। पुनर्निर्माण के लिए निगम ने तीन करोड़ 76 लाख 74 हजार 658 रुपये रुपये फंड पास किया। इसके बाद भी अंत्येष्टि स्थल का कायाकल्प नहीं हो पाया।

सूचना का अधिकारी (आरटीआइ) के माध्यम से पता चला की श्मशान केंद्र के पुनर्निर्माण के लिए नगर निगम ने 2015 व 2016 में 3,32,38,357 और 2019 व 2020 में 44, 36,301 रुपये जारी किए। लेकिन आज भी अंत्येष्टि स्थल का फर्श जगह-जगह से टूटा पड़ा है। पानी का फव्वारा जर्जर है और परिसर में लगी मूर्ति टूटी टूटी पड़ी है।

ऐसे में सवाल उठता है कि तीन करोड़ 76 लाख 74 हजार 658 रुपये खर्च करने के बाद भी अंत्येष्टि स्थल की स्थिति में कोई बदलाव क्यों नहीं हो पाया।

आरटीआइ एक्टिविस्ट राजेश शर्मा विरी ने बताया कि परिसर के एक छोर में हरियाली मैदान को नष्ट कर पार्किंग बना दी गई। एक पार्क है जो बदहाली का शिकार है। आरटीआइ अर्जी लगाने वाले राजेश शर्मा ने सवाल उठाया कि अंत्येष्टि स्थल के परिसर में सारे पंखे सामाजिक संगठन पंजाबी महासभा दिल्ली के सहयोग से लगाए गए हैं। ऐसे में नगर निगम को बताना चाहिए कि किस मद में कितना रुपया खर्च हुआ।

उपायुक्त का जवाब- आर मेनका (उपायुक्त, शाहदरा दक्षिणी जोन, पूर्वी दिल्ली नगर निगम) का कहना है कि अंत्येष्टि स्थल को लेकर मुझे कोई जानकारी नहीं है। संबंधित विभाग के अधिकारियों से बातचीत कर जांच करवाई जाएगी।

गर्मी बढ़ने के साथ दिल्ली-एनसीआर में गर्म होने लगा है एसी व फ्रिज का बाजार

नई दिल्ली । पिछले वर्ष जब बिक्री शुरू ही हुई थी, तभी लाकडाउन की घोषणा हो गई थी। इसके चलते एसी व फ्रिज का कारोबार काफी प्रभावित हुआ था। अनलाक के दौर में जब इनकी बिक्री दोबारा शुरू हुई तब गर्मी जाने में चंद दिन शेष थे। लिहाजा, पिछला वर्ष इस रेफ्रिजरेटर उद्योग व इससे जुड़े व्यापारियों के लिए काफी खराब गया था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। मौसम में गर्माहट आने लगी है तो एयरकंडीशनर और फ्रिज की मांग बढ़ी है। यह मांग उत्साह बढ़ाने वाली है। स्थिति यह है कि मांग अचानक बढ़ने के साथ एक माह में ही इनके दामों में 10 से 15 फीसद की वृद्धि दर्ज की जा रही है।

बाजार से जुड़े लोगों के मुताबिक इसके पीछे चीन से एसी व फ्रिज के कलपूर्जों का मांग से कम आना तथा उत्पादन पर कोरोना का प्रभाव रहना है।

इसकी वजह से कंपनियां ही मांग बढ़ाकर उत्पाद बाजार में उतार रही हैं। अंदेशा है कि मांग बढ़ने के साथ ही आने वाले महीनों में दाम में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। विशेष बात यह है कि विंडो की जगह स्पिलट एसी की मांग अधिक है। इसी तरह डीप फ्रिज की मांग बढ़ी है।

इसके पीछे बाजार के जानकारों का कहना है कि कोरोना काल में दूसरे कारोबार में मंदी का असर तथा नौकरियां जाने से काफी लोगों ने खाने-पीने की दुकानें खोलने की तरफ रुख किया है। उसका सीधा असर डीप फ्रिज की मांग पर दिख रहा है। अन्य वर्षों के मुकाबले यह वृद्धि 20 प्रतिशत से भी अधिक है।

मांग बढ़ने से उत्साहित- रेफ्रिजरेशन एयरकंडिशनिंग ट्रेडर्स एसोसिएशन दिल्ली के संयुक्त महासचिव मनीष सेठ कहते हैं कि पिछला वर्ष काफी खराब गया था, लेकिन यह सीजन अच्छा जाने की उम्मीद है। इसके संकेत एसी व फ्रिज की बढ़ती मांग से मिल रहे हैं।

यादातर लोग स्पिलट एसी खरीदने पर जोर दे रहे हैं। 1.5 टन की एसी 23 हजार से शुरू होकर 40 हजार रुपये तक में है। इनमें बिजली की बचत के लिए लोग तीन स्टार से पांच स्टार पर जोर दे रहे हैं।

थैलियम जहर केस: हमसे दिक्कत थी तो बता देता, पूरा परिवार को उजाड़ने की क्या जरूरत थी

नई दिल्ली । हमारे परिवार पर दुखों का कहर टूट पड़ा है। यकीन नहीं हो रहा दामाद (वरुण अरोड़ा) भी ऐसा कर सकता है। यह कहना है वरुण की पत्नी दिव्या अरोड़ा की ताई सुषमा शर्मा का। जब से रिश्तेदारों को पता चला है कि वरुण की वजह से सास अनीता शर्मा और साली प्रियंका शर्मा की जान गई है, तब से घर में रिश्तेदारों के आना जाना लगा है। वहीं, दिव्या के पिता देवेंद्र शर्मा का कहना है कि अगर वरुण को हमसे कुछ दिक्कत थी, तो बता सकता था। मेरे हंसते खेलते परिवार को उजाड़ने की जरूरत क्या थी?

सुषमा ने कहा कि दिव्या के पापा देवेंद्र शर्मा के तीन भाई हैं। सभी इसी घर में रहते हैं। हमारी लड़की बहुत सीधी थी और दामाद बहुत तेज था। दामाद को लगता था कि दिव्या की मां उसे भड़काती है। जिसकी वजह से वह अपनी सास को पसंद नहीं करता था और यही वजह है कि उसने यह कदम उठाया। उन्होंने ने बताया कि दिव्या के दो बच्चे हैं, जोकि आईवीएफ से हुए थे। जिसके बाद दिव्या एक बार फिर फरवरी 2020 में प्रेग्नेंट थी, उसी समय वरुण के पिता का देहांत हुआ था। उसे लगता था कि इस बच्चे के रूप में उसके पिता आ गए हैं और वह बच्चा चाहता था। मगर कई डॉक्टर को दिखाने के बाद पता चला कि दिव्या अगर बच्चे को पैदा करेगी, तो उसकी जान को खतरा हो सकता है।

दिव्या बच्चे को गिराना चाहती थी। जिसे लेकर वरुण और उसकी सास में बहुत बहस हुई। जिसके बाद दिव्या ने वरुण के फैसले के खिलाफ जाकर गर्भपात करवा लिया। इसके बाद से वरुण ने दिव्या को टॉर्चर करना शुरू कर दिया था। यह सब बात दिव्या के मम्मी-पापा को पहले से पता थी।

उन्होंने बताया कि वरुण अपने मां-बाप का गोद लिया हुआ बच्चा है। छोटी बेटी प्रियंका को याद करते हुए सुषमा बताती हैं कि पढ़ने में बहुत अछी थी। जीसस एंड मैरी कॉलेज से बी.कॉम किया था और लंदन से मास्टर किया। पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने पिता के कारोबार में हाथ बटाने लगी थी। उसकी शादी की प्लानिंग हो रही थी और रिश्ते आने लगे थे, लेकिन, यह सब हो गया। प्रियंका बहुत खुश मिजाज लड़की थी। उन्होंने बताया कि अभी दिव्या के बच्चे दामाद के घर पर ही हैं। हम बच्चों की कस्टडी लेने की कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि हमें उन पर अब भरोसा नहीं बचा है।

दिव्या के पिता देवेंद्र शर्मा ने बताया कि 31 जनवरी 2021 को अचानक से वरुण घर पर मछली बनाकर लाया। जबकि, वरुण एक साल से दिव्या को घर तक छोड़ने नहीं आता था। वह आधे रास्ते उसे छोड़कर चला जाता। प्रियंका बाहर थी, उसका भी इंतजार किया फिर सबको मछली खाने को दी। खाने के बाद 3 फरवरी को छोटी बेटी प्रियंका की तबीयत खराब हो गई।

फिर उसे बीएलके अस्पताल में भर्ती किया गया, लेकिन उसकी हालत बिगड़ती गई और डॉक्टर भी अंदाजा नहीं लगा पाए कि प्रियंका को हुआ क्या है? 15 फरवरी को प्रियंका की मौत हो गई। फिर दिव्या की तबीयत खराब होने लगी, उसे गंगाराम अस्पताल में भर्ती करवाया। उसके बाद बीवी की तबीयत खराब हुई। उन्हें भी अस्पताल में भर्ती करवाया।

इलाज के दौरान 21 मार्च को उनकी भी मौत हो गई। जब बेटी और बीवी का ब्लड टेस्ट हुआ, तब पता चला कि उनके बॉडी में थैलियम जहर है। 10 दिन पहले मेरे भी बाल झड़ने लगे और हड्डियों में दर्द होने लगा। तब अपना चेकअप करवाया, वही जहर मेरी बॉडी में भी मिला। फिलहाल, दिव्या की हालत बहुत नाजुक है। अभी मेरी दवाई चल रही है, जो कि जर्मनी से मंगवाई गई है। अपने दामाद के बारे में बताते हुए कहा कि वह कुछ खास काम नहीं करता था। ग्रेटर कैलाश में मकान किराए पर चढ़ाया हुआ था। उससे तीन-साढ़े 3 लाख की कमाई हो जाती थी। वही उसकी कमाई थी। 2009 में बड़े धूमधाम से दिव्या की शादी की थी। अंदाजा नहीं था ऐसा कुछ हो जाएगा।

भारत बंद : गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों ने नाच-गाकर जताया विरोध, हाईवे भी रोका

नई दिल्ली । नए कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर जारी किसान आंदोलन के चार महीने पूरे होने पर आज संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा बुलाए गए 12 घंटे के भारत बंद के दौरान गाजीपुर बॉर्डर, सिंघु बॉर्डर और टीकरी बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों ने रोड जाम कर सरकार के खिलाफ हल्लाबोल रखा है।

इस दौरान किसान प्रदर्शनकारियों ने जहां सुबह से ही एक बार फिर गाजीपुर बॉर्डर जाम कर दिया, वहीं किसानों ने एक ग्रुप ने यहां नाच-गाकर अपना विरोध जताया।

आज के भारत बंद पर भारतीय किसान यूनियन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष राजवीर सिंह जादौन ने कहा कि हमारे आंदोलन को लगभग चार महीने पूरे होने जा रहे हैं। भारत बंद में हमें लोगों, व्यापारियों, ट्रांसपोर्टर का सहयोग मिल रहा है। इससे सरकार को संदेश जाएगा। हम वार्ता के लिए 24 घंटे तैयार हैं।

जानकारी के अनुसार, देश के कई हिस्सों में शुक्रवार को रेल और सड़क परिवहन के प्रभावित होने की संभावना है तथा बाजार भी बंद रह सकते हैं क्योंकि केंद्र के नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान संगठनों ने संपूर्ण भारत बंद का आह्वान किया है। हालांकि पांच चुनावी रायों में यह बंद नहीं होगा। संयुक्त किसान मोर्चा के अनुसार, देशभर में राष्ट्रव्यापी बंद 26 मार्च को सुबह छह बजे से जारी है जो शाम छह बजे तक चलेगा जो दिल्ली की तीन सीमाओं-सिंघु, गाजीपुर और टीकरी पर किसान आंदोलन के चार महीने पूरे होने पर किया जा रहा है।

किसान मोर्चा के नेता दर्शनपाल ने गुरुवार को एक वीडियो संदेश में कहा था कि बंद के दौरान सब्जियों और दूध की आपूर्ति भी रोकी जाएगी। मोर्चा ने एक बयान में कहा कि संपूर्ण भारत बंद के तहत सभी दुकानें, मॉल, बाजार और संस्थान बंद रहेंगे।

सभी छोटे और बड़े मार्ग अवरुद्ध किए जाएंगे तथा ट्रेनों को रोका जाएगा। एंबुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी सेवाएं बंद रहेंगी। भारत बंद का प्रभाव दिल्ली में भी दिखेगा। उन्होंने आंदोलकारी किसानों से अपील की कि वे बंद के दौरान शांति बनाए रखें और किसी भी गलत चर्चा या टकराव में शामिल न हों।

वहीं, देश में आठ करोड़ व्यापारियों के प्रतिनिधित्व का दावा करने वाली कॉन्फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने कहा कि 26 मार्च को बाजार खुले रहेंगे क्योंकि वह भारत बंद में शामिल नहीं है। संगठन के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि हम भारत बंद में शामिल नहीं हो रहे हैं। दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में बाजार खुले रहेंगे। जारी गतिरोध का समाधान केवल वार्ता प्रक्रिया से किया जा सकता है। कृषि कानूनों में संशोधन पर चर्चा होनी चाहिए जो मौजूदा कृषि को लाभ योग्य बना सकते हैं।

आदेश का पालन न करना सुपरटेक को पड़ा भारी, रेरा ने दिया कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश रेरा ने सुपरटेक टाउनशिप प्रोजेक्ट लिमिटेड को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। रेरा ने कहा कि बिल्डर प्राधिकरण के नियमों का पालन नहीं कर रहा है। क्यों न गोल्फ कंट्री जीएच-1, फेज-1ए और गोल्फ कंट्री जीएच-1 फेज-1बी का पंजीकरण रद्द कर दिया जाए? रेरा के सचिव राजेश कुमार त्यागी ने बताया कि प्राधिकरण ने अपनी बैठक में बताया है कि सुपरटेक की 36 परियोजनाएं पंजीकृत हैं। इनको समय पर पूरा करने का प्रयास नहीं किया गया है। अधिकांश परियोजनाएं अधूरी हैं। पंजीकरण खत्म होने के बावजूद उनका नवीनीकरण नहीं कराया गया है। प्राधिकरण ने इस बात का संज्ञान लिया है। बिल्डर की परियोजनाओं के आवंटी भी शिकायतें कर रहे हैं।

प्राधिकरण ने रेरा को बताया कि समूह की ऐसी 20 परियोजनाओं का रजिस्ट्रेशन लैप्स हो गया है। वह अभी भी पूरी नहीं हुई हैं। बिल्डर बकाया पैसा नहीं जमा कर रहा है, जिसके चलते विस्तार प्रमाणपत्र नहीं दिया जा रहा है। त्यागी ने बताया कि बिल्डर ने 13 परियोजनाओं के पंजीकरण विस्तार के लिए आवेदन नहीं किया। उन्होंने बताया कि सुपरटेक टाउनशिप प्रोजेक्ट की परियोजना सुपरटेक गोल्फ कंट्री (फेज-1) के पंजीयन विस्तार आवेदन के साथ मानचित्र प्रस्तुत नहीं किया गया है। प्राधिकरण ने 105 मामलों में रिफंड करने और 1243 मामलों में आवंटियों को कब्जा प्रदान करने के आदेश दिए गए हैं लेकिन इनका पालन नहीं हुआ है।

संपादकीय

वर्दी में कब तक छिपे रहेंगे

अपराध कथाओं के लेखकों ने अपराधियों के बेहतरीन रेखाचित्र खींचे हैं। फ्रांसीसी लेखक ज्यां जेने ने अपनी कालजयी कृति द थीफ्स जर्नल में एक अपराधी का अद्भुत चित्रण किया है, जिसमें वह इसलिए भी सफल हुआ कि यह काफी हद तक आत्मकथात्मक था। रूसी उपन्यासकार दोस्तोवस्की के उपन्यास क्राइम ऐंड पनिश्मेंट का नायक भी शब्दों में रचा जाकर भी लेखक के रचनात्मक कौशल के कारण पाठक के समक्ष हाड़मांस के सजीव पुतले के रूप में मौजूद रहता है। इस तरह के बहुत से चरित्र विश्व साहित्य में बिखरे पड़े हैं और पाठकों को मानव स्वभाव समझने का बेहतरीन अवसर प्रदान करते हैं। इन सबके बीच अपराधियों की एक जमात ऐसी भी होती है, जिसे पहली नजर में तो अपराधी कहना भी मुश्किल है, यहां तक कि बाज वक्त तो अपने किए के लिए वह समाज में नायक के रूप मे सम्मानित होता है, पर अपने आचरण के ठंडेपन और क्रूरता में वह किसी शातिर अपराधी को भी मात दे सकता है। मुंबई पुलिस के इंस्पेक्टर सचिन वाजे ऐसा ही एक शख्स है, जिसकी प्रजाति को पूर्व में मुंबई पुलिस कमिश्नर रहे जूलियो रिबेरो ने वर्दी में अपराधी की संज्ञा से विभूषित किया है। अपने राजनीतिक आकाओं का लाडला सचिन वाजे, अति आत्मविश्वास के चलते कुछ गलतियां न कर बैठता, तो निश्चित तौर पर किसी नायक की तरह फूल-मालाओं से लदा-फदा किसी अखबार या चैनल के लिए फोटो शूट करा रहा होता। रिबेरो ने जिन्हें अपराधी कहा, उन्हें आम बोलचाल की भाषा में 'एनकाउंटर स्पेशलिस्ट' या मुठभेड़ विशेषज्ञ कहा जाता है। वैसे तो यह प्रजाति देश में हर जगह पाई जाती है, पर सत्तर के दशक में मुंबई में इसने विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया। कारण था, उन दिनों शहर में सोने की तस्करी से अकूत धन कमाने वाले अपराधी गिरोहों के बीच चलने वाले गैंगवार। हाजी मस्तान और करीम लाला जैसे नाम घर-घर पहचाने जाने लगे थे। बंबइया फिल्म उद्योग में अपराध से कमाया काला धन खूब लग रहा था। तस्करी की ही तरह वहां भवन निर्माण में भी अपराधियों का बड़े पैमाने पर प्रवेश शुरू हुआ। गैंग अपने विरोधियों का सफाया करते रहते, लेकिन उसमें खतरा था। एक तो दिनदहाड़े हत्याओं से जनमत आंदोलित होता और सरकारें भी इसे चुनौती की तरह लेतीं। दूसरे इसमें जोखिम भी बहुत थे। फिर उन्होंने विरोधियों का सफाया करने के लिए एक आसान रास्ता अपनाया। इन्हीं दिनों बढ़ते अपराधों से निपटने के लिए अपराधियों को मार गिराने के चलन को सामाजिक स्वीकृति और सम्मान मिलना शुरू हो गया। पुलिस में भी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की पौध तैयार होने लगी। अपराधियों ने विरोधियों को निपटाने के लिए इनका इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। वे अपराधी विरोधियों की सटीक मुखबिरी करते और मुठभेड़ विशेषज्ञ उन्हें मार गिराते। कई बार तो गैंग ही पकड़कर किसी मुखालिफ को सौंप देता और पुलिस का काम कोई 'मुठभेड़' दिखाकर उन्हें मार देना भर बचता। अमूमन मारे गए अपराधियों पर इनाम घोषित हुआ रहता है, लिहाजा 'हत्यारों' को नगद इनाम, मेडल या तरक्कियों से नवाजा जाता। एक लचर न्याय-व्यवस्था में खुद को असहाय महसूस करने वाले जन-साधारण इन्हें मुक्तिदाता के रूप में पाते। एनकाउंटर स्पेशलिस्ट सब-इंस्पेक्टरों या इंस्पेक्टरों पर या उनके तथाकथित कारनामों पर कामयाब फिल्में बनीं और वे नायकों की तरह सम्मानित किए। किसी को फुरसत नहीं थी यह देखने की कि कैसे कुछ ही वर्षों में इन नायकों के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति इकट्ठी हो जाती है। इनमें से कुछ तो फिल्म-निर्माता या बिल्डर भी बन गए हैं। वाजे की गिरफ्तारी के बाद अपराधियों, राजनीतिज्ञों और एनकाउंटर विशेषज्ञों का जो बदबूदार गठजोड़ सामने आया है, वह तो विशाल हिमखंड का ऊपर से दिखाई देने वाला छोटा सा टुकड़ा मात्र है।

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट सिर्फ बाहरी लोगों का नायक नहीं होता, उसका सबसे बुरा असर तो उसके अपने विभागीय सहकर्मियों पर पड़ता है। वे उसे कानून-कायदे की धज्जियां उड़ाते और विभागीय अधिकारियों का कृपा-पात्र बनकर तरक्की की सीढ़ियां फलांघते देखते हैं, तो स्वाभाविक ही है कि कानूनों के प्रति उनके मन में भी अनास्था पैदा होती है और वे भी अपनी बारी से पहले तरक्की हासिल करने या दौलत हासिल करने के लिए हत्यारा बनने में गुरेज नहीं करते हैं। उत्तर प्रदेश में तो कई बार अभियान छेड़कर सांस्थानिक हत्याओं के पर्व मनाए गए हैं और ये आयोजन पुलिस की भाषा में 'गुड वर्क' की श्रेणी में आते हैं। इन्हें 'गुड वर्क' का लक्ष्य देते समय पुलिस का शीर्ष नेतृत्व भूल जाता है कि वह हत्यारों की जमात तैयार कर रहा है। मैंने अपनी लंबी सेवा में कई दुर्दांत अपराधियों के मनोविज्ञान को दिलचस्पी से पढ़ने का प्रयास किया और कुछ चरित्रों का अपने लेखन में इस्तेमाल भी किया है। उनका ठंडापन और किसी भी तरह की भावुकता से मुक्त होकर हत्या जैसी कार्रवाई आपकी रीढ़ में सिहरन पैदा कर सकती है। पुलिस की वर्दी के अंदर छिपे वाजे जैसे अपराधी उतने ही ठंडे हत्यारे हो सकते हैं। उत्साह, आदर्श और अनुशासन से लबरेज युवा पुलिस अधिकारी कैसे एक भ्रष्ट और अपराधी वरिष्ठ को अपना आदर्श नायक मानकर धीरे-धीरे पशु बनता जाता है, इसे देखना बड़ा त्रासद अनुभव है। वे जब पुलिस बल में सम्मिलित होते हैं, तभी उन्हें सिखा दिया जाता है कि हमारे कानून और व्यवस्था अपराधी को दंडित करने में आज असमर्थ हैं, अत- यह उनका पवित्र सामाजिक कर्तव्य है कि वे जज और जल्लाद का फर्ज भी निभाएं। डॉक्टर राम मनोहर लोहिया भारतीय समाज में व्याप्त क्रूर कायरता नाम की प्रवृत्ति को रेखांकित करते हैं। किसी ताकतवर के सामने नतमस्तक होने वाला समाज अपने चंगुल में फंसे कमजोर को प्रताड़ित कर आनंद लेता है। हमारा एनकाउंटर स्पेशलिस्ट भी जब किसी अपराधी को हिरासत में लेकर मार डालता है, तो संभवत- वह समाज की इसी प्रवृत्ति को सहलाता है। कुछ भी हो, इंस्पेक्टर वाजे की गिरफ्तारी हमें झकझोरकर जगाने के लिए काफी होनी चाहिए। दिक्कत यह है कि हम भरपूर घृणा से अपने बीच के हत्यारों को तो याद करते हैं, लेकिन कानून के इन रखवालों को न सिर्फ प्रशंसा भाव से निहारते हैं, वरन उन्हें अपना मुक्तिदाता भी मानने लगते हैं। शायद वाजे की गिरफ्तारी से कुछ फर्क आए।

प्रवीण कुमार सिंह

एक राष्ट्र-एक शिक्षा बोर्ड की आवश्यकता

इस प्रकार की दिक्कतों को तो खत्म किया जा सकता है, लेकिन पाठ्यक्रम में फर्क होने से प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों को जो नुकसान उठाना पड़ रहा है, उसकी भरपाई का कोई और उपाय नजर नहीं आता। पूरे देश में एक बोर्ड इसलिए भी लागू होना चाहिए, क्योंकि नई शिक्षा नीति में सभी स्कूलों में शिक्षा, सिलेबस और परीक्षा का पैटर्न एक जैसा करने की बात कही गई है। सभी बच्चों को एक जैसी शिक्षा मुहैया कराना इस नीति के अहम उद्देश्यों में से है। बहरहाल, केंद्र और सभी राज्य सरकारों को मिल बैठ कर इसका कोई हल निकालना चाहिए, ताकि महज पाठ्यक्रम में अंतर होने के चलते छात्रों को इसकी बड़ी कीमत न चुकानी पड़े।

दिल्ली में एक अलग शिक्षा बोर्ड के गठन की कवायद शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का दावा है कि अलग शिक्षा बोर्ड के गठन से केवल दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था पर ही नहीं, बल्कि पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था पर असर पड़ेगा। इसके तहत छात्रों में विषय की समझ, व्यक्तित्व विकास, देशभक्ति और आत्मनिर्भरता आदि मसलों पर जोर दिया जाएगा। दावे चाहे जो भी हों, इस फैसले की आलोचना भी हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सीबीएसई एक अंतरराष्ट्रीय बोर्ड की तरह है जो विदेश में भी परीक्षाएं संचालित करती है। ऐसे में एक अंतरराष्ट्रीय बोर्ड से हटाकर स्कूलों को राज्य बोर्ड में डालना बच्चों के भविष्य के साथ न्याय नहीं होगा।

ऐसे समय में जब महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के सरकारी विद्यालयों को सीबीएसई से संबद्ध करने की बात कही है, तब दिल्ली सरकार का यह कदम हैरान करने वाला है। जाहिर है, महाराष्ट्र सरकार को सीबीएसई बोर्ड की कुछ ऐसी बातें पसंद आई होंगी, जो महाराष्ट्र बोर्ड से इतर हो। इसके अलावा, आज भी दिल्ली से सटे राज्यों के बच्चे अपने राज्य बोर्ड को छोड़ दिल्ली के स्कूलों में पढ़ना पसंद करते हैं। इसकी बड़ी वजह है कि उन्हें राज्य बोर्ड के बजाय सीबीएसई बोर्ड से पढ़ना भविष्य के लिहाज से ज्यादा बेहतर प्रतीत होता है।

हालांकि राज्य बोर्ड की भी अपनी खासियतें हैं जिनमें सबसे अहम है कि ये बोर्ड अपने राज्य से जुड़ी जमीनी जानकारियों से बच्चों को अवगत कराते हैं। उदाहरण के तौर पर नगालैंड, मेघालय, मिजोरम जैसे राज्यों के स्कूलों और वहां की जनजातियों के लिए जितनी जमीनी, सांस्कृतिक रूप से पुष्ट और बेहतर शैक्षिक व्यवस्था वहां के राज्य बोर्ड करते हैं, उतना बेहतर शायद ही सीबीएसई कर पाए।

राज्य बोर्ड के पक्ष-विपक्ष में तमाम तरह के दावे हैं, लेकिन वर्तमान में शिक्षा की परिस्थितियों को देखते हुए सीबीएसई शिक्षा बोर्ड ज्यादा माकूल जान पड़ता है। इसके पीछे कई वजहें हैं। पहली, अलग-अलग शिक्षा बोर्ड को लेकर सबसे बड़ी समस्या है कि पाठ्यक्रम के स्तर पर सभी में अंतर होता है। देश के प्रत्येक राज्य में एक अलग शिक्षा बोर्ड है जिसकी अनदेखी संबंधित राज्य के शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा की जाती है। पाठ्यक्रम से लेकर संरचना और प्रश्नपत्र पैटर्न तक, सबकुछ एक राज्य से दूसरे राज्य में भिन्न होता है। जबकि सीबीएसई या केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम, शिक्षण पैटर्न और सामग्री पूरे देश में समान है।

यह विभिन्न राज्यों में छात्रों के पलायन और बदलते स्कूल को बहुत आसान बना देता है, क्योंकि यह सभी राज्यों के लिए एक समान है।

दूसरी, सीबीएसई और राज्य बोर्ड में छात्रों को मिलने वाले अंक पैटर्न में खासा अंतर देखा जाता है। राज्य बोर्ड का छात्र किसी विषय में सौ अंक लाने की सोच भी नहीं सकता, जबकि सीबीएसई बोर्ड में किसी विषय में सौ अंक लाना बड़ी बात नहीं है। इस फर्क की वजह से कॉलेजों में अंक के आधार पर होने वाले नामांकन में सीबीएसई बोर्ड के छात्र बाजी मार लेते हैं। छात्रों के करियर के लिहाज से यह खाई चिंताजनक है जिस पर सरकार और नीति नियंताओं ने शायद सोचना छोड़ दिया है।

तीसरी वजह है कि कई छात्र इंजीनियर या डॉक्टर बनने की ख्वाहिश रखते हैं। इसके लिए वे जेईई या नीट जैसी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। हालांकि 2019 से ये परीक्षाएं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के जिम्मे हैं, लेकिन इससे पहले सीबीएसई ही इनका संचालन करती थी। अब भी माना जाता है कि ये परीक्षाएं सीबीएसई के पाठ्यक्रम पर आधारित होती हैं, क्योंकि सीबीएसई स्कूलों से उत्तीर्ण छात्रों ने इन परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन किया है। कह सकते हैं कि सीबीएसई छात्रों के लिए बेहद माकूल शिक्षा बोर्ड है, खासकर उनके लिए जो राज्य के बजाय राष्ट्रीयकृत संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं।

चौथी, सीबीएसई में शिक्षा सामग्री इस तरह से तैयार की गई है ताकि छात्रों में विश्लेषणात्मक क्षमताओं और तर्क कौशल का विकास हो। नीतियों को नियमित रूप से संशोधित किया जाता है, ताकि रटने की व्यवस्था कायम न बने। इससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा मिलता है।

कई राज्यों के ऐसे बोर्ड हैं जहां रिजल्ट में धांधली के आरोप लगते रहे हैं। वर्ष 2016 में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षा में हुआ घपला जगजाहिर है। कुछ छात्रों की हकीकत सार्वजनिक होने के बाद इनके परिणामों को रद करना पड़ा था।

वर्ष 2018 में गुजरात में भी बोर्ड परीक्षा में धांधली का मामला सामने आया था। लेकिन शायद ही कभी ऐसा हुआ हो जब सीबीएसई के परीक्षा परिणाम में कोई धांधली सामने आई हो। इन सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद यह स्पष्ट है कि बोर्ड परीक्षाओं के लिए वन नेशन, वन बोर्ड पर विचार करना आज प्रासंगिक है। इसमें हैरानी इसलिए नहीं होनी चाहिए कि मेडिकल और इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाओं के लिए यह व्यवस्था पहले ही की जा चुकी है।

जहां तक राज्यों की संस्कृति से संबंधित शिक्षा का सवाल है, तो केंद्रीय बोर्ड ऐसी चुनौतियों से पार पाने में सक्षम है। बस इसके लिए संजीदगी से प्रयास करना होगा। इस प्रकार की दिक्कतों को तो खत्म किया जा सकता है, लेकिन पाठ्यक्रम में फर्क होने से प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों को जो नुकसान उठाना पड़ रहा है, उसकी भरपाई का कोई और उपाय नजर नहीं आता।

पूरे देश में एक बोर्ड इसलिए भी लागू होना चाहिए, क्योंकि नई शिक्षा नीति में सभी स्कूलों में शिक्षा, सिलेबस और परीक्षा का पैटर्न एक जैसा करने की बात कही गई है। सभी बच्चों को एक जैसी शिक्षा मुहैया कराना इस नीति के अहम उद्देश्यों में से है। बहरहाल, केंद्र और सभी राज्य सरकारों को मिल बैठ कर इसका कोई हल निकालना चाहिए, ताकि महज पाठ्यक्रम में अंतर होने के चलते छात्रों को इसकी बड़ी कीमत न चुकानी पड़े।

जेलों में भी अधिक सुविधाएं हासिल कर लेते हैं बाहुबली, दबंग व आपराधिक छवि के राजनेता

उत्तर प्रदेश की जेल हो, तिहाड़ हो या देश की कोई भी अन्य जेल, सभी में तैनात पुलिस के अधिकार सिविल पुलिस से अलग होते हैं। कार्यक्षेत्र भी सिविल पुलिस से भिन्न होता है, लेकिन जेल में विचाराधीन सामान्य बंदी व कैदियों की तुलना में बाहुबली, दबंग, आपराधिक छवि व राजनेता अपने पैसे के बल पर अधिक सुविधाएं प्राप्त कर लेते हैं। कहीं जेलकर्मियों का लालच होता है तो कहीं उनमें डर, जो भी लेकिन कैदियों को जरूरी सामान, मोबाइल व सिम जेलकर्मियों की मिलीभगत के बगैर नहीं पहुंच सकते।

बहुत से मामलों में तो जेलकर्मी ही सामान उपलब्ध कराते हैं। पैसों के दम पर जेल में कैदियों के लिए नशीले पदार्थ पहुंचते हैं। हालत यह है कि जेल में पार्टी का आयोजन भी कैदियों की मर्जी और उनके रसूख व पैसे के बल पर होता है। रसूखदार कैदियों के लिए कोई नियम-कानून नहीं होता है। बैरक में कैदियों के लिए सिर्फ जरूरी सामान उपलब्ध कराया जाना चाहिए, लेकिन अव्यवस्था का आलम यह है कि जेल में कैदियों के लिए पार्टी होती हैं। इसकी फोटो इंटरनेट मीडिया पर शेयर की जाती हैं। कैदी खुलेआम मोबाइल से बात करते हैं, उनके मोबाइल रखने पर कोई रोक टोक नहीं होती है।

इन्हीं सब सुख सुविधाओं के दम पर जेल में होने के बाद भी अपराधी स्वयं को खुले आसमान के नीचे आजाद ही पाते हैं। जेल में मोबाइल मिलने पर अपराधी प्रवृति के लोग वहीं से पीड़ित को डराते व धमकाते हैं। बाहर हो रही घटनाओं में अपने में अपनी संलिप्तता खुद ही जेल में बैठकर बताते हैं। दरअसल जेल सिर्फ उन्हीं लोगों के लिए जेल होती है, जिनकी कहीं कोई पहुंच नहीं है।

मेरी नजर में जेल की भीतरी व्यवस्था में सुधार करने की आवश्यकता है। जेल अधिकारी भी क्षमता से अधिक विचाराधीन बंदी व कैदियों की संख्या होने से सभी की निगरानी नहीं कर पाते हैं। यहां आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लग सके, इसके लिए समिति के साथ आयोग बना, लेकिन इनके सुझाव पर कभी अमल नहीं हुआ।

हालांकि इन सब गतिविधियों के लिए राज्य सरकारें भी जिम्मेदार हैं, जो राजनीतिक हित के लिए रसूखदार बंदियों व कैदियों को जेल में ही सुख सुविधाएं उपलब्ध कराती हैं। अगर जेल में सामान्य बंदी व रसूखदार बंदी के अधिकार समान हों, तो जेल से होने वाली आपराधिक गतिविधियों पर रोक लग सकती है। सुधार के लिए कैदियों की संख्या को भी कम करना होगा।जेल कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ानी होगी। इसके अलावा सरकारी स्तर पर जो सुविधाएं मिलनी चाहिए, उनके अलावा कोई भी सुख-सुविधा किसी भी कैदी या बंदी को किसी भी हाल में नहीं मिलनी चाहिए।

जेल में रहने के दौरान देश के विख्यात लोगों ने यहां की दशा के बारे में पुस्तक के जरिये भी अवगत कराया है। उन्होंने बताया है कि कैसे जेल में रसूखदार कैदियों के चलते सामान्य विचाराधीन कैदियों के मानवाधिकारों के हित भी प्रभावित होते हैं। चूंकि कैदी मतदान के अधिकार का प्रयोग नहीं कर सकते हैं, इसलिए अक्सर वह राजनीतिक दलों के मुद्दों से बाहर रहते हैं। समाज एवं राजनीतिक दलों को विचाराधीन कैदियों की सुरक्षा व मानवाधिकारों से संबंधित मुद्दों पर संवेदनशीलता से विचार करना होगा।

जेल में मिलने वाली सुविधाओं को आधुनिक रूप दिए जाने की आवश्यकता है। उन्हें आवश्यक कौशल परीक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। रसूखदार कैदियों की देखादेखी दूसरे कैदी भी कुछ वर्ष बाद जेल कर्मचारियों पर हुकुम चलाने लगाते हैं। ऐसा नहीं है कि तिहाड़ जेल में कैदियों के सुधार एवं कल्याण के लिए कुछ अच्छे कार्य नहीं हुए हैं, लेकिन हाल के दिनों यह किसी न किसी गलत कारण से सुर्खियों में रहने लगी है, इसलिए निगरानी की अत्यंत आवश्यकता है।

जेल से संचालित होने वाली अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए निगरानी के तंत्र को मजबूत करना नितांत आवश्यक है। इसके बिना किसी भी प्रकार के सुधार की बातें सिर्फ कागजों में पढ़ने और सुनने में ही अच्छी लगेंगी।

टीके पर जोर

केंद्र सरकार ने टीकाकरण के अगले चरण में इसका दायरा बढ़ाते हुए इसे 45 साल और उससे ज्यादा उम्र के सभी लोगों के लिए खोलने का उपयुक्त फैसला किया है। देश में जिस तेजी से कोरोना संक्रमण के नए मामले बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए बचाव की रणनीति में भी जरूरी बदलाव करते हुए आगे बढ़ना होगा। बुधवार सुबह जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक 24 घंटों के दौरान देश में 47,262 नए केस दर्ज हुए जो पिछले 132 दिनों का उच्चतम रेकॉर्ड है। रोज आने वाले नए मामलों के अलावा अगर मौजूदा एक्टिव मामलों की बात करें तो बुधवार को यह संख्या 3,68,457 दर्ज की गई। यह लगातार 14 वां दिन था जब इसमें बढ़ोतरी देखी गई। साफ है कि देश में कोरोना के एक बार फिर बेकाबू होने का खतरा बढ़ता जा रहा है। बावजूद इसके, आम लोगों में परस्पर दूरी बरतने और मास्क पहनने की प्रवृत्ति कम होती जा रही है। चाहे बाजारों में खरीदारी की बात हो या होली और कुंभ जैसे सांस्कृतिक धार्मिक आयोजनों से जुड़े उत्साह की, आम लोगों में अब कोरोना के डर को पीछे छोड़कर बेहिचक आगे बढ़ने का रुझान दिख रहा है जो शासन की ओर से बार-बार की जा रही अपीलों से भी कम नहीं हो रहा। ऐसे में देशव्यापी स्तर पर सख्त लॉकडाउन की अवस्था में वापस लौटना खासा मुश्किल होगा।

इकॉनमी की सेहत के लिहाज से भी ऐसा कोई कदम बेहद नुकसानदेह होगा। ऐसे में सबसे व्यावहारिक और उपयोगी कदम यही हो सकता है कि जल्द से जल्द ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन के सुरक्षा घेरे में लेकर वायरस को मात दी जाए। फिलहाल भले 45 साल से ऊपर के लोगों को टीकाकरण के दायरे में लाया गया है, पर टीके की उपलब्धता और स्वास्थ्य तंत्र की क्षमता को देखते हुए आगे इसका दायरा और फैलाने का विकल्प खुला रखना चाहिए। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की यह मांग काबिले गौर है कि युवाओं को भी टीकाकरण के दायरे में लाया जाए। पंजाब में 81 फीसदी नए मामले ब्रिटिश वैरिएंट के पाए गए हैं जो युवाओं में ज्यादा तेजी से फैलते हैं। ब्रिटेन ने मुख्यत- तेज और व्यापक टीकाकरण की नीति के जरिए जिस तरह से कोरोना की दूसरी लहर को काफी हद तक काबू कर लिया है, वह ध्यान देने लायक है। वहां इस साल फरवरी की शुरुआत में रोज 20,000 के आसपास नए केस दर्ज हो रहे थे, मगर 15 मार्च के बाद से यह संख्या पांच-छह हजार के आसपास चल रही है। बहरहाल, टीकों के बारे में अंतिम निर्णय बदलते हालात की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों की टीम ही ले तो बेहतर। हालांकि सारे फैसले राष्ट्रीय स्तर पर लेने के बजाय उसकी प्रक्रिया को विकेंद्रित करना अच्छा रहेगा। इससे विभिन्न राज्यों तथा क्षेत्रों की अलग-अलग स्थितियों की जरूरतों को बेहतर ढंग से समायोजित किया जा सकेगा।

राजनीतिक नासमझी से राहुल गांधी किसका हित साधने के लिए धारा के विपरीत खड़े हैं

तमिलनाडु का कोई ऐसा मंदिर नहीं है जिसका दर्शन उनकी पत्नी ने न किया हो। स्टालिन के नब्बे फीसद कार्यकर्ता हिंदू हैं और वे विभूति लगाते हैं। क्या आपने करुणानिधि को कभी ऐसा बयान देते हुए सुना था? यह तो दिखाई दे रहा है कि राहुल गांधी धारा के विपरीत खड़े हैं, पर किसका हित साधने के लिए? समाज और देश का हित तो उनका लक्ष्य नहीं दिखता। क्या पार्टी का हित सधेगा? राहुल की हालत फिल्म 'बहू बेगम' में साहिर लुधियानवी के गीत की तरह है-'निकले थे कहां जाने के लिए, पहुंचेंगे कहां, मालूम नहीं। अब अपने भटकते कदमों को, मंजिल का निशां मालूम नहीं।' राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने 'संस्कृति के चार अध्याय' में लिखा है कि 'आदमी कमजोर पहले होता है, पराजय उसकी बाद में होती है।'

बहुत पुरानी कहावत है-'पिता पर पूत, जात पर घोड़ा। नहीं ज्यादा, तो थोड़ा-थोड़ा।' बात अगर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हो तो ये थोड़ा-थोड़ा ज्यादा-ज्यादा हो जाता है। जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी के पूरे राजनीतिक जीवन में विचारों और दिशा को लेकर कभी कोई दुविधा नहीं रही। दिशा भ्रम की प्रवृत्ति पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी में थी। राहुल गांधी को शायद यह विरासत में मिली है। अपनी राजनीतिक नासमझी से उन्होंने इसे कई गुना बड़ा कर लिया है। नतीजा यह है कि राजीव गांधी की तुलना में नुकसान भी ज्यादा उठा रहे हैं। राजीव गांधी ने शाहबानो पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटकर और फिर अयोध्या में रामजन्म भूमि मंदिर का शिलान्यास कराकर हिंदू-मुसलमान, दोनों को एक साथ खुश करने की कोशिश की और दोनों को नाराज कर लिया था। बोफोर्स पर भी उनकी इसी दुविधा ने उन्हें मिस्टर क्लीन से गली-गली में शोर है... के नारे तक पहुंचा दिया, फिर भी एक अंतर यह है कि राहुल गांधी दो वर्गों को अलग-अलग समय पर खुश करने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि वे राजनीति करने के बजाय कंप्यूटर पर गेम खेल रहे हैं।

सार्वजनिक जीवन में लोगों की याद्दाश्त आमतौर पर कमजोर होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी राहुल समझते हैं। चुनाव जब ऐसे राज्य में हो रहा हो, जहां मुस्लिम आबादी के वोट निर्णायक न हों तो वह जनेऊधारी ब्राह्मण और शिवभक्त हो जाते हैं। मंदिर-मंदिर घूमने लगते हैं।

लोकसभा चुनाव के बाद से उनकी शिवभक्ति सुषुप्तावस्था में चली गई है। नेता अमूमन दो तरह के होते हैं। एक जो धारा के साथ चलते हैं और दूसरे जो लाभ-हानि की चिंता किए बिना धारा के विपरीत चलने का साहस दिखाते हैं। जो धारा के विपरीत चलते हैं, वे ऐसा किसी बड़े उद्देश्य यानी समाज या देश के वृहत्तर हित के लिए करते हैं। राहुल गांधी क्या करते हैं और क्यों करते हैं, यह आप खुद तय कीजिए। मैं सिर्फ कुछ तथ्य आपके सामने रखूंगा। कांग्रेस में कौन किस पद पर है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

कांग्रेस में राहुल ही सब कुछ हैं। कुछ व्यापारी अपना सारा धंधा किसी और के नाम से करते हैं, जिससे फंसने की नौबत आए तो वे बचे रहें। दशकों पहले देवकांत बरुआ कांग्रेस के अध्यक्ष हुआ करते थे। उन्होंने नारा लगाया था कि इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा। साल 1977 में इंदिरा गांधी सत्ता से बाहर हो गईं। जनता पार्टी ने आपातकाल की ज्यादतियों की जांच के लिए शाह कमीशन बनाया। कमीशन के सामने इंदिरा गांधी के खिलाफ गवाही देने वालों में देवकांत बरुआ भी थे। तो निष्ठा बड़ी चंचल होती है और माया की तरह ठगिनी भी। समय के साथ बदलती रहती है। राहुल गांधी के लिए कोई नहीं कहता कि राहुल ही कांग्रेस हैं और कांग्रेस ही राहुल, क्योंकि सबको मालूम है कि यही सच है। अब यह बताने की तो जरूरत है नहीं कि सूरज पूरब से उगता है।

साल 2014 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की ऐतिहासिक हार के बाद एक एंटनी कमेटी बनी। उसने अपनी रिपोर्ट में बहुत सी बातें कहीं, जो परिवार और उनके दरबारियों के अलावा किसी को पता नहीं, लेकिन एक बात बाहर निकल आई कि कांग्रेस की छवि हिंदू विरोधी और मुस्लिमपरस्त पार्टी की बन गई है। इस चुनाव में पहली बार भाजपा को लोकसभा में स्पष्ट बहुमत मिला। तबसे देश की राजनीति वाम से दक्षिणमार्गी हो गई है। तीन-चार साल उस रिपोर्ट पर सोने के बाद कांग्रेस यानी राहुल गांधी ने तय किया कि धारा के साथ बहना ठीक है। वह शिवभक्त हो गए। देश में मंदिर दर्शन नाकाफी लगा तो कैलाश-मानसरोवर की यात्रा कर आए। फिर पता नहीं क्या हुआ कि धीरे-धीरे शिवभक्ति उन्हें निरर्थक लगने लगी। कोई शंका रही भी हो तो 2019 के लोकसभा चुनाव के नतीजे ने खत्म कर दी। ऐसी शिवभक्ति किस काम की जो अमेठी तक हरा दे।

लोकसभा चुनाव में ही केरल के वायनाड में मुस्लिम मतों ने उन्हें लोकसभा में पहुंचा दिया। अब शायद उसका कर्ज उतार रहे हैं। वायनाड में उनका चुनाव एक तरह इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने लड़ा। वैसे लीग से कांग्रेस का पुराना नाता है। शायद उन्हें लगा इतने से बात नहीं बनेगी। सो असम में इत्र व्यापारी बदरुद्दीन अजमल की ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट से गठबंधन कर लिया। असम के दिवंगत कांग्रेस नेता और 15 साल मुख्यमंत्री रहे तरुण गोगोई ने अपने जीते जी ऐसा नहीं होने दिया, पर राहुल गांधी को कौन रोके? उन्हें रोकने का मतलब कांग्रेस को रोकना है। तो सब चुप, पर राहुल इससे भी संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने बंगाल में फुरफुरा शरीफ दरगाह के मौलवी की नई नवेली पार्टी इंडियन सेक्युलर फ्रंट से गठबंधन कर लिया। गठबंधन तो सीपीएम ने भी किया है, पर उसका एक मकसद है। उसे ममता को हराना है। राहुल किसे हराना चाहते हैं? ममता को या भाजपा को?

अब आप जरा मौजूदा राजनीतिक माहौल पर नजर डालिए। बंगाल में मुसलमानों की सबसे बड़ी हितैषी ममता बनर्जी चुनावी सभा के मंच से चंडी पाठ कर रही हैं और अपने को ब्राह्मण बता रही हैं। उधर तमिलनाडु में धर्म को न मानने वाली पार्टी द्रमुक के मुखिया एमके स्टालिन पूरी दुनिया को बता रहे हैं कि द्रमुक हिंदू विरोधी नहीं है और उनकी पत्नी हिंदू रीति-रिवाजों का पालन करती हैं। तमिलनाडु का कोई ऐसा मंदिर नहीं है जिसका दर्शन उनकी पत्नी ने न किया हो। स्टालिन के नब्बे फीसद कार्यकर्ता हिंदू हैं और वे विभूति लगाते हैं। क्या आपने करुणानिधि को कभी ऐसा बयान देते हुए सुना था? यह तो दिखाई दे रहा है कि राहुल गांधी धारा के विपरीत खड़े हैं, पर किसका हित साधने के लिए? समाज और देश का हित तो उनका लक्ष्य नहीं दिखता। क्या पार्टी का हित सधेगा?

राहुल की हालत फिल्म 'बहू बेगम' में साहिर लुधियानवी के गीत की तरह है-'निकले थे कहां जाने के लिए, पहुंचेंगे कहां, मालूम नहीं। अब अपने भटकते कदमों को, मंजिल का निशां मालूम नहीं।' राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने 'संस्कृति के चार अध्याय' में लिखा है कि 'आदमी कमजोर पहले होता है, पराजय उसकी बाद में होती है।' हालांकि उन्होंने यह बात भारत के गुलाम होने के संदर्भ में लिखी थी, लेकिन वह कांग्रेस पर खरी उतरती है। हार, कमजोरी और दिशा भ्रम कांग्रेस का प्रारब्ध बन गया है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

उत्तर प्रदेश में चार चरण में 15 अप्रैल से मतदान, दो मई को होगी गिनती

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में गांव की सरकार बनाने का इंतजार समाप्त हो गया है। प्रदेश में चार चरणों में 15 अप्रैल से मतदान होगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को मतदान की तारीखों का एलान कर दिया है। पंचायतों के आरक्षण को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है। सुनवाई से पहले ही निर्वाचन आयोग ने चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है।

इसी के साथ प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। प्रदेश में चार चरण में 15, 19, 26 तथा 29 अप्रैल को मतदान होगा। इसके बाद दो मई को होगी मतों की गणना होगी।

दो मई से बाद से गांव की सरकार का काम शुरू होगा, जोकि 25 दिसंबर से बंद है। सभी 18 मंडल के एक-एक जिले में पहले चरण का चुनाव होगा। 2 मई को मतगणना होगी। चुनाव की तारीखों के एलान के साथ ही यूपी में आचार संहिता लग गई है। सुप्रीम कोर्ट में आज आरक्षण मामले पर सुनवाई होगी।

प्रदेश में कल यानी शनिवार से नामांकन पत्रों का विक्रय होगा। पहले चरण के मतदान वाले जिलों में नामांकन तीन और चार अप्रैल को होगा। दूसरे चरण के मतदान वाले जिलों में नामांकन सात और आठ अप्रैल को होगा। तीसरे चरण के मतदान वाले जिलों में नामांकन 13 और 15 अप्रैल को होगा। चौथे चरण के मतदान वाले जिलों में नामांकन 17 और 18 अप्रैल को होगा। पंचायत चुनाव के लिए तीन अप्रैल से पहले चरण का नामांकन शुरू हो जाएगा। प्रत्येक चरण में प्रत्याशियों को प्रचार के लिए करीब सप्ताह भर का समय मिलेगा।

पहले चरण में 15 अप्रैल को मतदान होगा। इस चरण में 18 जिलों में वोट

पड़ेंगे। पहले चरण में सहारनपुर, गाजियाबाद, रामपुर, बरेली, हाथरस, आगरा, कानपुर नगर, झांसी, महोबा, प्रयागराज, रायबरेली, हरदोई, अयोध्या, श्रावस्ती, संत कबीर नगर, गोरखपुर, जौनपुर व भदोही में मतदान होगा।

दूसरे चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। दूसरे चरण में 20 जिलों में मतदान होगा। इसमें मुजफ्फरनगर, बागपत, गौतमबुद्ध नगर, बिजनौर, अमरोहा, बदायूं, एटा, मैनपुरी, कन्नौज, इटावा, ललितपुर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, लखनऊ, लखीमपुर खीरी, सुल्तानपुर, गोंडा, महाराजगंज, वाराणसी तथा आजमगढ़ के मतदाता वोट डालेंगे।

तीसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को होगा। इस चरण में भी 20 जिलों में वोट पड़ेंगे। इसमें शामली, मेरठ, मुरादाबाद, पीलीभीत, कासगंज, फिरोजाबाद, औरैया, कानपुर देहात, जालौन, हमीरपुर, फतेहपुर, उन्नाव, अमेठी, बाराबंकी, बलरामपुर, चंदौली, सिद्धार्थनगर, देवरिया, मिर्जापुर तथा बलिया में मतदान होगा। 29 अप्रैल को चौथे चरण के मतदान में 17 जिले के मतदाता अपने अधिकार का प्रयोग करेंगे।

चौथे चरण में हापुड़, बुलंदशहर, संभल, शाहजहांपुर, मथुरा, अलीगढ़, फर्रुखाबाद, बांदा, कौशांबी, सीतापुर, अंबेडकरनगर, बहराइच, बस्ती, कुशीनगर, गाजीपुर, सोनभद्र तथा मऊ में वोट पड़ेंगे।

कोरोना संक्रमण के कारण बढ़े मतदान केंद्र- राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत चुनाव में इस बार कोरोना वायरस संक्रमण के कारण फिजिकल डिस्टेंसिंग पर जोर दिया है। इसी कारण मतदान स्थलों में इजाफा भी हो गया है। इससे पहले 2015 चुनाव में 179413 मतदान स्थल थे। 2021 में मतदान स्थलों की संख्या 203050 हो गई है। 2015 में 11.74 करोड़ मतदाता थे जबकि 2021 में मतदाताओं की संख्या 12.39 करोड़ हो गई है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए 80,762 मतदान केंद्र तथा दो लाख 3050 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। प्रदेश के 12.39 करोड़ मतदाताओं में 53.01 प्रतिशत पुरुष तथा 46.99 प्रतिशत महिलाएं हैं।

गोंडा जिले में नौ(बहादुरा,खानपुर,सरावां,जलालपुर बल्लीपुर, मोहनपुर, साहिबापुर, परसिया,रामपुर व खरहटा), सीतापुर जिले में तीन(कैमहरा रघुवरदयाल व भटपुरवा) तथा बहराइच जिले में एक(कपूरपुर) ग्राम पंचायत का कार्यकाल पूरा न होने के कारण यहां पर मतदान नहीं होगा। उधर बुलंदशहर में पांच ग्राम पंचायतों का विलय औद्योगिक क्षेत्र में होने के कारण वहां भी मतदान नहीं होगा।

एक नजर- प्रदेश में कुल 12 करोड़ 39 लाख मतदाता चार चरण में होने वाले मतदान में अपने अधिकार का प्रयोग करें। प्रदेश में 58,189 ग्राम पंचायत तथा सात लाख 32,563 ग्राम पंचायत वार्ड हैं। इसी तरह 826 क्षेत्र पंचायत तथा 75,855 क्षेत्र पंचायत वार्ड हैं। प्रदेश में 75 जिला पंचायत तथा 3,051 जिला पंचायत पद हैं।

संक्षिप्त खबर

पंचायत चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट की यूपी सरकार को बड़ी राहत, याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट भेजा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की आरक्षण की फाइनल सूची जारी होने के साथ ही चार चरणों में चुनाव कराने की तारीखों के एलान के बीच सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ी राहत दी है। सीतापुर के दिलीप कुमार को सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में जाने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पंचायत चुनाव के मामले में किसी भी प्रकार का दखल देने से इन्कार करने के साथ याचिका दायर करने वाले को इलाहाबाद हाई कोर्ट में अपील दायर करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव के मामले में योगी आदित्यनाथ सरकार को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने पंचायत चुनाव के मामले में दखल देने से मना किया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने से मना करने के साथ याचिकाकर्ता को इलाहाबाद हाइकोर्ट जाने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एसए बोबड़े की अध्यक्षता वाली पीठ इस मामले की। ऐसे में पंचायत चुनाव से जुड़ी याचिकाओं के निस्तारण पर सब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी थी। सुप्रीम कोर्ट में आरक्षण को लेकर दाखिल सीतापुर जिले के दिलीप कुमार की 186 पन्ने की याचिका पर आज सुनवाई थी। याचिका में कहा गया है कि हाईकोर्ट ने आरक्षण को लेकर जो आदेश दिया है उसे बदला जाये। इस याचिका में दिलीप कुमार ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई कि 1995 को ही आधार वर्ष मानकर इस चुनाव के लिए सीटों का आरक्षण किया जाये। उन्होंने कहा है कि सरकार ने फरवरी में ऐसा ही करने का शासनादेश जारी किया था। इसको लेकर आरक्षण हो भी गया था, लेकिनबाद में हाईकोर्ट ने इसे खारिज कर दिया और 2015 को आधार वर्ष मानकर सरकार को नये सिरे से आरक्षण के आदेश दे दिये। उत्तर प्रदेश सरकार ने इससे पहले ही बीते मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट अर्जी भी दाखिल की थी। इसमें कहा गया कि कोर्ट इस याचिका पर कोई भी निर्णय करने से पहले एक बार उनका पक्ष भी जरूर सुने। कैविएट याचिका में प्रदेश सरकार की ओर से कहा गया कि जब पंचायत चुनाव को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा तब कोर्ट में सरकार का भी पक्ष सुना जाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कुछ दिन पहले ही पुरानी आरक्षण सूची पर रोक लगाते हुए 2015 के आधार पर चुनाव कराने को लेकर फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि वर्ष 2015 को आधार मानते हुए सीटों पर आरक्षण लागू किया जाए। इसके पहले राज्य सरकार ने कहा कि वह वर्ष 2015 को आधार मानकर आरक्षण व्यवस्था लागू करने के लिए तैयार है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव से जुड़ी याचिकाओं को लेकर सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी थीं।

लुधियाना में सतलुज दरिया से रेत चोरी कर ला रहे दो ट्रैक्टर-ट्रालियों को पुलिस ने लिया जब्त, चालक फरार

लुधियाना । लुधियाना में बीते चौबीस घंटों के दौरान पुलिस व माइनिंग विभाग की टीमों ने सतलुज दरिया से रेत चोरी करके ला रहे दो ट्रैक्टर-ट्रालियों को कब्जे में लिया। जबकि उन्हें लेकर आ रहे दोनों आरोपित मौके पर फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में है। थाना कूमकलां पुलिस द्वारा गांव पांगलियां में की गई नाकाबंदी देख एक व्यक्ति रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्राली छोड़ कर फरार हो गया। पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। एएसआइ कमलजीत सिंह ने बताया कि आरोपित की पहचान गांव भागपुर निवासी रमजान के रूप में हुई। वो सतलुज दरिया से रेत चोरी करके ला रहा था। वहीं गांव भोलेवाल जदीद में माइनिंग विभाग की टीम को देख कर एक व्यक्ति रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्राली छोड़ कर फरार हो गया। थाना लाडोवाल पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर अज्ञात व्यक्ति पर केस दर्ज करके उसकी तलाश शुरू कर दी। एएसआइ मनप्रीत कौर ने बताया कि उक्त केस माइनिंग विभाग के जूनियर इंजीनियर राजविंदर सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया।

जालंधर में प्रशासनिक कांप्लेक्स में भी पहुंचे संगठनों के सदस्य, रजिस्ट्रियों का काम करवाया बंद

जालंधर । केंद्र सरकार की ओर से पारित किए गए कृषि सुधार कानून के विरोध में किसानों की ओर से 26 मार्च को भारत बंद के आह्वान के तहत शुक्रवार को सुबह से ही किसान संगठनों के अलावा सिख संगठनों के सदस्यों ने भी शहर में मार्च निकाला। इस दौरान शहर के जीटी रोड से लेकर अंदरूनी इलाकों में भी दुकानें नहीं खोलने दी। वहीं, जिला प्रशासकीय कांप्लेक्स में चल रहे काम को बंद करवाने के लिए भी जिले के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि पहुंच गए। इस दौरान उन्होंने तहसील कांप्लेक्स में चल रहा प्रापर्टी की रजिस्ट्री का काम बंद करवा दिया।

तहसील के अंदर सब रजिस्ट्रार लखविंदर पाल सिंह गिल प्रापर्टी की रजिस्ट्रियां कर रहे थे। लेकिन संगठनों के विरोध को देखते हुए तुरंत काम बंद कर दिया गया। इस दौरान वहां पर काम करवाने के लिए पहुंचे लोग बैरंग घर को लौट गए। देखते ही देखते पूरा प्रशासनिक कांप्लेक्स खाली हो गया। मौके पर पहुंचे जतिंदर पाल सिंह, तेजिंदर सिंह व गुरिंदर सिंह ने बताया कि किसान अपनी जायज मांगों को लेकर पिछले लंबे समय से रोष प्रदर्शन करने को विवश हो चुके हैं। बावजूद केंद्र सरकार उनकी मांगें मानने को तैयार नहीं है। यही कारण है कि केवल किसान ही नहीं बल्कि हर वर्ग में सरकार के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की इस मुश्किल घड़ी में हर वर्ग को उनका सहयोग करना चाहिए। इस मौके पर संगठनों के प्रतिनिधियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की।

करोड़ों के बैंक फॉड केस में कानपुर के दो उद्योगपतियों के ठिकानों पर सीबीआइ का छापा, अहम दस्तावेज बरामद

लखनऊ । सीबीआइ ने करोड़ों रुपये के बैंक फ्रॉड के मामले में कानपुर की कंपनियों और उनके संचालकों के ठिकानों पर छापेमारी की है। सीबीआइ लखनऊ की स्पेशल क्राइम ब्रांच ने बैंक अधिकारियों की शिकायत पर कानपुर की रोटोमैक कंपनी के संचालकों के विरुद्ध 63.46 करोड़ रुपये की ठगी का तथा फ्रॉस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड एनर्जी लिमिटेड कंपनी के संचालकों के विरुद्ध 138.39 करोड़ रुपये की ठगी का केस दर्ज किया है। इसी के बाद गुरुवार को छापेमारी की गई।

सीबीआइ ने यूनियन बैंक आफ इंडिया के अधिकारियों की शिकायत पर कानपुर स्थित मेसर्स क्राउन अल्बा राइटिंग इंस्ट्रूमेंटस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के संचालक विक्रम कोठारी, उनकी पत्नी साधना कोठारी, बेटे राहुल कोठारी व अन्य लोक सेवकों के विरुद्ध धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। मेसर्स क्राउन अल्बा राइटिंग इंस्ट्रूमेंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रोटोमैक ग्रुप का हिस्सा है। आरोप है कि कंपनी संचालकों ने करीब 101 करोड़ रुपये का लोन लिया था, जिसमें से 63.46 करोड़ रुपये हड़प लिए गए।

सीबीआइ ने केस दर्ज करने के बाद गुरुवार को विक्रम कोठारी के दफ्तर समेत दो ठिकानों पर छापेमारी की और कई अहम दस्तावेज व बेशकीमती सामान बरामद किया है। उल्लेखनीय है कि सीबीआइ ने इससे पूर्व रोटोमैक ग्रुप के मालिक विक्रम कोठारी व अन्य के विरुद्ध बैंकों के करीब करोड़ों रुपये हड़पने के मामले में धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था।

सीबीआइ ने उस मामले में विक्रम कोठारी व उनके बेटे राहुल को गिरफ्तार भी किया था। पूर्व में दर्ज मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय भी कर रहा है। इसके अलावा सीबीआइ ने इंडियन ओवरसीज बैंक की शिकायत पर फ्रॉस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड एनर्जी लिमिटेड कंपनी, उसके निदेशक उदय जयंत देसाई, सुनील वर्मा, अनूप वाढेरा व अन्य लोक सेवकों के विरुद्ध धोखाधड़ी का केस दर्ज कर कार्रवाई के कदम बढ़ाए हैं। इंडियन ओवरसीज बैंक का आरोप है कि कंपनी ने कानपुर के माल रोड स्थित बैंक की मुख्य शाखा से दो हजार करोड़ रुपये की क्रेडिट लिमिट के लिए आवेदन किया था, जिस पर करीब 860 करोड़ रुपये की क्रेडिट लिमिट स्वीकृत की गई थी। कंपनी संचालकों ने 138.39 करोड़ रुपये बैंक में जमा नहीं कराए।

वाराणसी में गंगा नदी के तट पर भक्त चिता भस्म 'होली मनाते हुए ।

पूसा प्रखंड प्रमुख के पति की गोली मारकर हत्या, घर में घुसकर अपराधियों ने गोलियों से भूना

समस्तीपुर । पूसा प्रखंड प्रमुख रविता तिवारी के पति 48 वर्षीय संतोष कुमार तिवारी उर्फ अन्नू तिवारी की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। उनके शरीर में तीन गोलियां लगी है। घटना उस वक्त हुई जब वे अपने पूसा रोड के रेपुरा स्थित आवास पर दैनिक कार्य में जुटे थे। तीन की संख्या में पहुंचे अपराधियों ने उनके शरीर में दनादन गोलियां उतार दी।

जख्मी हालत में उन्हें शहर के एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही काफी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए। वहीं उनके पूसा रोड स्थित आवास पर भी जमावड़ा लग गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। आस-पास के सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा है। वहीं हत्यारे की भी तलाश की जा रही है। सदर डीएसपी प्रितिश कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि हत्यारे के बारे में जानकारी इकट्ठा की जा रही है। पुलिस कई बिंदुओं को सामने रखकर जांच में जुटी है। बता दें अन्नू तिवारी का भी पूर्व की कई आपराधिक घटना में नाम आया था। हालांकि सभी मामले में फिलहाल वे जमानत पर थे। दूसरी तरफ पारिवारिक सूत्रों का कहना है कि हत्यारा कोई नजदीकी ही था।

पटना के बाईपास रोड में वाहनों में तोड़फोड़, गांधी सेतु पर जाम

पटना । किसान संगठनों के भारत बंद को बिहार की प्रमुख राजनीतिक पार्टी राष?ट्रीय जनता दल यानी राजद का साथ मिलने के कारण प्रदेश में इसका असर दिख रहा है। दिन चढ़ने के साथ राजद कार्यकर्ता और अन?य विरोधी दलों के समर्थक सड़कों पर उतरकर यातायात बाधित करने में जुटे हैं। पटना के बाईपास इलाके और पटना सिटी में बंद समर्थक वाहनों का आवागमन बाधित करते दुकानों को बंद करा रहे हैं। बाईपास रोड पर कुछ वाहनों में तोड़फोड़ किए जाने की सूचना भी मिल रही है। कुछ जगहों पर दुकानों को जबर्दस?ती बंद कराने की शिकायत भी मिल रही है। भागलपुर, मुजफ्फरपुर, बक?सर, वैशाली, जहानाबाद, गया, बेगूसराय, नालंदा, पूर्णिया सहित सभी जिलों में राजद और भाकपा माले के कार्यकर्ता बंद को सफल बनाने में जुटे हैं। ज?यादातर जगहों पर बंद समर्थक आवश?यक सेवा में शामिल वाहनों को रास?ता दिखे, हालांकि कहीं-कहीं जोर-जबर्दस?ती की शिकायत भी मिली।

बिहारशरीफ जिले में दीपनगर के पीपलपर के पास जाम व आगजनी कर रहे राजद कार्यकर्ताओं को एसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने खदेड़ दिया। कई राजद कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दो वाहन भी जब्त किए गए। आगजनी पर फायर ब्रिगेड ने काबू पाया। इधर, देवीसराय चौक को राजद कार्यकर्ताओं ने जाम कर दिया है। जिससे पटना-रांची मेन रोड पर वाहनों की लंबी कतार लग गई है। सदर डीएसपी शिब्ली नोमानी दल-बल समेत मौके पर पहुंच गए हैं।

भारतीय किसान संगठनों द्वारा शुक्रवार को भारत बंद आह्वान का शेरघाटी बाजार से लेकर जीटी रोड पर सुबह से ही असर दिखने लगा है। बिहार में विपक्ष में बैठे राष्ट्रीय जनता दल ने बंद का पुरजोर समर्थन करते हुए सड़क पर उतर आए हैं। किसान संगठनों द्वारा आहूत भारत बंद का समर्थन शेरघाटी अनुमंडल में राजद के अलावा माले भी करते देखे देखा जा रहा है। राष्ट्रीय राजनीतिक दल कांग्रेस के लोग भी राजद के साथ सड़क पर देखे जा रहे हैं। भारत बंद को लेकर शेरघाटी अनुमंडल क्षेत्र के औरंगाबाद सीमा आमस के मझौलिया से लेकर झारखंड सीमा मोहनपुर तक जीटी रोड पर सड़कों की आवाजाही कम दिख रही है। शेरघाटी बस स्टैंड में भी स्थानीय जगहों से चलने वाली सवारी बसें आदि का परिचालन भी बंद है। लंबी दूरी की बसें एवं लंबी दूरी के भार वाहक वाहन ट्रक, टैंकर आदि चलते देखा जा रहा है।

हिलसा में सुबह से महागठबंधन के नेता एवं कार्यकर्ता भारत बंद कराने के लिए सड़क पर उतर आए हैं। सिनेमा मोड़ पर राजद, भाकपा माले, कांग्रेस, राकपा के नेता भारत बंद कराने में जुटे हैं। इसके कारण वाहनों का आवागमन पूरी तरह से ठप है। सिनेमा मोड़ से दनियावां, एकंगरसराय एवं नूरसराय जाने वाले पथ में वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है। यात्रियों को गन्तव्य तक पहुंचने के लिए अपने सामानों के साथ पैदल चलना पड़ रहा है। हिलसा में बंद का नेतृत्व भाकपा माले के जिला सचिव सुरेंद्र राम, राजद के प्रखंड अध्यक्ष नवल यादव, कांग्रेस के विन्देश्वरी प्रसाद मंडल, रांकपा के जैनेंद्र कुमार कर रहे हैं।

पटना से उ?तर बिहार को जोड़ने वाले महात?मा गांधी सेतु पर भी यातायात प्रभावित हो गया है। बंद समर्थकों ने कुछ देर के लिए पुल पर यातायात पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया था। हालांकि एक घंटे के बाद प्रशासन ने बंद समर्थकों को वहां से हटा दिया।

कानपुर में असीम अरुण व वाराणसी में ए.सतीश गणेश पुलिस कमिश्नर, 43 आइपीएस अफसरों का तबादला

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को बेहद मजबूत करने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने गुरुवार को कानपुर तथा वाराणसी में पुलिस कमिशनर प्रणाली लागू करने का फैसला किया। इसी क्रम में शुक्रवार को एडीजी असीम अरुण को कानपुर तथा ए सतीश गणेश को वाराणसी का पुलिस कमिशनर बनाया गया है। इसके साथ ही 16 आइपीएस अफसरों का तबादला किया गया है।

योगी आदित्यनाथ सरकार ने वाराणसी और कानपुर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू कर दी है। डायल 112 के एडीजी असीम अरुण को कानपुर और आगरा जोन में एडीजी रहे ए सतीश गणेश को वाराणसी का पुलिस कमिशनर बनाया गया है। इसके साथ ही 43 आइपीएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी की गई है। पीपीएस अफसरों के बाद प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को कुल 43 आइपीएस अफसरों का तबादला। किया है। इसमें 15 जिलों के एसपी भी बदले गए हैं। असीम अरुण को कानपुर तथा ए सतीश गणेश को वाराणसी के पुलिस कमिशनर के पद पर तैनाती मिली है। वाराणसी के एसएसपी अमित पाठक को गाजियाबाद भेजा गया है। इसके साथ ही अखिलेश कुमार मीणा व अनिल सिंह को वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट में तैनाती मिली है। मनोज कुमार और आकाश कुलहरि को कानपुर में अपर पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात किया गया है। पीयूष मोर्डिया लखनऊ, पुलिस कमिश्नरेट में संयुक्त पुलिस आयुक्त बने जबकि डीआईजी रेलवे पुष्पांजलि को नोएडा पुलिस कमिश्नरेट में भेजा गया है।

ज्वाइंट कमिश्नर लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट नवीन अरोड़ा को आइजी आगरा रेंज, रमित शर्मा को आइजी बरेली रेंज तथा एसके भगत को आइजी वाराणसी रेंज में तैनाती मिली है। जे रविंद्र गौड़ को मिर्जापुर, दीपक कुमार को अलीगढ़, जोगेन्द्र कुमार को झांसी तथा शलभ माथुर को मुरादाबाद रेंज में डीआइजी के पद पर तैनात किया गया है।

एसएसपी के पद पर भी तैनात किरीट कुमार राठौर को पीलीभीत, बबलू कुमार को एटीएस, मुनिराज जी को आगरा, कला निधि नैथानी को अलीगढ़, रोहन पी कनय को झांसी, दिनेश कुमार पी को गोरखपुर, सचींद्र पटेल को कुशीनगर, संतोष सिंह को गोंडा, शैलेश पाण्डेय को अयोध्या, बृजेश कुमार सिंह को इटावा, आकाश तोमर को प्रतापगढ़ तथा सुजाता को बहराइच का एसएसपी बनाया गया है।

कानपुर तथा वाराणसी को अब दो-दो हिस्सों में बांटा गया है। वाराणसी में वाराणसी नगर और ग्रामीण और कानपुर में कानपुर नगर व कानपुर आउटर के रूप में बांटा गया है। दोनों जिलों में पुलिस कमिश्नर की तैनाती की गई है। वाराणसी नगर में पुलिस कमिश्नर और ग्रामीण में एसपी को कमान सौंपी जाएगी। इसी तरह कानपुर नगर में पुलिस कमिश्नर और कानपुर आउटर में एसपी को जिम्मेदारी दी गई है। इन दोनों जिलों में जिलाधिकारी का दखल ग्रामीण क्षेत्रों में ही रहेगा। कमिश्नरेट में कानून व्यवस्था में जिलाधिकारी का दखल नहीं रहेगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा और लखनऊ के बाद दो बड़े शहरों में वाराणसी और कानपुर में भी कमिश्नर प्रणाली लागू कर दी है। कैबिनेट से प्रस्ताव पास होने के बाद इस पर नोटिफिकेशन भी जारी हो गया है।

विपक्षी दलों के सदस्य रांची में तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ किसान यूनियनों द्वारा बुलाए गए राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में विरोध प्रदर्शन करते हुए ।

भोजपुर में नहर से युवक का शव बरामद, हत्या का आरोप लगा आरा-अरवल रोड को लोगों ने किया जाम

आरा । भोजपुर जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के सहयोगी टोला पवार नहर से शुक्रवार की सुबह एक युवक का शव बरामद किया गया। शव मिलने की खबर से आक्रोश भड़क उठा। वे गला दबाकर हत्या करने के बाद शव नहर में फेंके जाने का आरोप लगा रहे थे। गुस्साए ग्रामीणों ने नारायणपुर बाजार स्थित गांधी चौक के समीप शव रखकर आरा-अरवल मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। भाकपा-माले के नेतृत्व में लोग सड़क जाम कर रहे थे। मृतक 28 वर्षीय रामकेवल राम था। वह नारायणपुर थाना क्षेत्र के सहयोगी टोला अनुसूचित जाति टोला निवासी विश्नाथ राम का पुत्र था। पुलिस अधिकारी वार्ता कर जाम हटाने के प्रयास में लगे है। सड़क जाम व हंगामे के कारण आरा-अरवल मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

बताया जाता हैं कि रामकेवल राम गुरुवार की रात घर से निकला था। लेकिन, फिर वापस नहीं लौटा। इस दौरान स्वजनों ने काफी खोजबीन की। लेकिन, कोई सुराग नहीं मिला। इस बीच शुक्रवार की सुबह नहर से युवक का शव बरामद होते ही लोग आक्रोशित हो गए। नहर से शव निकाले जाने के बाद आक्रोशित लोग रोड पर आ गए।

आरा-अरवल मार्ग को जाम कर हंगामा शुरू कर दिया। बाद में सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष निकुंज भूषण भी वहां पहुंच गए। पुलिस के अनुसार शव नहर के पानी में पड़ा हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत का सही कारण पता चल सकेगा।

इधर, सहयोगी टोला निवासी युवक का शव मिलने के बाद महिलाएं भी सड़कों पर आ गई। ग्रामीणों के साथ टोले की महिलाएं भी बीच सड़क पर बैठकर हंगामा करने लगीं। मृतक के स्वजनों को मुआवजा दिए जाने और हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग लोग कर रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारियों को भी सूचना दे दी गई है।समाचार लिखे जाने तक पुलिस मौके पर कैंप कर रही थी।

एक नजर

राजस्थान सरकार 30 करोड़ का हेलीकॉप्टर साढ़े 4 करोड़ में बेचने को तैयार, नहीं मिल रहे खरीददार

जयपुर । राजस्थान सरकार का 30 करोड़ में खरीदा गया 16 साल पुराना अगस्ता हेलीकॉप्टर अब साढ़े 4 करोड़ में भी नहीं बिक रहा है। सरकार ने अब तक 11 बार इस हेलीकॉप्टर को बेचने के प्रयास किए, लेकिन कोई खरीददार ही नहीं मिल रहा। खरीददार नहीं मिलने के कारण यह हेलीकॉप्टर कबाड़ में तब्दिल होता जा रहा है। वर्तमान में यह स्टेट हैंगर पर खड़ा है। 10 बार असफल होने के बाद 11वीं बार इसी माह 3 मार्च को हलीकॉप्टर की नीलामी रखी गई, लेकिन किसी खरीददार ने दिलचस्पी नहीं दिखाई। इससे पहले 2 फरवरी को भी नीलामी में शामिल होने कोई नहीं आया। करीब 7 साल पहले इसी हेलीकॉप्टर के 18 करोड़ मिल रहे थे, लेकिन तब अधिक कीमत मिलने की उम्मीद में सरकार ने इसे बेचा नहीं और अब साढ़े चार करोड़ में भी खरीददार नहीं मिल रहे। इसके बाद 14 करोड़ में नीलामी रखी गई, फिर 12 करोड़ 40 लाख और इसके बाद 11 करोड़ में हेलीकॉप्टर बेचने की कोशिश कई बार हुई, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। साढ़े 4 करोड़ में बेचने को लेकर फिर दूसरी बार प्रयास किया,जो सफल नहीं हुआ ।

तत्कालीन वसुंधरा राजे सरकार ने साल, 2005 में अगस्ता ए-109 डबल इंजन का हेलीकॉप्टर खरीदा था। यह हेलीकॉप्टर वेस्टलैंड कंपनी का है। इसमें कुल 7 लोग बैठ सकते हैं। जिनमें 2 क्रू मेंबर्स और 5 अन्य लोग शामिल है। इसका रजिस्ट्रेशन नंबर वीटी-राज है। इसने कुल 5121 घंटे उड़ान की है। उस समय अगस्ता वेस्टलैंड के प्रतिनिधियों ने इसे राजस्थान की गर्म हवाओं और रेगिस्तानी वातावरण के अनुकूल बताया था। लेकिन बाद में कंपनी ने पंखूड़ी का कैप उखड़ने का कारण धूलभरी आंधी को बता दिया।

उल्लेखनीय है कि साल, 2011 में अशोक गहलोत मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में इसी हेलीकॉप्टर में सवार होकर जा रहे थे। बीच रास्ते में ही हेलीकॉप्टर की पंखूड़ी का कैप उखड़ने से चूरू जिले के एक गांव में आपात लैंडिंग करानी पड़ी थी। सीएम बाल-बाल बचे थे। कंपनी ने तकनीकी खराबी बताया था। उसके बाद से इसे वीआईपी की यात्रा के लिए बंद कर दिया गया और फिर इसको बेचने का फैसला किया गया। यह कई बार कोशिश करने के बावजूद नहीं बिक सका है। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कुछ कंपनियों से बातचीत जारी है।

मेडिकल छात्रा की फेक आईडी बना लड़कियों से चैटिंग करने वाला छात्र गिरफ्तार

अहमदाबाद । साइबर क्राइम पुलिस ने एक मेडिकल छात्रा की फेक आईडी बनाकर सोशल साइट पर उसका फोटो व मोबाइल नंबर शेयर करने के मामले में मोडासा के मेडिकल छात्र को गिरफ्तार किया है। उत्तर गुजरात के मोडासा का 20 वर्षीय खुश उर्फ छोटू पटेल नानक मेडिकल छात्र ने अहमदाबाद चांदखेड़ा की एक मेडिकल छात्रा का सोशल साइट पर फेक आईडी बनाकर लड़कियों के साथ चैटिंग करता था। जब इस मेडिकल छात्रा को इसका पता चला तो उसने छोटू पटेल से संपर्क करने की कोशिश की तथा उसको कई बार मैसेज किए लेकिन वह उसका जवाब नहीं देता और उसको टालता रहा। मेडिकल छात्रा ने साइबर क्राइम अहमदाबाद को इसकी शिकायत की और बताया कि उसकी फोटो व मोबाइल नंबर सोशल साइट पर डालकर नया क्यूटी स्वीट गर्ल आदि नामों से कुश पटेल उर्फ छोटू पटेल ने अकाउंट बनाए हैं। इसकी वजह से उसे कई अनजान लोगों के फोन काल तथा मैसेज आना शुरू हो गए। पुलिस ने IP-Address के आधार पर आरोपी को ट्रेस किया तथा उसे मोडासा से गिरफ्तार करके अहमदाबाद लायी। उसने बताया कि मेडिकल छात्रा उसकी जानकार है तथा उसने एक ग्रुप बनाया है जिसमें वह भी शामिल है। हालांकि फेक आईडी बनाकर सोशल साइट पर पीड़िता के फोटो व मोबाइल नंबर के उपयोग के बारे में कोई जवाब नहीं दिया है।

ओड़िशा में 1 अप्रैल से 45 वर्ष से अधिक आयु के हर व्यक्ति को लगाया जाएगा कोरोना टीका

भुवनेश्वर । ओड़िशा में कोरोना टीकाकरण कार्यक्रम को सरकार महत्व दे रही है। डाक्टर, पुलिस एवं अन्य कोरोना योद्धाओं व 60 साल से अधिक आयु वाले तथा विभिन्न बीमारी से पीड़ित रहने वाले वरिष्ठ व्यक्ति को कोरोना टीका लगाए जाने के बाद अब 45 साल से अधिक आयु वाले सभी वयस्क व्यक्ति को टीका लगाने का निर्णय लिया है। 1अप्रैल से प्रदेश में 45 साल से अधिक आयु वाला कोई भी व्यक्ति कोरोना टीका लगवा सकता है। अभी तक 19 लाख 60 हजार 729 लोगों को कोरोना टीका लगाया जा चुका है।

जानकारी के मुताबिक प्रदेश में कोरोना टीकाकरण अभियान में तेजी लाते हुए राज्य के 839 जगहों पर टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। राज्य स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक प्रदेश में 60 साल से अधिक आयु वाले 10 लाख लोगों ने कोरोना टीका लिया है। राज्य में 3 लाख 1 हजार 83 स्वास्थ्य कर्मचारी पहली डोज लिए हैं जबकि 2 लाख 50 हजार 705 स्वास्थ्य कर्मचारी दूसरी डोज ले चुके हैं। उसी तरह से 1 लाख 81 हजार 415 फ्रंट कोरोना वैरियर पहली डोज ले चुके हैं जबकि 1 लाख 27 हजार 732 फ्रंट वैरियर दूसरी डोज ले चुके हैं। गम्भीर बमारी से पीड़ित 45 से 59 वर्ष के वयस्क 59 हजार 969 लोगों को कोरोना टीका दिया गया है। 60 साल से अधिक आयु वाले 10 लाख 30 हजार 815 लोगों को कोरोना टीका दिया जा चुका है। राज्य में अभी तक कुल अभी तक 19 लाख 60 हजार 729 लोगों को कोरोना टीका लगाया जा चुका है।

हाईकोर्ट में टीएमसी के एक उम्मीदवार की पत्नी ने हीं की पति के नामांकन रद करने की मांग

कोलकाता । बंगाल विधानसभा चुनाव में अजीबो-गरीब मामले भी देखने को मिल रहे हैं। जहां हर उम्मीदवार अपने विरोधियों के नामांकन को रद कराने की फिराक में रहता है। लेकिन, पूर्व मेदिनीपुर के खेजुरी विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन रद करने के लिए उनकी पत्नी ने ही हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार पार्थ प्रतीम दास के नामांकन को रद करने की मांग करते हुए उनकी पत्नी लिपिका दास ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। याचिकाकर्ता लिपिका दास की वकील मधु जाना का कहना है कि खेजुरी विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल करते समय कई तथ्यों को छिपाया गया है। उनका आरोप है कि पार्थ प्रतीम दास और उनके मुवक्किल लिपिका दास के बीच तलाक का मामला चल रहा है। दोनों लंबे अरसे से एक-दूसरे से अलग रहते हैं। उनका एक पुत्र भी है और इसी बीच पार्थ प्रतीम दास ने दूसरी शादी भी कर ली है। इसकी जानकारी पार्थ प्रतीम दास ने अपने नामांकन पत्र में नहीं दी है। लिपिका दास के मुताबिक पार्थ प्रतीम दास ने आश्रितों के बारे में भी कुछ नहीं बताया है। सिर्फ यही नहीं, लिपिका दास ने पार्थ प्रतीम दास पर संपत्ति छिपाने का भी आरोप लगाया है। पार्थ प्रतीम के पास एक बाइक है, जिसकी जानकारी उन्होंने अपने चुनावी हलफनामे में नहीं दी है। लिपिका दास की वकील मधु जाना ने बताया कि इसे लेकर उन्होंने 20 मार्च को चुनाव आयोग के समक्ष भी शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन, आयोग ने कार्रवाई नहीं की।

भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने कहा- शिवसेना को अपनी पार्टी के नाम से शिव हटाकर मुस्लिम सेना रख लेना चाहिए

कोलकाता । बंगाल भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने शिवसेना पर हमला बोला है। उन्होंने बीएमसी की तरफ से दिए गए उन दो विज्ञापनों को कोट किया है जिसमें कहा गया है कि अगर शहर में किसी ने भी सार्वजनिक तौर पर होली खेलने की कोशिश की तो उस पर सख्त कदम उठाया जाएगा। वहीं दूसरे विज्ञापन में सरकार की तरफ से अपील की गई है कि शब-ए-बारात पर भीड़ को नियंत्रितकिया जाए। भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने शिवसेना के हिंदुत्व पर हमला बोला है। अर्जुन सिंह ने ट्वीट कर कहा कि हिंदूवादी नेता रहे बाला साहेब ठाकरे के उत्तराधिकारी 'नव सेक्युलर' का यह वैचारिक पतन हैरान कर देने वाला है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एक त्योहार मनाने पर रोक और दूसरे को छूट देने के लिए आवेदन दिया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने विवादित बयान देते हुए ये तक कह दिया कि शिवसेना को अपनी पार्टी के नाम से शिव हटाकर मुस्लिम सेना रख लेना चाहिए। भाजपा नेता अर्जुन सिंह का कहना है कि उद्धव ठाकरे के पिता और पूर्व शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे की छवि कट्टर हिंदूवादी नेता की थी। अब उनके उत्तराधिकारी यानी कि उनके बेटा के विचारों में इतना बदलाव हैरान करने वाला है।

हैदराबाद में तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ किसान यूनियनों द्वारा बुलाए गए राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए।

राजनाथ बोले- बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी तो कांग्रेस, लेफ्ट और टीएमसी वर्कर्स भी सुरक्षित महसूस करेंगे

नई दिल्ली । केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है तो कांग्रेस, लेफ्ट और टीएमसी वर्कर्स भी सुरक्षित महसूस करेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के पहले चरण के प्रचार के आखिरी दिन तलडांगरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने सत्तारूढ़ टीएमसी सरकार पर हमला बोला और कहा कि कोई भी तब तक विकास सुनिश्चित नहीं कर सकता, जब तक कि सेफ्टी और सुरक्षा प्रदान नहीं की जाती।

गुरुवार को रैली को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि हम मानते हैं कि जब तक आप लोगों के लिए सेफ्टी और सुरक्षा प्रदान नहीं करते, तब तक आप विकास को सुनिश्चित नहीं कर सकते। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि अगर हम यहां सरकार बनाते हैं, तो हम सभी के लिए सेफ्टी और सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। यहां तक कि भाजपा के शासन में कांग्रेस, वामपंथी दल और टीएमसी के कर्यकार्ता भी सुरक्षित महसूस करेंगे।

बता दें कि पिछले कुछ दिनों में कई भाजपा नेताओं ने राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति के लिए ममता बनर्जी सरकार की आलोचना की है। भाजपा और टीएमसी की कई बार भिड़ंत भी हो चुकी है। टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प भी देखने को मिली हैं। विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान शनिवार को होगा। पहले चरण में पुरुलिया और झाड़ग्राम जिलों के सभी विधानसभा क्षेत्रों और बांकुरा, पुरबा मेदिनीपुर और पशिम मेदिनीपुर के कुछ क्षेत्रों को कवर करने वाली 30 सीटें पर मतदान होगा। बता दें कि 27 मार्च से वोटिंग शुरू होगी जो कि आठ चरण में पूरा होगा। वोटों की गिनती 2 मई को होगी।

कोविड-19 टीके के निर्यात पर भारत ने नहीं लगाई रोक, इस बदलाव के साथ जारी रहेगी दूसरे देशों को सप्लाई

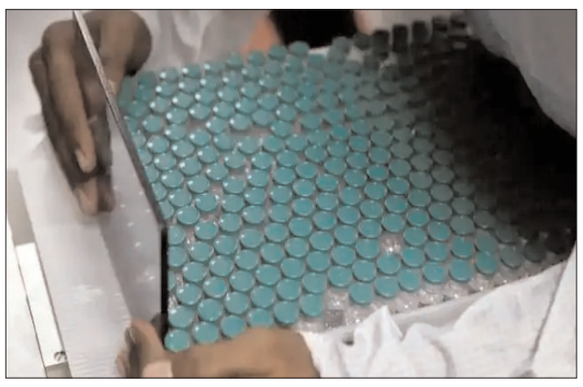

नई दिल्ली । देश में बढ़ते कोरोना मामलों की वजह से भारत ने कोविड-19 टीके के निर्यात पर रोक नहीं लगाई है बल्कि अब घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए कोरोना रोधी टीकों का निर्यात अब भारत चरणबद्ध तरीके से कर सकता है। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि अन्य देशों को टीकों की आपूर्ति में विलंब हो सकता है, क्योंकि अब घरेलू जरूरत को ध्यान में रखकर निर्यात होगा।

दूसरी लहर के दौरान भारत में कोरोना मरीज तेजी से बढ़े हैं, जिसने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। बता दें कि इससे पहले आई खबर में दावा किया गया था कि देश में टीकाकरण में तेजी लाने के लिए सरकार अब कोरोना वैक्सीन का एक्सपोर्ट नहीं करेगी। अब सूत्रों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार ने वैक्सीन के निर्यात पर कोई रोक नहीं लगाई है।

गौरतलब है कि देश में 16 जनवरी को टीकाकरण की शुरुआत के पांच दिनों के अंदर ही टीकों का निर्यात शुरू कर दिया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की कोवैक्स पहल के तहत भारत के प्रमुख टीका अपूर्तिकर्ता देश है।

घरेलू टीकाकरण कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करने और वैक्सीन निर्यात का विस्तार न करने के सरकार के फैसले को स्पष्ट करते हुए एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि आने वाले हफ्तों और महीनों में अन्य देशों को चरणबद्ध आपूर्ति की जाएगी। भारत अब तक 6.5 करोड़ वैक्सीन की आपूर्ति कर चुका है और इस मामले में यह सबसे आगे है। सूत्रों ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार ने वैक्सीन निर्यात पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है।

संयुक्त राष्ट्र ने भारतीय टीका निर्माता से नौ करोड़ खुराक की आपूर्ति मिलने में विलंब की घोषणा की है। यह मध्यम आय वाले देशों को बड़ा झटका है, इससे इन देशों में टीकाकरण प्रभावित हो सकता है। टीका उपलब्ध कराने में सक्रिय संगठन गावी ने गुरुवार को कहा कि भारत में कोरोना के मामलों में तेजी आने के कारण यह विलंब हो सकता है। इससे वहां सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया पर घरेलू मांग का दबाव बढ़ेगा।

एसआईआई कोवैक्स कार्यक्रम के तहत एक महत्वपूर्ण टीका निर्माता संस्थान है। गावी ने कहा कि इस कदम से सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा बनाए जा रहे ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका की चार करोड़ खुराक प्रभावित होगी, जो इस महीने कोवैक्स को आपूर्ति की जानी थी। साथ ही अगले महीने पांच करोड़ टीके मिलने की उम्मीद थी।

गावी ने कहा कि इसने आपूर्ति हासिल करने वाले देशों को सूचित कर दिया है। गावी ने कहा कि 64 देशों को टीके की आपूर्ति के लिए संस्थान से संपर्क किया गया है और संयुक्त राष्ट्र समर्थित कार्यक्रम ने संभावित विलंब को लेकर सभी प्रभावित देशों को सूचित कर दिया है।

ओड़िशा में कोरोना के 234 नए मामले, देश में तेजी से बढ़ रहा है संक्रमितों का ग्राफ

भुवनेश्वर । पूरे देश को कोरोना महामारी एक बार फिर डराने लगी है। देश में कोरोना का ग्राफ बढ़ रहा तो ओड़िशा में भी इसका असर साफ तौर पर देखा जा सकता है। आज भी प्रदेश में ये आंकड़ा 200 के पार यानी 234 कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक नुआपड़ा जिले में सर्वाधिक 33 कोरोना संक्रमित मरीज की आज पहचान हुई है। उसी तरह से खुर्दा जिले में 32, कटक जिले में 29, बरगड़ में 24, कालाहांडी जिले में 17, सुन्दरगड़ जिले में 15, बलांगीर जिले में 15, सम्बलपुर जिले मे 11 नए मामले सामने आए हैं। इसके अलावा अनुगुल में 3, बालेश्वर में 3, भद्रक में 8, देवगड़ में 1, ढेंकानाल में 1, गंजाम 2, जगतसिंहपुर में 6, जाजपुर में 4, झारसुगुड़ा में 4, केन्द्रापड़ा में 4, केन्दुझर में 1, मयूरभंज में 5, नयागड़ में 1, पुरी में 6, रायगड़ा में 2 नए लोग संक्रमित मिले हैं।

आईएलएस के निदेशक अजय परिड़ा ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं, मगर इससे घबराने की जरूरत नहीं है। कोरोना से बचने के लिए हमें सतर्कता एवं सावधानी बरतनी होगी। कोरोना गाइड लाइन का अनुपालन करना होगा।

गौरतलब है कि ओडिशा में वीरवार को कोरोना संक्रमण के 214 नए मामले सामने आये थे। इनमें 126 क्वारंटाइन से थे जबकि 88 स्?थानीय लोग संक्रमित पाये गए थे। खुर्दा से सर्वाधिक 33 मरीजों की पुष्टि हुई थी। सुन्दरगड़ जिले से 27, बलांगीर से 20, कटक से 20, बरगड़ से 13, बालेश्वर से 13 लोग संक्रमित पाए गए हैं। उसी तरह से ढेंकानाल से 10, कोरापुट से 10, सम्बलपुर से 10, मयूरभंज से 9, अनुगुल से 6, पुरी से 5, जाजपुर से 5, कालाहांडी से 5 तथा स्टेटपुल में 9 लोग संक्रमित पाए गए थे।

हो गया खुलासा! सचिन वाझे के साथ होटल में मिस्ट्री वुमेन ही नहीं, पांच बड़े बैग भी थे

नई दिल्ली । एंटीलिया केस में मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वाझे को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। 16 फरवरी को जब सचिन वाझे दक्षिण मुंबई के एक फाइव स्टार होटल में देखे गए थे, तो उनके साथ एक महिला थी और पांच बड़े बैग थे। मिस्ट्री वुमन की जानकारी अब तक तो सामने नहीं आई है, मगर उन बैगों को लेकर यह जानकारी सामने आई है कि उनमें कैश थे। एनआईए के सूत्रों ने यह कन्फर्म किया है कि घटना वाले दिन सचिन वाझे पैसों से भरे पांच बैग लेकर जा रहे थे।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल 16 फरवरी को सचिन वाझे को साउथ मुंबई स्थित एक फाइव स्टार होटल में घुसते हुए देखा गया था। यह अंबानी के घर के बाहर संदिग्ध कार मिलने के दस दिन पहले का मामला है। सचिन वाझे 16 से 20 फरवरी के दौरान दक्षिण मुंबई स्थित एक फाइव स्टार होटल में ठहरे थे और इस दौरान सचिन वाझे के साथ एक महिला होटल के अंदर जाती दिखी थी।

फिलहाल एनआईए को उस महिला की तलाश है और इस पूरे मामले में वह महिला अहम कड़ी साबित हो सकती है। मनसुख हिरेन की स्कॉर्पियो कार मिसिंग होने के एक दिन पहले सचिन वाझे होटल में ठहरने के लिए आया था। इस दौरान उसने फर्जी आधार कार्ड के जरिए होटल में स्टे किया था। बता दें कि वाझे अभी एनआईए की कस्टडी में हैं और एंटीलिया केस और मनसुख हिरेन मौत मामले में प्रमुख संदिग्ध हैं। फाइव स्टार होटल में एंट्री के वक्त निलंबित अधिकारी सचिन वाझे के पास मौजूद बैगों को स्कैन भी किया गया था। होटल के स्कैनिंग कियोस्क ने भी इस बात की पुष्टि की है कि सचिन वाझे होटल में कैश लेकर गए थे। एएनआई भी होटल में मिले सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। दरअसल, एनआईए के पास मौजूद सीसीटीवी फुटेज में सचिन वाझे 16 फरवरी को पांच बैगों को लेकर होटल में प्रवेश करते देखे गए हैं। स्कैनिंग किओस्क पर तैनात होटल के सुरक्षाकर्मियों से भी इस मामले में अब पूछताछ होगी।

हालांकि, पैसों से भरे वो पांच बैग कहां है, अब तक इसका पता नहीं चल पाया है। सचिन वाझे को गुरुवार को एक अदालत में पेश किया गया और 3 अप्रैल तक एनआईए की हिरासत में भेज दिया गया। हालांकि, उनसे बैग के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सचिन वाझे के लिए एक कारोबारी ने 100 दिनों के लिए रूम बुक कराया था और इसके लिए 13 लाख रुपये की रकम अदा की गई थी। यही नहीं इस होटल में ठहरने के लिए सचिन वाझे ने जो आधार कार्ड दिया था, वह भी फेक था। इस फेक आधार कार्ड में सचिन वाझे का परिचय सुशांत सदाशिव खामकर के तौर पर दिया गया था। यह बुकिंग ट्रेवल एजेंट के जरिए हुई थी।

कोरोना की दूसरी लहर पहली से ज्यादा विकराल? अप्रैल में होगी चरम पर, एक हफ्ते में बढ़े 66प्रतिशत केस

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस के नए मामले एक बार फिर से चरम पर पहुंच रहे हैं। भारत में गुरुवार को कोरोना वायरस के 59 हजार से ज्यादा नए मामले आए हैं जो कि 17 अक्टूबर या फिर 159 दिनों बाद सबसे ज्यादा है। देश में कोरोना की दूसरी लहर लगातार फैलती जा रही। बीते साल मई के बाद पहली बार इतनी तेजी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, जिससे यह संकेत मिल रहे हैं कि टीकाकरण शुरू होने के बावजूद वायरस की दूसरी लहर पहली से भी ज्यादा विकराल रूप ले सकती है।

देश के दो राज्य महाराष्ट्र और गुजरात पहली लहर के चरम के आंकड़े को भी पार कर चुके हैं। वहीं, पंजाब पिछली लहर के पीक के आंकड़ों को पार करने के करीब पहुंच चुका है।

66 प्रतिशत बढ़ गया एक हफ्ते का औसत- 25 मार्च तक के आंकड़ों को देखें तो एक हफ्ते में भारत में हर दिन औसतन 47 हजार 442 नए मामले आ रहे थे। 28 अक्टूबर के बाद पहली बार सात दिन का औसत इतना ज्यादा पहुंचा। हालांकि, कोरोना के फैलने की दर हम देखें तो आंकड़े और भी चौंकाने वाले हैं। सिर्फ सात दिन पहले ही देश में कोरोना मामलों का सात दिन का औसत 28 हजार 551 था। इसका यह मतलब है कि सिर्फ एक हफ्ते में संक्रमण के नए मामले 66 प्रतिशत बढ़ गए हैं। यह 10 मई के बाद कोरोना वायरस के हर हफ्ते बढ़ते मामलों की दर में सबसे बड़ी उछाल है।

बीते साल मई में एक दिन में आते थे सिर्फ 3500 मामले

अगर बीते साल मई से अब की स्थिति की तुलना करें तो मई में हर दिन कोरोना के 3 हजार 500 नए मामले सामने आ रहे थे लेकिन आज यह आंकड़ा बढ़कर 47 हजार पार हो गया है। इसका अर्थ है कि कोरोना की दूसरी लहर में संक्रमण कई गुणा तेजी से फैलता जा रहा है।

अप्रैल में अपने चरम पर होगी कोरोना की दूसरी लहर- आंकड़े बताते हैं कि कोरोना की दूसरी लहर अप्रैल के महीने में अपने चरम पर होगी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने गुरुवार को एक रिपोर्ट जारी की थी जिसके मुताबिक, देश में दूसरी लहर अप्रैल महीने के आखिर में अपने चरम पर होगी और यह लहर 100 दिन लंबा चलेगी, जो कि 15 फरवरी से शुरू हो चुकी है। एसबीआई ने पहली लहर के आंकड़ों पर भी अध्ययन किया और पाया कि इस दौरान महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और तमिलनाडु ने सबसे खराब प्रदर्शन दिखाया है। वहीं, कोरोना की दूसरी लहर में भी महाराष्ट्र, गुजरात और पंजाब हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहे हैं।

किसानों द्वारा भारत बंद आंदोलन के कारण रेल यातायात प्रभावित

जोधपुर । किसानों के द्वारा घोषित किए गए भारत बंद के कारण रेल यातायात प्रभावित हुआ है और इस बंद के मध्य नजर रेलवे ने आंशिक तौर पर रेल सेवाएं रद्द की है। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधानुसार रेवाडी-हिसार, चरखीदादरी- मनहेरू, भिवानी-बामला रेलखण्ड के मध्य किसान आंदोलन के कारण रेल सेवाएं प्रभावित होने के सम्बंध में सूचना जारी की है।

किसान आंदोलन के मद्देनजर घोषित बन्द के तहत- गाडी संख्या 04835 , हिसार - रेवाडी रेलसेवा दिनांक 26.03.21 को हिसार से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा भिवानी स्टेशन तक संचालित होगी अर्थात् यह रेलसेवा भिवानी- रेवाडी स्टेशन के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। गाडी संख्या 04836, रेवाडी - हिसार स्पेशल रेलसेवा दिनांक 26.03.21 को रेवाडी के स्थान पर भिवानी से प्रस्थान करेगी अर्थात् यह रेलसेवा रेवाडी- भिवानी स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। गाडी संख्या 04734, श्रीगंगानगर- रेवाडी रेलसेवा दिनांक 26.03.21 को श्रीगंगानगर से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा हिसार स्टेशन तक संचालित होगी अर्थात् यह रेलसेवा हिसार- रेवाडी स्टेशन के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 04733, रेवाडी - श्रीगंगानगर स्पेशल रेलसेवा दिनांक 26.03.21 को रेवाडी के स्थान पर हिसार से प्रस्थान करेगी अर्थात् यह रेलसेवा रेवाडी - हिसार स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।

गाडी संख्या 09791, जयपुर - हिसार रेलसेवा दिनांक 26.03.21 को जयपुर से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा रेवाडी स्टेशन तक संचालित होगी अर्थात् यह रेलसेवा रेवाडी- हिसार स्टेशन के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। गाडी संख्या 09792, हिसार-जयपुर स्पेशल रेलसेवा दिनांक 26.03.21 को हिसार के स्थान पर रेवाडी से प्रस्थान करेगी अर्थात् यह रेलसेवा हिसार- रेवाडी स्टेशनों के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। गाडी संख्या 04732, भटिण्डा-दिल्ली रेलसेवा दिनांक 26.03.21 को भटिण्डा से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा हिसार स्टेशन तक संचालित होगी अर्थात् यह रेलसेवा हिसार- दिल्ली स्टेशन के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।

जयपुर - दिल्ली सराय रोहिल्ला - जयपुर प्रतिदिन त्यौहार स्पेशल रेलसेवा का संचालन

रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु जयपुर - दिल्ली सराय रोहिल्ला - जयपुर प्रतिदिन त्यौहार स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। ये रेलसेवा पूर्णतया आरक्षित रहेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी गौरव गौड़ के अनुसार गाडी संख्या 09731, जयपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला प्रतिदिन त्यौहार स्पेशल रेलसेवा दिनांक 01.04.21 से 30.06.21 (91 ट्रिप) तक जयपुर से प्रतिदिन 08.25 बजे रवाना होकर 13.45 बजे दिल्ली सराय रोहिल्ला पहुंचेगी । इसी प्रकार गाडी संख्या 09732, दिल्ली सराय रोहिल्ला - जयपुर प्रतिदिन त्यौहार स्पेशल रेलसेवा दिनांक 01.04.21 से 30.06.21 (91 ट्रिप) तक दिल्ली सराय रोहिल्ला से प्रतिदिन 14.45 बजे रवाना होकर 19.50 बजे जयपुर पहुंचेगी।

संजय राउत ने फिर अलापा शरद पवार को यूपीए अध्यक्ष बनाने का राग

मुंबई । शिवसेना नेता संजय राउत फिर राकांपा अध्यक्ष शरद पवार को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) का अध्यक्ष बनाने का राग अलापते नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि संप्रग को लकवा जैसा मार गया है। इसलिए शरद पवार को राष्ट्रीय स्तर पर इसका नेतृत्व संभालना चाहिए। राउत पहले भी इस तरह का बयान दे चुके हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या अन्य दल इस मांग का समर्थन करेंगे ? राउत ने कहा कि इस समय शायद ही कोई क्षेत्रीय दल हो, जो इसका विरोध करेगा।

क्योंकि इस समय हम सभी भाजपा के विरोध में खड़े हैं। लेकिन राउत की यह मांग कांग्रेस नेताओं को रास नहीं आ रही। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता सचिन सावंत ने इसका जवाब देते हुए कहा है कि शिवसेना तो अभी संप्रग की सदस्य भी नहीं है। यदि वह इसका सदस्य होती, तो हम समझ सकते थे। उन्हें ऐसे बयान देने से बचना चाहिए।

महाराष्ट्र के ही वरिष्ठ कांग्रेस नेता हुसैन दलवई भी शिवसेना के संप्रग का हिस्सा न होने की ओर इशारा करते हुए कहते हैं कि पिछले विधानसभा चुनाव में शिवसेना के पास ज्यादा सीटें थीं, इसलिए उसका मुख्यमंत्री बन गया। लेकिन शिवसेना अभी भी संप्रग का हिस्सा नहीं है। इसलिए संजय राउत की बातों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। दलवई के अनुसार, राउत को यह नहीं भूलना चाहिए कि कांग्रेस के समर्थन से ही महाविकास अघाड़ी की सरकार बन सकी है। इसलिए उन्हें ऐसी कोई बात नहीं कहनी चाहिए, जिससे विवाद खड़ा हो।

संजय राउत पिछले विधानसभा चुनाव के बाद से ही राकांपा अध्यक्ष शरद पवार को अत्यधिक महत्व देते आ रहे हैं। वह मानते हैं कि महाराष्ट्र में शिवसेना का मुख्यमंत्री शरद पवार के कारण ही बन सका है। चुनाव के बाद जब शिवसेना भाजपा से सिर्फ ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद मांग रही थी, शरद पवार न सिर्फ स्वयं शिवसेना को पूरे पांच वर्ष के लिए मुख्यमंत्री पद देने पर राजी हुए, बल्कि कांग्रेस को भी इसके लिए राजी कर लिया था।

पवार का मानना था कि ऐसा करके ही तीन दलों की स्थायी सरकार बनाई जा सकती है। इसे शरद पवार का मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा था। आज भी, जब पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह की एक चिट्ठी के बाद महाविकास अघाड़ी सरकार पर तमाम तरह के आरोप लग रहे हैं, तो शरद पवार की ही पहल पर ही न सिर्फ राकांपा, बल्कि महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता भी एक सुर में बोलते दिखाई दे रहे हैं।

क्या नीतू चंद्रा अपनी अगली फिल्म के लिए हॉलीवुड निर्देशकों के साथ कर रही हैं बातचीत?

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नीतू चंद्रा ने हाल ही में सोनी मोशन पिक्चर्स की 'नेवर बैक डाउन : रिवॉल्ट' में मुख्य भूमिका के साथ सभी का ध्यान आकर्षित कर लिया है।अभिनेत्री ने हाल ही में लॉस एंजिल्स में भारतीय शीर्ष डिजाइनर-रोहिणी बेदी के शोरूम का उद्घाटन किया था, लेकिन अब नीतू की किट्टी में आगे क्या है? क्या वह एक फिल्म का निर्माण करेंगी? या फिर एक और हॉलीवुड फिल्म? अभिनेत्री के बेहद करीब एक सूत्र के अनुसार, नीतू लॉस एंजिल्स में कई निर्देशकों और प्रोडक्शन हाउस के साथ बातचीत कर रही हैं। उनके लिए वास्तव में कुछ बहुत बड़ी योजना बनाई जा रही है। जाहिर है, पहले की फिल्मों में उनके शानदार अभिनय ने उन्हें विभिन्न परियोजनाओं में एक पसंदीदा विकल्प बना दिया है। यही वजह है कि नीतू स्क्रिप्ट पढ़ने और साथ ही कुछ नरेशन का हिस्सा बन कर, खुद को व्यस्त रख रही है।' 'प्रतिभाशाली अभिनेता नीतू ने ओए लकी ओए, ट्रैफिक सिग्नल, गरम मसाला, रण जैसी कुछ फिल्मों में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ दर्शकों के दिलों में जगह बना ली है। बिहार की पहली अभिनेत्री जिसने हॉलीवुड फिल्म 'नेवर बैक डाउन' में प्रमुख किरदार निभाया है, नीतू अब 'नेवर बैक डाउन : रिवोल्ट' में एक क्रूर सेनानी की भूमिका निभाते हुए नजर आएंगी।

फिल्म निर्माता केवल मुझे मूंछों के साथ क्यों देखना चाहते हैं?

अभिनेता अभय देओल ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नए प्रोजेक्ट के बारे में एक अपडेट पोस्ट किया और साथ ही यह भी कहा कि कई प्रोजेक्ट्स में उन्हें मूंछों के साथ किरदार क्यों निभाना पड़ता है। अभिनेता ने एक धुंधली सेल्फी साझा की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, ''पोर्न्सटाक वापस आ गया है! फिल्म निर्माता आजकल मुझे केवल मूंछों के साथ क्यों देखना चाहते हैं? एक नया प्रोजेक्ट। मेरे पूरे करियर में सबसे अच्छी स्क्रिप्ट्स में से एक! मेकर्स डिटेल्स शेयर करेंगे।'' अभय को हाल ही में महेश मांजरेकर द्वारा निर्देशित श्रृंखला '1962 : द वार इन द हिल्स' में देखा गया था।

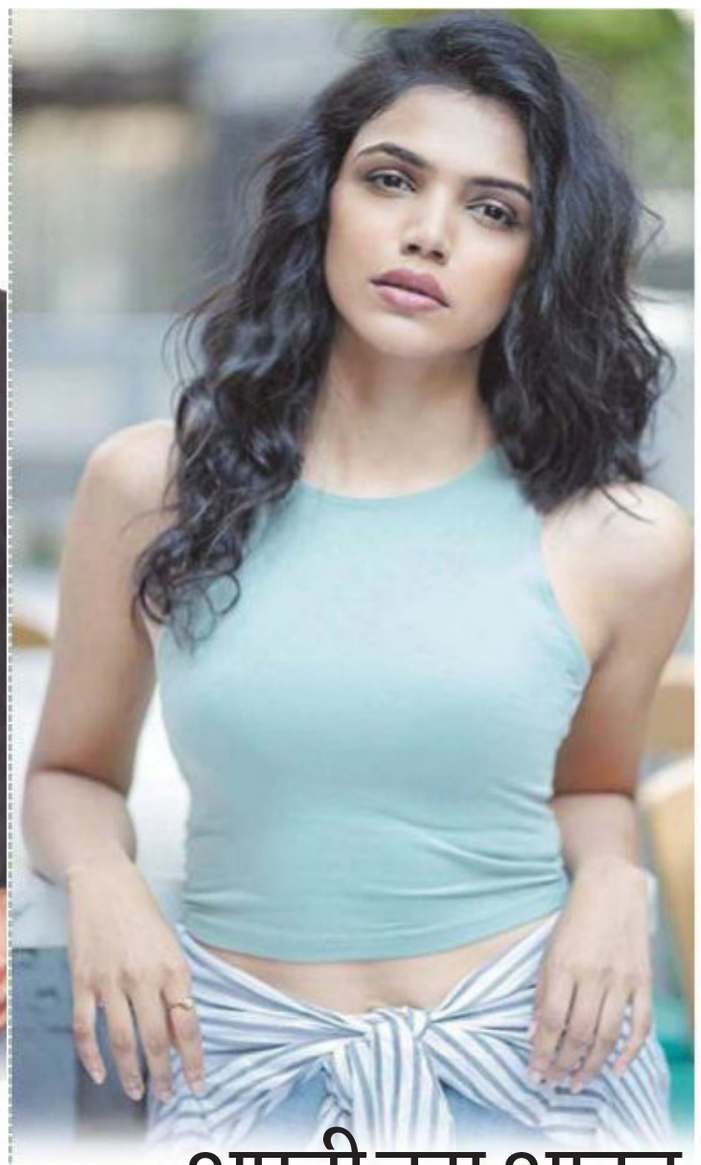

अपनी इस आदत को बुरी मानती हैं श्रिया पिलगांवकर

अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर का नाम उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जो किसी भी किरदार में जान डाल देती हैं। चाहें बात फिर बॉलीवुड की हो या फिर ओटोटी की, श्रिया पिलगांवकर ने अपने लिए अपना एक अलग मुकाम बना लिया है। जल्दी ही श्रिया पिलगांवकर फिल्म हाथी मेरे साथी में नजर आएंगी। ऐसे में श्रिया पिलगांवकर ने की हिन्दुस्तान के साथ खास बातचीत और शेयर की अपने मन की बात।

बॉलीवुड और ओटीटी में से कौनसा मोड बेहतर मानती हैं और क्यों?

इस सवाल के जवाब में श्रिया हंसते हुए कहती हैं, 'इस सवाल को तो बैन कर देना चाहिए।' इसके बाद श्रिया कहती हैं, 'ये ऐसा टाइम है, जहां आप दोनों कर सकते हैं। ओटीटी में सबसे अच्छी बात ये है कि वहां हीरो- हीरोइन का फंडा नहीं है, वहां हर किरदार को स्कोप मिलता है। ओटीटी में किरदार का ग्राफ बेहतर होता है और आपको काफी कुछ करने का मौका मिलता है। लेकिन फिल्म का सीन अलग है, क्योंकि फिल्म की स्टोरी में हर किरदार को तो उतना वक्त नहीं दे सकते। लेकिन फिल्म का मजा अलग है क्योंकि बड़ी स्क्रीन पर कुछ देखना, उस सिनेमैटिक एक्सपीरियंस का मजा ही अलग है।'

खुद में एक सबसे बेहतर बात और एक बुरी बात क्या देखती हैं?

इस सवाल को सुनकर श्रिया थोड़ा सा सोच में पड़ जाती हैं और फिर कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मेरे में सबसी अच्छी बात है कि मैं किस तरह से चीजों को देखती हूं। मेरा जिंदगी जीने का दृष्टिकोण अच्छा है और उससे मुझे बहुत ताकत मिलती है। जिंदगी में उतार- चढ़ाव आते हैं लेकिन बतौर इंसान मुझे खुद को बहुत स्ट्रॉन्ग रखना है। कई बार कई बातें नहीं बनती हैं, तो भी मैं उसके आगे ही देखती हूं, मैं कभी भी उसके पीछे नहीं देखती हूं। इसके अलावा मुझे लगता कि ज्यादा सोचना मेरी एक बुरी आदत है, मैं कई बार स्ट्रेस भी ले लेती हूं किसी भी बात के बारे में बहुत सोचते हुए।'

आगे अब और क्या करने का इरादा है? क्या कुछ नया आ रहा है फैन्स के लिए?

इस सवाल पर श्रिया कहती हैं, 'जो अभी तक किया है, उसको ही बार बार और कई बार करना है। हालांकि अभी तक मेरे अगले प्रोजेक्ट्स का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है लेकिन मैं मेरी एक फिल्म और दो वेब सीरीज के लिए बहुत एक्साइटिड हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि आगे भी दर्शकों को मेरा काम पसंद आता रहेगा और मैं हमेशा कुछ न कुछ नया करने की कोशिश करती रहूंगी।'

इस खास दिन रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3' की हो सकती है घोषणा

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने अपनी एक्टिंग से फैंस के बीच अपनी एक अलग पहचान बनाई हैं। मर्दानी और मर्दानी 2 में एक बहादुर और निडर पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉट बन कर रानी ने हर किसी को अपना दीवाना किया है। अब इस फिल्म के एक और पार्ट को लेकर खबर सामने आई है। खबरों के अनुसार रानी मुखर्जी के आगामी जन्मदिन के मौके पर यशराज फिल्म्स उनके साथ 'मर्दानी 3' की घोषणा कर सकती है। ऐसे में एक्ट्रेस के फैंस को एक खास तोहफा मिलने वाला है। 21 मार्च को रानी अपना 42वां जन्मदिन मनाएंगी। खबरों की माने तों इस फिल्म का निर्देशक गोपी पुत्रन निर्देशित करेंगे। अगर ऐसा हुआ तो रानी बहुत जल्द अपने पुराने अवतार में नजर आ सकती हैं। 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी की फिल्मों ने रानी के करियर को नया आयाम दिया है। 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'मर्दानी' बाल तस्करी और ड्रग्स के इर्दगिर्द घूमती है। इस फिल्म का निर्देशन प्रदीप सरकार द्वारा किया गया था। इस फिल्म में जीशु सेनगुप्ता, ताहिर राज भसीन और सानंद वर्मा भी नजर आए थे। वहीं, 'मर्दानी 2' 2019 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन गोपी द्वारा किया गया था। 'मर्दानी' सीरीज की फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। रानी इन दिनों 'बंटी और बबली 2' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जो साल 2005 में आई 'बंटी और बबली' की रीमेक होगी।

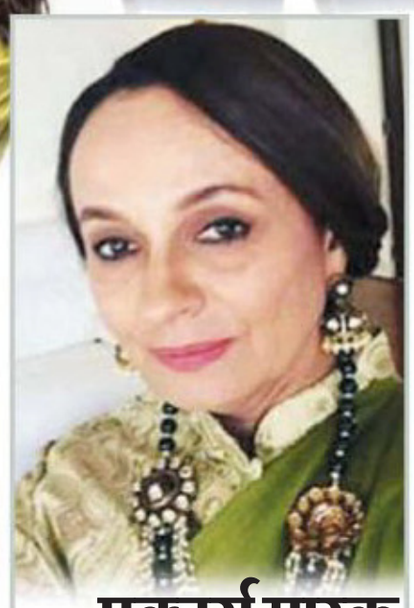

एक्टर्स मास्क नहीं पहन सकते इसलिए उन्हें...

देश में कोरोनावायरस का प्रकोप एक बार फिर बढ़ गया है। कई बॉलीवुड और टीवी सेलेब्स भी इस महामारी की चपेट में आ रहे हैं। वहीं कोरोनावायरस से लड़ने के लिए सरकार ने वैक्सीनेशन को और तेज कर दिया है। इसी बीच आलिया भट्ट की मां और एक्ट्रेस सोनी राजदान ने कोरोना वैक्सीन को लेकर अपनी बात कही है। दरअसल, सोनी राजदान ने बिजनेसमैन सुहैल सेठ की उस पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए अपनी बात कही, जिसमें सेठ ने लिखा कि भगवान की खातिर सभी का वैक्सीनेशन करवाइए। जिसको भी वैक्सिनेशन करवाना हो, उसे यह टीका लगाया जाए। सुहैल सेठ की पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए सोनी राजदान ने लिखा- सरकार को शीघ्र प्रभाव से कलाकारों को वैक्सीन लगवानी चाहिए, क्योंकि कलाकार मास्क नहीं पहन सकते। सोनी राजदान ने कहा- ये काम नहीं एक पेशा है। लोगों को सही काम करने की जरूरत है। दूसरे लोग अपनी सुरक्षा कर सकते हैं, लेकिन केवल कलाकार हैं जो अपनी सुरक्षा नहीं कर सकते। सोनी राजदान ने एक और ट्वीट में लिखा- हर एक्टर बड़ा सुपरस्टार नहीं होता है, इसलिए जो लोग शिकायत कर रहे हैं, उन्हें अपना मुंह बंद रखना चाहिए। ऐसे लोगों को कंटेंट देखना बंद कर देना चाहिए। ये एक्टर्स की जिंदगी को खतरे में डालकर बनता है और वो हमेशा जोखिम में रहते हैं।

कैरी मिनाटी से है अभिषेक की द बिग बुल स्पेशल कनेक्शन

अभिषेक बच्चन की मोस्ट अवेटिड फिल्म द बिग बुल का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 3 मिनट आठ सेकेंड का ये ट्रेलर सोशल मीडिया पर वायरल होना शुरू हो रहा है। फैन्स अभिषेक बच्चन के लुक और अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इलियाना डिक्रूज भी जर्नलिस्ट के अवतार में खूब जच रही हैं। 'द बिग बुल' के ट्रेलर में एक बार फिर जहां अभिषेक बच्चन का स्वैग फैन्स को पसंद आ रहा है तो वहीं दूसरी ओर कई दमदार डायलॉग्स भी ट्रेलर में सुनने को मिल रही है।

इसके साथ ही अभिषेक और इलियाना की कैमिस्ट्री भी फैन्स को भा रही है। बता दें कि 'द बिग बुल' का ट्रेलर यूट्यूबर कैरी मिनाटी के फैन्स के लिए भी काफी खास है। इस ट्रेलर के बैकग्राउंड में कैरी मिनाटी के गाने 'यलगार' को भी सुना जा सकता है। याद दिला दें कि कुछ वक्त पहले ही कैरी का गाना यलगार रिलीज हुआ था, जिसे फैन्स ने काफी पसंद किया था और गाना यूट्यूब पर ट्रेंड भी हुआ था।

याद दिला दें कि इससे पहले 16 अप्रैल को इस फिल्म का धमाकेदार टीजर रिलीज किया गया था। फिल्म में 1987 की मुंबई में हुए सबसे बड़े घोटाले की कहानी बताई जा रही है। गौरतलब है कि फिल्म 8 अप्रैल को रिलीज होगी। एक ओर जहां फिल्में थिएटर में रिलीज होना शुरू हो गई हैं तो वहीं दूसरी ओर द बिग बुल ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है। इस फिल्म को 8 अप्रैल को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज किया जाएगा।

मिर्जापुर 3 का इंतजार कर रही हैं श्वेता त्रिपाठी

वेब सीरीज मिर्जापुर की तगड़ी फैन फॉलोइंग बन चुकी है। अब तक इस वेब सीरीज के दो सीजन रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें फैन्स ने ढेर सारा प्यार दिया है। ऐसे में अब मिर्जापुर के हर फैन को तीसरे सीजन का इंतजार है। इस बीच मिर्जापुर में गोलू का किरदार निभाने वालीं श्वेता त्रिपाठी ने मिर्जापुर फैन्स की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। दरअसल हाल ही में श्वेता त्रिपाठी ने मिर्जापुर के कुछ पोस्टर्स शेयर किए। तीन पोस्टर्स में श्वेता त्रिपाठी के साथ वेब सीरीज के अन्य किरदार भी नजर आ रहे हैं। इन फोटोज को शेयर करते हुए श्वेता त्रिपाठी ने खुद भी मिर्जापुर सीजन 3 के लिए उत्सुकता जाहिर की है। वहीं फैन्स भी इन पोस्टर्स को देख एक्साइटिड हो गए हैं। श्वेता ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैं गोलू को बहुत मिस करती हूं। आगे क्या होगा? इस बारे में जानने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। फिर से गोलू बनने का इंतजार नहीं कर सकती। ये शो और इस शो से जुड़ी हर चीज से प्यार है। धन्यवाद मिर्जापुर।' पोस्टर में मुन्ना भैया भी नजर आ रहे हैं, ऐसे में फैन्स और भी ज्यादा एक्साइटिड हो गए हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट करते हुए श्वेता से पूछा है कि क्या मुन्ना भैया जिंदा हो जाएंगे और फिर से धमाका करेंगे। वहीं कई सोशल मीडिया यूजर्स जानने चाह रहे हैं कि मिर्जापुर 3 कब रिलीज होगा। गौरतलब है कि मिर्जापुर सीजन 2 के आखिर में गुड्डू भइया (अली फजल) और गोलू गुप्ता मुन्ना, भैया को गोली मार देते हैं। इसके अलावा शरद (अंजुम शर्मा), कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) को लेकर फरार हो जाते हैं। वैसे भी मुन्ना भैया हर बार कहते हैं कि वो अमर हैं, ऐसे में फैन्स को और भी ज्यादा उम्मीद है कि मुन्ना भैया की शो में वापसी हो सकती है।

महेश भट्ट नहीं चाहते आलिया भट्ट शादी करें

हर पिता अपने बेटी के लिए पजेसिव होता है। ऐसे आलिया भट्ट के पिता महेश भट्ट के साथ भी है। 'आशिकी' डायरेक्टर अपनी बेटी को लेकर कुछ ज्यादा ही पजेसिव हैं। खासकर तब, जब बात आती है स्क्रीन पर किस और रियल लाइफ में डेटिंग की। एक पुराने इंटरव्यू में आलिया भट्ट ने इसे लेकर खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि महेश भट्ट नहीं चाहते कि वह शादी करें। इसके अलावा एक बार महेश भट्ट ने धमकी देते हुए कहा था कि वह शाहीन और आलिया को बाथरूम में बंद कर देंगे और अपनी नजरों से दूर होने नहीं देंगे। आलिया भट्ट ने कहा, मेरे पिता ने हमसे कहा कि तुम लोग कहीं नहीं जा सकते, मैं तुम सभी को कमरे में लॉक कर दूंगा। वह सच हैं और बोल देते हैं कि हम दोनों को वह शादी करते नहीं देखना चाहते। वह ऐसे ही नहीं कह रहे हैं, वह सच में ऐसा कर भी देंगे। वह काफी पजेसिव हैं और हमें शादी करने से मना करते हैं। आलिया ने जब केवल दो ही फिल्मों में काम किया था, तब उनका अर्जुन कपूर संग किसिंग सीन को लेकर एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा था कि वह केवल एक्टिंग कर रही हैं। पापा ने कहा कि अगर रियल लाइफ में तुमने मेरे सामने किसी को किस किया तो मैं तुम्हें थप्पड़ मार दूंगा।

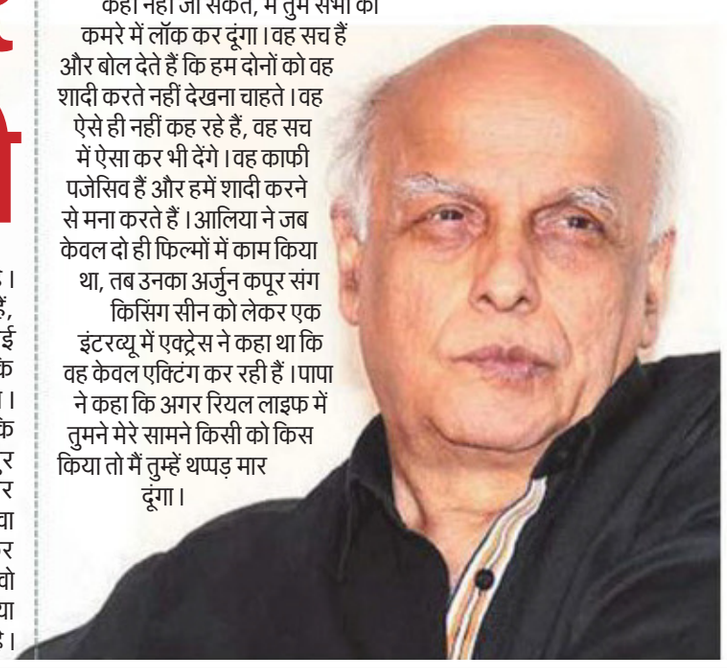

एएफसी महिला एशिया कप का आयोजन भारत के तीन शहरों में होगा

एएफसी महिला फुटबॉल एशिया कप 2022

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारत में होने वाले एएफसी महिला फुटबॉल एशिया कप 2022 का आयोजन देश के तीन शहरों में किया जाएगा। एशिया फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) और स्थानीय आयोजन समिति (एलओसी) ने बताया कि इस टूर्नामेंट के मुकाबले नवी मुंबई, अहमदाबाद और भुवनेश्वर में होंगे। महिला एशिया कप का आयोजन भारत में 20 जनवरी से छह फरवरी 2022 तक होना है। महिला एशिया कप के मुकाबले नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम, अहमदाबाद के ट्रांस्टेडिया और भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में होंगे। एएफसी के महासचिव दातो विंदसोर जॉन ने कहा, एशिया में महिला फुटबॉल विश्व स्तरीय है और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और एलओसी ने इस टूर्नामेंट के आयोजन के लिए बेहतरीन आयोजन स्थल को चुना है। उन्होंने कहा, एएफसी, एआईएफएफ, एलओसी और तीन मेजबान शहरों का आभारी है, जिन्होंने इस टूर्नामेंट के सफल आयोजन की प्रतिबद्धता जाहिर की है। हमें विश्वास है कि इस टूर्नामेंट से भारत में महिला फुटबॉल काफी विकसित होगा। एआईएफएफ के अध्यक्ष और फीफा काउंसिल के सदस्य प्रफुल पटेल ने कहा, हम भारत में एएफसी महिला एशिया कप के आयोजन के लिए उत्साहित हैं। अहमदाबाद, भुवनेश्वर और नवी मुंबई ने फुटबॉल इंफ्रास्ट्रकचर को अपग्रेड करने के लिए काफी काम किया है। एएफसी महिला एशिया कप के क्वालीफायर्स 13 से 25 सितंबर 2021 तक होंगे। डीवाई पाटिल स्टेडियम और ट्रांस्टेडिया 2017 में फीफा अंडर-17 विश्व कप के मैचों की मेजबानी कर चुका है, जबकि कलिंगा स्टेडियम में आई लीग, आईएसएल और सुपर कप के मुकाबलों की मेजबानी की है।

बेयरस्टो का शतक, स्टोक्स के 99 और इंग्लैंड ने की बराबरी

इंग्लैंड ने भारत को दूसरे वनडे में दी 6 विकेट से मात

भारत ने 50 ओवर में बनाए 6 विकेट पर 336 रन

इंग्लैंड ने 43.3 ओवरो में 4 विकेट पर बनाए 337 रन

पुणे, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। फॉर्म में चल रहे जानी बेयरस्टो (124) के शानदार शतक और उनकी बेन स्टोक्स (99) के साथ दूसरे विकेट के लिए मात्र 114 गेंदों पर 175 रन की जबरदस्त साझेदारी के दम पर इंग्लैंड ने भारत को शुक्रवार को दूसरे वनडे मुकाबले में एकतरफा अंदाज में छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली।

भारत ने लोकेश राहुल (108) के शानदार शतक और कप्तान विराट कोहली (66) तथा ऋषभ पंत (77) के आतिशी अर्धशतक की बदौलत 50 ओवर में छह विकेट पर 336 रन का विशाल स्कोर बनाया लेकिन बेयरस्टो और और स्टोक्स की आतिशी बल्लेबाजी ने भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और इंग्लैंड ने 43.3 ओवर में ही चार विकेट पर 337 रन बनाकर मुक़ाबला ख़त्म कर दिया।

बेयरस्टो और जैसन रॉय ने ओपनिंग साझेदारी में 16.3 ओवर में 110 रन जोड़कर इंग्लैंड को शानदार शुरुआत दी। रॉय 52 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के के सहारे 55 रन बनाकर रन आउट हुए। लेकिन इसके बाद बेयरस्टो और स्टोक्स की साझेदारी ने भारतीय गेंदबाजी पर ऐसा कहर बरपाया कि भारतीय गेंदबाजों को सांप सूंघ गया। दोनों बल्लेबाजों ने मनमाने अंदाज में छक्के उड़ाए और मैच को एकतरफा बना दिया।

इस मुकाबले को हमेशा बेयरस्टो और स्टोक्स की कातिलाना बल्लेबाजी के लिए हमेशा याद रखा जाएगा। बेयरस्टो ने 112 गेंदों पर 124 रन में 11 चौके और सात छक्के लगाए जबकि स्टोक्स ने मात्र 52 गेंदों पर 99 रन में चार चौके और 10 छक्के उड़ाए। भारत ने हालांकि इस साझेदारी को तोड़ने के साथ ही दो रन के अंतराल में इंग्लैंड के तीन विकेट निकाल दिए लेकिन इसके बाद डेविड मलान और लियाम लिविंगस्टोन ने पांचवें विकेट की अविजित साझेदारी में अविजित 50 रन जोड़कर मैच को 44 वें ओवर में ही निपटा दिया। मलान ने 23 गेंदों में एक छक्के के सहारे नाबाद 16 और लिविंगस्टोन ने 21 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों के सहारे नाबाद 27 रन बनाकर भारत को शर्मनाक हार झेलने के लिए मजबूर कर दिया।

इससे पहले 28 वर्षीय राहुल ने अपने करियर का पांचवां शतक बनाया। राहुल ने 114 गेंदों पर 108 रन में सात चौके और दो छक्के लगाए। कप्तान विराट ने 79 गेंदों पर 66 रन में तीन चौके और एक छक्का लगाया जबकि पंत ने आतिशी अंदाज में खेलते हुए मात्र 40 गेंदों पर 77 रन में तीन चौके और सात छक्के उड़ाये। पंत के आउट होने के बाद आलराउंडर हार्दिक पांड्या ने मात्र 16 गेंदों पर 35 रन में एक चौका और चार छक्के जड़े।

हार्दिक के बड़े भाई और पिछले मैच में आतिशी अर्धशतक बनाने वाले क्रुणाल पांड्या ने इस मैच में नौ गेंदों पर नाबाद 12 रन बनाये जबकि सलामी बल्लेबाज और उपकप्तान रोहित शर्मा ने इस मैच में 25 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 25 रन बनाये। पिछले मैच में मात्र दो रन से अपने शतक से चूकने वाले ओपनर शिखर धवन इस बार 17 गेंदों में मात्र चार रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

भारत ने लगातार दूसरे मैच में 300 रनों का आंकड़ा पार किया और दूसरे मैच में आखिरी 10 ओवरों में बने 123 रनों की बदौलत पिछले मैच के 317 रनों को काफी पीछे छोड़ दिया। लेकिन अंत में भारत का 336 का स्कोर इतना काफी नहीं था कि वह इंग्लैंड के बढ़ते कदमों पर रोक लगा पाता।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड का यह फैसला उस समय तक सहीं नजर आ रहा था जब तक शिखर चौथे ओवर की पांचवीं गेंद पर रीस टोप्ले का शिकार बन गए जबकि आक्रामक अंदाज में खेल रहे रोहित नौंवें ओवर में सैम करेन की चौथी गेंद पर आदिल राशिद को कैच थामकर पवेलिएयन लौट गए। दो विकेट गिर जाने के बाद कप्तान विराट मैदान में उतरे और उन्होंने राहुल के साथ तीसरे विकेट के लिए 121 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

वनडे क्रिकेट सीरीज

न्यूजीलैंड ने बंगलादेश को किया 3-0 से क्लीन स्वीप

वेलिंगटन, 26 मार्च (एजेंसियां)। शीर्ष क्रम और मध्यक्रम के बल्लेबाजों डेवोन कॉन्वे (126) और डेरिल मिशेल (100) के शतकों की बदौलत न्यूजीलैंड ने बंगलादेश को यहां तीसरे और आखिरी वनडे मुकाबले में 164 रन से हरा कर 3-0 से क्लीन स्वीप कर श्रृंखला जीत ली।

टॉस जीतने के बाद पहली बल्लेबाजी करने उतरे न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में छह विकेट पर 317 रन का मजबूत स्कोर बनाया, जिसमें कॉन्वे और मिशेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जबकि बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए बंगलादेश की टीम 42.4 ओवर में 154 रन पर ही ढेर हो गई। कॉन्वे ने जहां 17 चौकों की मदद से 110 गेंदों पर 126, वहीं डेरिल मिशेल ने नौ चौकों और दो छक्कों के सहारे 92 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए।

शुरुआती तीन विकेट 57 रन के स्कोर पर गिरने के बाद न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम ने कॉन्वे के साथ चौथे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी की, लेकिन 120 के स्कोर पर लाथम के रूप में न्यूजीलैंड का चौथा विकेट गिर गया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये डेरिल मिशेल ने कॉन्वे के साथ पांचवें विकेट के लिए महत्वपूर्ण 159 रन जोड़े, जो मैच के अंत में टीम के लिए निर्णायक साबित हुए और उसकी जीत का कारण बने। कॉन्वे को प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज दोनों पुरस्कार मिले।

बल्लेबाजों के साथ-साथ न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने भी मैच में अपना दबदबा बनाया और बंगलादेश को लगातार शुरुआती झटके दिए। 10 के स्कोर पर कप्तान तमीम इकबाल के रूप में बंगलादेश का पहला विकेट गिरा। तमीम तेज गेंदबाज मैट हेनरी का शिकार होकर नौ गेंदों पर मात्र एक रन बना कर पवेलियन लौटे। इसके बाद बंगलादेश के विकेटों की झड़ी लग गई और टीम 42.4 ओवर में 154 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड की तरफ से जेम्स नीशम ने 27 रन पर पांच, मैट हेनरी ने 27 रन पर चार और काइल जैमीसन ने 37 रन देकर एक विकेट लिया। बंगलादेश की तरफ से महमूदुल्लाह ने सर्वाधिक 76 रन बनाए।

एमएमएससी इंड्योरेंस रेस में इस साल 48 टीमें हिस्सा लेंगी

चेन्नई, 26 मार्च (एजेंसियां)। एमएमएससी मोटरसाइकिल एंड्योरेंस रेस के लिए कम से कम 48 टीमों ने प्रविष्टियां की हैं, जो रविवार को मद्रास मोटर रेस ट्रैक (एमएमआरटी) पर दो घंटे से अधिक समय तक चलेगी। इस रेस में ले मैंस-शैली की शुरूआत होगी। इस फारमेट के लिए यह एक अनूठी विशेषता होगी। रेस तीन श्रेणियों में आयोजित होगी। ये श्रेणियां प्रो-स्टॉक 301-400सीसी, स्टॉक 165सीसी (अंडर -25 चालकों तक सीमित), और लड़कियां (टीवीएस अपाचे आरटीआर 200)। प्रत्येक टीम में दो चालक होंगे। प्रारूप के अनुसार, दो चालकों वाली प्रत्येक टीम दो घंटे की रेसके दौरान एक बार ईंधन के लिए रुकेगी। इसके अलावा, प्रत्येक राइडर को सत्रों के बीच अनिवार्य रूप से 20 मिनट के आराम के साथ अधिकतम 45 मिनट प्रति आउटिंग की अनुमति होगी। रेस की अंतिम वरीयता सूची निर्धारित अवधि में अधिक से अधिक लैप पूरा करने के अधार पर तय किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

शशि शर्मा क्रिकेट में मिश्रा स्पोर्ट्स की पहली जीत

नई दिल्ली। दिल्ली अंडर -19 खिलाडी मयंक मल्होत्रा के आलराउंड खेल (62 व 3/20) और तेजस दहिया (60) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत मिश्रा स्पोर्ट्स (287/10)ने ज्ञांती अकादमी(100/10) को 187 रनो के भारी अंतर से पराजित कर पहले शशि शर्मा मेमोरियल अंडर -19 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपना जीत का अभियान शुरू किया। मयंक मल्होत्रा को स्पोर्ट्स सन मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार टूर्नामेंट के सचिव प्रशांत और पराग शर्मा ने प्रदान किया। ज्ञांती अकादमी की लिए अखिलेश सेमवाल ने चार विकेट लिए।

सायना ऑर्लियंस मास्टर्स के महिला एकल सेमीफाइनल में

ऑर्लियंस। भारत की अग्रणी महिला खिलाड़ी सायना नेहवाल यहां जारी ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गईं। टूर्नामेंट की चौथी वरीय खिलाड़ी सायना ने शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अमेरिका की इरिस वांग को 21-19, 17-21, 21-19 से हराा। यह मुकाबला एक घंटे चला। शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में सायना का सामना डेनमार्क की लिन क्रिस्टोफर्सन से होगा। इन दोनों के बीच यह अब तक की पहली भिड़ंत होगी।

राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप कोरोना के कारण स्थगित

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने शुक्रवार को बताया कि कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए उसने अगले महीने होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप को स्थगित कर दिया है। एनआरएआई ने बयान जारी कर बताया कि अगले महीने होने वाले 64वें राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन इवेंट होने थे, उसे स्थगित किया गया है। बयान में कहा गया, पूरे भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए एनआरएआई के अध्यक्ष ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप को स्थगित करने का फैसला किया है। राइफल स्पर्धा भोपाल में जबकि पिस्टल और शॉटगन स्पर्धा यहां कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में होनी थी। राष्ट्रीय चैंपियनशिप अब इस साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक के बाद होगी। एनआरएआई ने कहा, इस बारे में फैसला टोक्यो ओलंपिक के बाद कोरोना की स्थिति को देखते हुए लिया जाएगा। एनआरएआई ने जनवरी में राज्य यूनिटों को सर्कुलर जारी करते हुए प्रतियोगिता को फरवरी से पहले कराने के लिए कहा था। इससे पहले, इस महीने भारतीय भारोत्तोलन महासंघ ने कोरोना के मामले बढ़ने के कारण तमिलनाडु में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता को स्थगित कर दिया था।

दिल्ली सब जूनियर वुशु टीम ने जीते 1 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य सहित 8 पदक

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली सब जूनियर वुशु टीम ने 21 से 25 मार्च 2021 तक रांची, झारखंड मे आयोजित हुई 20वीं सब जूनियर राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता मे हिस्सा लिया और अच्छा प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण, 3 रजत और 4 कांस्य पदक सहित कुल 8 पदक जीते । पिछले वर्ष सब जूनियर दिल्ली टीम ने कोलकाता मे आयोजित हुई 19वी सब जूनियर राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता 1 स्वर्ण, 2 रजत ओर 4 कांस्य सहित कुल 7 पदक जीते थे।

दिल्ली की तरफ से आयशा ने 28 किलोवर्ग भार मे स्वर्ण पदक जीता। खुशी ने (41 किलो वर्गभार) अर्श सलमान ने (56 किलो वर्गभार) और निखिल ठाकुरी ने (चांगकूवान) मे रजत पदक जीते वही दीपक भगेल (42 किलो वर्गभार), अनन्या (नानकुवान) और अरुणा (चांगकूवान ओर दाओशु) ने चार कांस्य पदक जीते । दिल्ली टीम के कोच जागीर और मोमिन थे ओर मैनेजर जय भगवान डागर ओर कुंजू लामा थे। इस वर्ष कोविड-19 के चलते 19वी दिल्ली स्टेट वुशु चैंपियनशिप का आयोजन भी नहीं किया जा सका और स्कूल, क्लब आदि भी बंद रहने से भी खिलाड़ियो को तैयारी का ज्यादा मौका नहीं मिल सका ।

आईपीएल से पहले भारतीय क्रिकेटरों की नहीं मिला 15 दिनों का ब्रेक

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को व्यस्त कार्यक्रमों के कारण इस साल होने वाले आईपीएल से पहले 15 दिनों का ब्रेक नहीं मिल सका। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी सीरीज 28 मार्च को खत्म हो रही है। भारत ने इंग्लैंड से सीरीज खेलने से पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाकर सभी प्रारूपों की सीरीज खेली थी। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद आईपीएल होना है और भारतीय टीम को इस बीच सिर्फ नौ दिनों का आराम मिलेगा। लोढ़ा समिति ने अपने सिफारिश में यह सुझाव दिया था कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय सीरीज और आईपीएल के शुरू होने में कम से कम 15 दिनों का अंतराल होना चाहिए। इसमें कोई शक नहीं कि व्यस्त कार्यक्रमों के कारण ब्रेक मिलने से भारतीय खिलाड़ियों को थोड़ी राहत मिलती है और उनके काम का बोझ भी थोड़ा हल्का होता है। हालांकि इन सिफराशिों पर कम ही गौर किया जाता है। आईपीएल के पिछले सत्र में क्रिकेटरों में कोराना महामारी के कारण क्रिकेट गतिविधियां ठप्प होने की वजह से काफी लंबा ब्रेक मिला था। 2019 में आईपीएल से पहले खिलाड़ियों को नौ दिनों का ब्रेक मिला था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रशासकों की समिति ने उस वक्त उच्चतम न्यायालय को बताया था कि देश में आम चुनाव के कारण ऐसा कार्यक्रम तय करना पड़ा है।

बिजनेस भाई के किरदार में नजर आएंगे धोनी

नई दिल्ली, 26 मार्च वार्ता रोजमर्रा के कारोबारी और उद्यमियों को सशक्त बनाने वाली ककंपनी गोडैडी इंक ने शुक्रवार को एक नया एकीकृत मार्केटिंग अभियान शुरू किया है जो देश में छोटे स्थानीय कारोबारियों व्यवसायों को अपने कारोबार के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। सरकार के 'वोकल फॉर लोकल' मिशन के साथ, गो डैडी का उद्देश्य भारत में स्थानीय कारोबार को आसानी से और किफायती कीमत पर अपनी वेबसाइट बनाने में मदद करना है। अपने इस अभियान के लिए गो डैडी भारत में अपने वर्तमान ब्रांड एंबेसडर और दुनिया के सबसे विख्यात क्रिकेटरों में से एक, एमएस धोनी के साथ काम करेगा। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके एमएस धोनी इस अभियान में बिज़नेस भाई के किरदार में नज़र आएंगे, जो एक कारोबार गुरु होंगे। वह छोटे स्थानीय कारोबारियों का मार्गदर्शन करेंगे और उन्हें प्रोत्साहित करेंगे ताकि ग्राहकों की एक बड़ी संख्या तक पहुंचने के लिए छोटे कारोबारी ऑनलाइन में अपनी पहचान स्थापित कराए। स्थानीय भाषाओं को समर्थन देने की कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप यह अभियान कुल सात भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगा। इसमें हिंदी, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तमिल और तेलुगु आदि भाषाएं शामिल होग। स्थानीय भाषाओं का यह अभियान देश के कई भौगोलिक क्षेत्रों में भारतीय छोटे कारोबार के मालिकों और उद्यमियों में संदेश फैलाने में मदद करेगा।

इस अभियान के माध्यम से गो डैडी के साथ जुड़ने पर एमएस धोनी ने कहा, एक आकांक्षी और एक घरेलू उद्यमी के रूप में मैं यह अच्छे से समझता हूँ कि व्यवसाय के लिए आज ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

अर्जुन और विपराज की बदौलत ग्रीन ने जीती चैलेंजर ट्राफी

कानपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। अर्जुन भारद्वाज (51) और विपराज निगम (59) की उम्दा अर्धशतकीय पारियों की मदद से ग्रीन ने अंडर 19 चैलेंजर ट्राफी के खिताबी मुकाबले मे ब्लू को आसानी से 130 रनों से हरा दिया। ग्रीनपार्क स्टेडियम पर ग्रीन ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 243 रन बनाये जिसके जवाब में ब्लू की पूरी टीम 34 ओवर के खेल में 113 रन बना कर पवेलियन लौट गयी। विपराज ने उम्दा बल्लेबाजी की बदौलत अपनी टीम को मजबूत आधार दिया बल्कि बाद में मात्र दस रन पर दो महत्वपूर्ण विकेट चटका कर टीम की जीत का मार्ग प्रशस्त किया। इसके अलावा कार्तिक गोयल और शिवेन मल्होत्रा ने भी दो दो विकेट बांट कर विपक्षी टीम का पुलिंदा बांधने में महती भूमिका अदा की। उधर बाद में बल्लेबाजी करने उतरी ब्लू का प्रदर्शन बेहद दयनीय रहा जब उसके आठ बल्लेबाज दहाई के स्कोर तक पहुंचने में नाकाम साबित हुये। बृजेन्द्र त्रिपाठी (33) और मोहम्मद अमन (40) के अलावा और कोई बल्लेबाज अपनी टीम के लिये खास योगदान नहीं दे सका।

क्रिकेट *फील्ड अंपायरों के सॉफ्ट सिग्नल विवाद बना आईसीसी की परेशानी*

सॉफ्ट सिग्नल नियम में संशोधन पर विचार कर रहा आईसीसी

दुबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सॉफ्ट सिग्नल के नियम में संशोधन पर विचार कर रहा है। हाल ही में फील्ड अंपायरों के सॉफ्ट सिग्नल को लेकर काफी विवाद सामने आने के बाद ये खबरें सामने आईं थी कि आईसीसी इस नियम में बदलाव कर सकता है। इस समय चल रही खबरों के मुताबिक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने गुरुवार को वर्चुअल रूप से हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में इस मुद्दे को सबके सामने उठाया।

उन्हें बाकी सदस्यों का भी साथ मिला, जो इस बात से सहमत थे कि फील्ड अंपायर के सॉफ्ट सिग्नल आउट देने के नियम में बदलाव की जरूरत है। दरअसल हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच अहमदाबाद में हुए चौथे टी-20 मुकाबले के दौरान अंपायर के सॉफ्ट सिग्नल की वजह से काफी विवाद देखने को मिला था। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज सैम करन की गेंद पर डेविड मलान ने फाइन लेग पर सूर्यकुमार का कैच पकड़ा था, लेकिन गेंद जमीन को छूती हुई नजर आ रही थी और फील्ड अंपायर ने मामले को तीसरे अंपायर के पास भेजने से पहले सॉफ्ट सिग्नल के रूप में आउट करार दे दिया। इसके बाद तीसरे अंपायर ने नॉटआउट का पुख्ता सबूत न मिलने पर सूर्यकुमार को फील्ड अंपायर के निर्णय के अनुसार आउट दे दिया था।

चौथे टी-20 मैच के बाद भारतीय कप्तान विराट कोहली ने भी इस मुद्दे पर खुल कर बात की थी। विराट ने कहा था, मुझे नहीं पता कि संदेहजनक स्थिति में सॉफ्ट सिग्नल के बजाय अंपायर मुझे नहीं

पता कॉल क्यों नहीं दे सकते हैं। ऐसे निर्णय मैच के रुख को बदल सकते हैं, विशेष रूप से इन बड़े मैचों में। आज हम इससे प्रभावित हुए और कल हमारी जगह कोई और टीम हो सकती है। जब डेविड मलान ने सूर्य कुमार का कैच पकड़ा तब वह मैदान पर जम चुके थे, क्योंकि सॉफ्ट सिग्नल आउट था, इसलिए थर्ड अंपायर ठोस सबूत की कमी के चलते फैसले को पलट नहीं सका। कोहली ने डीआरएस के अंपायर कॉल नियम के खिलाफ भी आ वाज उठाई थी। भारतीय कप्तान ने यह कहा था कि इससे काफी उलझनें पैदा होती हैं। उन्होंने कहा था कि पगबाधा आउट होने के मामले पूरी तरह से बॉल के स्टंप्स पर लगने या न लगने पर आधारित होने चाहिए, न कि इस पर कि कितने प्रतिशत गेंद विकेट पर लगी है। मैरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने भी हाल ही में सॉफ्ट सिग्नल के नियम में बदलाव की सिफारिश की थी। एमसीसी की विश्व क्रिकेट समिति ने सुझाव दिया था कि ऑन-फील्ड अंपायर को संदेहजनक आउटफील्ड कैचों के लिए आउट या नॉट आउट के बजाय अनसोल्ड कहना चाहिए। इस बीच पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले के नेतृत्व और एंड्रयू स्ट्रॉस, राहुल द्रविड़, माहेला जयवर्धने और शॉन पोलॉक जैसे पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों, मैच रेफरी रंजन मदुगले, अंपायर रिचर्ड इलिंगवॉर्थ और मिकी आर्थर की मौजूदगी वाली क्रिकेट समिति ने अन्य मैच अधिकारियों, प्रसारकों और बॉल-ट्रैकिंग प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ता % हॉक-आई % से इस बारे में सुझाव लेने के बाद विचार-विमर्श कर यह फैसला किया था कि अंपायर कॉल नियम को बने रहना चाहिए।